AMAN MOTORS
Maruti Authorised
Service Station
Porter Ganj
Lucknow Road-
Gonda
Ph-05262-231506,
9415120101
*Get Better Service,*
*Your Good Car*

देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

# त्रिगुट

नासिरा प्रेस
मालवीयनगर-गोण्डा
मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।
एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

गोण्डा मंगलवार 25 अप्रैल 2023 वर्ष 38 अंक 242 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स-05262-230683 डाक पंजीयन संख्या-NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ- 8 मूल्य 2.00 रुपये

## संक्षिप्त समाचार

### अमृतपाल की गिरफ्त में भिंडरावाले के भतीजे की बड़ी भूमिका

चंडीगढ़ (ईएमएस)। खालिस्तानी नेता अमृतपाल सिंह पुलिस की गिरफ्त में है।फिलहाल, अमृतपाल असम के डिब्रूगढ़ जेल भेजा जा चुका है। अब कहा जा रहा है कि अमृतपाल की गिरफ्तारी में जरनैल सिंह भिंडरावाले के भतीजे जसबीर सिंह रोड़े की बड़ी भूमिका रही है। हालांकि, उसका कहना है कि अमृतपाल ने ही व्यक्तिगत रूप से पुलिस को सूचित किया था। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि अमृतपाल के सरेंडर की जानकारी के बाद जसबीर ने ही गुप्त रूप से पुलिस को बता दिया था। सूत्रों ने बताया कि जसबीर को पता था कि अमृतपाल मोगा गुरुद्वारा में सरेंडर करना चाहता है। साथ ही पुलिस को अमृतपाल की मौजदगी के बारे में भी बता दिया। कहा जा रहा है कि पुलिस ने रोड़े को जानकारी दी थी कि भीड़ में अमृतपाल को गिरफ्तार करने से अजनाला जैसी घटना हो सकती है। इससे पहले अमृतपाल रोड़े गांव में ही सरेंडर की योजना बना रहा था। माना जा रहा है कि जसबीर ने अमृतपाल को 22 अप्रैल की रात तक गुरुद्वारा पहुंचने के लिए कहा था। उन्होंने कहा, अमृतपाल सिंह शनिवार रात को गुरुद्वारा आया था। उसने खुद ही पुलिस को अपने सरेंडर की योजना के बारे में बताया। रिपोर्ट के अनुसार, 10 अप्रैल को हुई अमृतपाल के सहयोगी पप्पल प्रीत सिंह की गिरफ्तारी बड़ा झटका था। उसकी गिरफ्तारी से अलगाववादी नेता अकेला पड़ गया था। इसके अलावा अमृतपाल की पत्नी किरणदीप कौर को भी अमृतसर एयरपोर्ट पर पूछताछ के लिए रोका गया। वह 20 अप्रैल को लंदन भागने की कोशिश कर रही थी।

### अतीक के दफ्तर में खूब के धब्बे किसके, पुलिस इस सवाल का जबाब ढूढंने में लगी

प्रयागराज (ईएमएस)। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद सोमवार को प्रयागराज के चकिया स्थित उसके दफ्तर में जगह-जगह खून के धब्बे मिले हैं। इसके साथ ही दफ्तर में कुछ टूटी चूड़िया और सब्जी काटने वाला एक चाकू भी मिला है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है। पुलिस ने कहा है कि जल्द ही जांच से साफ हो जाएगा कि दफ्तर में बिखरा खून किसका है? बता दें कि अतीक के इसी दफ्तर से 21 मार्च को पुलिस ने 72 लाख 37 हजार रुपये, विदेश पिस्टल सहित 10 असलहे, मैगजीन, 112 कारतूस और छह मोबाइल बरामद किए थे। माफिया अतीक के इस दफ्तर पर दो-दो बार बुलडोजर चल चुका है। बताया जाता है कि दफ्तर 2007 तक गुलजार रहता था लेकिन सूबे में बसपा की सरकार बनने के बाद से दफ्तर में सन्नाटा रहने लगा। 2012 में अखिलेश सरकार बनने के बाद फिर सरगर्मियां बढ़ीं। हालांकि कुछ समय बाद ही समाजवादी पार्टी ने अतीक से पल्ला झाड़ लिया था। अतीक के दफ्तर में खून के धब्बे मिलने के बाद अब सवाल उठ रहा है कि आखिर उमेश पाल हत्याकांड और उसके बाद से चल रही तमाम कार्रवाईयों के बीच माफिया अतीक के इस दफ्तर को सील क्यों नहीं किया गया? बताया जा रहा है कि यह दफ्तर कई तरफ से खुला है और यहां कोई भी आ-जा सकता है। खून के धब्बे मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कहा कि सबसे पहले जांच की जा रही है कि खून किसका है।

### शादी-बारात में परोसी जा सकेगी शराब

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु में पब्लिक प्लेस में शराब पीने को लेकर नए नियम बनाए जा रहे हैं। अब किसी भी प्राइवेट इवेंट, कॉन्फ्रेंस हॉल या स्पोर्ट्स स्टेडियम में शराब परोसी जा सकेगी। इसके लिए राज्य सरकार ने खास तरह का लाइसेंस लेने की प्रक्रिया शुरु की है। तमिलनाडु सरकार ने शराब के खास तरह के लाइसेंस को लेकर अपने गजट में इसकी सूचना दी है। गजट में प्रकाशित एक नोटिफिकेशन के मुताबिक कनवेंशन सेंट, मैरिज हॉल, स्पोर्ट्स स्टेडियम और घर के आयोजनों में शराब परोसी जा सकेगी। बस इसके लिए होस्ट के पास स्पेशल लाइसेंस होना चाहिए।

कब तक वैलिड रहेगा लाइसेंस

शराब के लिए मिलने वाला यह स्पेशल लाइसेंस आवेदन में निर्धारित समय सीमा के आधार पर ही वैलिड रहेगा। यह एक या कुछ दिनों के लिए ही वैलिड होगा। अलग-अलग जगह के हिसाब से लाइसेंस की फीस में भी अंतर होगा।

### राष्ट्रीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु (ईएमएस)। राष्ट्रीय युवा कांग्रेस अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास के खिलाफ चुनाव अधिकारियों की ड्यूटी में बाधा डालने के मामले में बेंगलूरू के विधान सौध पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि, श्रीनिवास ने 23 अप्रैल को बेंगलुरु के एक होटल में आयोजित बैठक के दौरान चुनाव अधिकारियों की तलाशी और निरीक्षण में बाधा डाली। श्रीनिवास ने कथिततौर पर अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं किया और उनसे बहस करने लगे। वहीं दूसरी तरफ असम पुलिस की एक टीम श्रीनिवास पर लगे उत्पीड़न के आरोपों के सिलसिले में उनकी तलाश में बेंगलुरु पहुंची थी। पुलिस ने कहा कि, श्रीनिवास नहीं मिले, इसलिए उन्होंने उनके आवास के दरवाजे पर नोटिस चिपका दिया है और पेश होने के लिए कहा गया है।

### पटना हाईकोर्ट से राहुल को राहत

पटना (ईएमएस)। राहुल गांधी को पटना हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट ने एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही न्यायिक प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। निचली कोर्ट में पेश होने से छूट मिल गई है। 15 मई तक कोर्ट ने ये रोक लगाई है। मामले में अगली सुनवाई 16 मई को होगी। बता दें कि मोदी सरनेम वाले केस में एमपी-एमएलए कोर्ट में 25 अप्रैल को पेश होना था। राहुल गांधी के वकील अंशुल वर्मा ने बताया कि हमने हाईकोर्ट से कहा कि सूरत कोर्ट ने इसी मामले में उन्हें सजा सुनाई है। अब पटना के एमपी-एमएलए कोर्ट में केस चलाने से क्या मतलब है। हाईकोर्ट ने 15 मई तक निचली अदालत की प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। अब 25 अप्रैल को उन्हें एमपी-एमएलए कोर्ट में उपस्थित नहीं होना होगा।

### कर्नाटक में सरकारी अधिकारियों के आवासों पर छापा

बैंगलुरु (ईएमएस)। लोकायुक्त के अधिकारी सोमवार को पूरे कर्नाटक में सरकारी अधिकारियों के आवासों पर छापे और तलाशी अभियान चला रहे हैं। यह अभियान कथित तौर पर आय से अधिक संपत्ति को लेकर है। बेंगलुरु में येलहंका इलाके में बृहत बेंगलुरु महानगर पालिके (बीबीएमपी) से जुड़े एडीजीपी के आवास पर छापेमारी की जा रही है। लोकायुक्त सूत्रों के मुताबिक दावणगेरे, बेल्लारी, बीदर, कोलार और अन्य जिलों में भी छापेमारी चल रही है। बीबीएमपी के एडीजीपी गंगाधरैया के आवासों की तलाशी भी ली जा रही है। येलहंका और महालक्ष्मी लेआउट में उनके आवासों पर 15 अधिकारियों की टीम छापेमारी कर रही है। टीम का नेतृत्व एक एसपी, एक डिप्टी एसपी और एक इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी कर रहे हैं। लोकायुक्त एसपी उमेश के नेतृत्व में जांच अधिकारी कोलार जिले में तालुक पंचायत के सीईओ एन. वेंकटेशप्पा के कई स्थानों पर संपत्तियों की तलाशी ले रहे हैं।

### तमिलनाडु में रियल स्टेट कंपनी के 50 ठिकानों पर छापामारी

चेन्नई (ईएमएस)। आयकर विभाग तमिलनाडु में जी-स्क्वायर रिलेशंस के परिसरों में 50 से अधिक स्थानों पर छापेमारी कर रहा है। जी-स्क्वायर रिलेशंस एक रियल एस्टेट कंपनी है जो कथित रूप से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उनके परिवार के सदस्यों से जुड़ा है। आयकर अधिकारी स्टालिन के दामाद सबरीसन के ऑडिटर के आवास के परिसरों में भी छापे मार रहे हैं और तलाशी ले रहे हैं। तमिलनाडु बीजेपी के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कुछ दिन पहले डीएमके फाइलें जारी की थीं, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि स्टालिन के बेटे और वर्तमान मंत्री उदयनिधि स्टालिन और उनके दामाद सबरीसन ने आय से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है।

# भारत को विकसित बनाने के लिए गांवों को विकसित करना जरूरी -मोदी

रीवा(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत को विकसित बनाने के लिए गांवों की सामाजिक व्यवस्था को विकसित करना जरूरी है। मोदी आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर रीवा में कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में यह भी कहा कि पिछली सरकारों ने देश में पंचायती राज व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया था, लेकिन अब पंचायतों को सक्षम बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 लाख से अधिक पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी को, देश की 2.5 लाख से अधिक पंचायतों को 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस' की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आज आपके साथ 30 लाख से अधिक पंचायत प्रतिनिधि भी हमारे साथ वर्चुअली जुड़े हुए हैं। ये निश्चित रूप से भारत के लोकतंत्र की बहुत ही सशक्त तस्वीर है। पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के इस अमृतकाल में हम सभी देशवासियों ने विकसित भारत का सपना देखा है और उसे पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। भारत को विकसित बनाने के लिए भारत के गांवों की सामाजिक व्यवस्था को विकसित करना जरूरी है। भारत को विकसित बनाने के लिए भारत के गांवों की पंचायती व्यवस्था को भी विकसित करना जरूरी है। इसी सोच के साथ हमारी सरकार देश की पंचायत व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है।

रीवा में पीएम मोदी ने करीब 17 हजार करोड़ की लागत वाली परियोजनाओं की आधारशिला रखी और राष्ट्र को समर्पित किया। बाद में अमृत सरोवर, स्वामित्व योजना, हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर सहित कई प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। पीएम मोदी ने 2300 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसके साथ ही तीन नई रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2014 से पहले के 10 वर्षों में केंद्र सरकार की मदद से 6,000 के आस पास ही पंचायत भवन बनवाए गए थे। पूरे देश में करीब-करीब 6,000 पंचायत घर ही बने थे। हमारी सरकार 8 वर्ष के अंदर-अंदर ही 30 हजार से ज्यादा नई पंचायतों का निर्माण करवा चुकी है। पीएम मोदी ने कहा कि पहले की सरकार ने 70 से भी कम ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा। ये हमारी सरकार है, जो देश की 2 लाख से भी ज्यादा पंचायतों तक ऑप्टिकल फाइबर ले गई है। आजादी के बाद की सरकारों ने भारत की पंचायती राज व्यवस्था को ध्वस्त किया। जो व्यवस्था सैकड़ों वर्ष, हजारों वर्ष पहले से थी, उसी पंचायती राज व्यवस्था पर आजादी के बाद भरोसा ही नहीं किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि डिजिटल क्रांति के इस दौर में अब पंचायतों को भी स्मार्ट बनाया जा रहा है। आज ई-ग्राम स्वराज-जेम इंटीग्रेटेड पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। इससे पंचायतों के माध्यम से होने वाली खरीद की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनेगी। प्रधानमंत्री ने पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी जनता के प्रतिनिधि हैं। हम सभी इस देश के लिए, इस लोकतंत्र के लिए समर्पित हैं। काम के दायरे भले ही अलग हों, लेकिन लक्ष्य एक ही है- जनसेवा से राष्ट्रसेवा। हमें इसी भावना से काम करना है।

## यूपी नहीं है अब किसी की बपौती-योगी

सहारनपुर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब यूपी में माफिया अतीत हो गए हैं, राज्य सुरक्षा-खुशहाली और रोजगार का प्रतीक बन रहा है। नो कर्फ्यू- नो दंगा, यूपी में सब चंगा। रंगदारी न फिरौती, यूपी नहीं है अब किसी की बपौती। वे सोमवार को निकाय चुनाव का प्रचार करने सहारनपुर पहुंचे थे। जनसभा को संबोधित कर रहे योगी ने कहा, अब माफिया नहीं... महोत्सव हमारी पहचान। अब उपद्रव नहीं... उत्सव हमारी पहचान है। योगी ने लोगों से डबल इंजन सरकार से ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने की अपील की।

पहले हमले होते थे, अब कांवड़ यात्रा निकलती है

उन्होंने कहा कि आने वाले वक्त में सहारनपुर से दिल्ली की दूरी 2 घंटे में पूरी हो जाएगी। अभी 3 घंटे लगते हैं। पहले डिग्री के लिए मेरठ जाना होता था, अब सहारनपुर में ही विश्वविद्यालय का निर्माण हो रहा है। यहां के छात्रों को मां शाकंभरी की तस्वीर वाली मार्कशीट मिलेगी। यहां के कलाकार अब वैश्विक स्तर पर अपना नाम कर रहे हैं। अब ऐसा कौन होगा, जिसके पास सहारनपुर का फर्नीचर न हो। काष्ठ कला को नमस्कार करता हूं। 2017 से पहले सरकारों को दंगा कराने से फुरसत नहीं थी। कैसे सिख भाइयों पर अत्याचार हुआ था। हमले हुए थे। अब कांवड़ यात्रा निकलती है...। पहले युवाओं पर झूठे मुकदमे होते थे, अब वो जॉब करने जा रहे हैं।

पहले शोहदों का आतंक था

उन्होंने कहा कि पहले शोहदों का आतंक होता था। बेटियां घर से बाहर पढ़ने नहीं निकल पाती थीं, लेकिन आज आप देख रहे होंगे कि यूपी में भयमुक्त वातावरण देने में सरकार सफल हुई है। यूपी की नई तस्वीर प्रस्तुत की जा सकी है। कोरोना काल में आपने देखा होगा कि दुनिया पस्त थी। भारत में फ्री में वैक्सीन, फ्री में इलाज और फ्री में राशन उपलब्ध कराया जा रहा था। डेवलपमेंट में स्मार्ट सिटी बनाने का काम रहा हो, नगरीय निकाय के विस्तारीकरण का काम हो, युद्धस्तर पर इन कामों को आगे बढ़ाया गया। पहले सहारनपुर की अनदेखी होती थी। अब मां शाकंभरी तक रेलवे लाइन से जोड़ने के काम पूरे हो चुके हैं। अब रोड की बेहतरीन कनेक्टिविटी हो चुकी है। अब एयर कनेक्टिविटी पर काम चल रहा है। मैं आपके बीच यही अपील करने आया हूं। तय करना होगा कि 2017 से पहले वाली जातिवादी सरकार चाहिए या विकासपरक सरकार चाहिए। हमें तय करना होगा कि युवाओं के हाथ में तमंचे हों या स्मार्ट फोन। अपराधियों की गोलियों की तड़तड़ाहट होनी चाहिए या स्ट्रीट वेंडरों को जगह देने वाली सरकार चाहिए। हमारी प्राथमिकता स्मार्ट सिटी होनी चाहिए।

## कूनो में दूसरे चीते की भी मौत, लंबे समय तक बाड़े में रखना पड़ रहा भारी

श्योपुर(ईएमएस)। कूनों में लगातार दूसरे चीते की भी मौत हो गई। इससे सवाल उठ रहे हैं कि कहीं बाड़े में लंबे समय तक इन्हें रखना तो भारी नहीं पड़ रहा। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में एक महीने के अंदर दो चीतों की मौत हो गई है। रविवार शाम को उदय नाम के नर चीते की मौत हो गई। उसकी मौत की वजह का पता नहीं चल पाया है। इसके पहले साशा नामक मादा चीता के किडनी की बीमारी के चलते मौत हो गई थी। इन दो मौतों से देश में प्रोजेक्ट चीता पर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार करीब छह साल के उदय को इस साल 18 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से लाया गया था। दक्षिण अफ्रीका से उसे कूनो लेकर आने वाले चीता मेटा पॉपुलेशन प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों के मुताबिक उदय का स्वास्थ्य अच्छा था। वहीं, वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट्स का कहना है कि लगातार लंबे समय तक बाड़े में रखने से चीतों के स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है और वे बीमार हो रहे हैं।

हालांकि रविवार सुबह को विशेषज्ञों की एक टीम चीतों को देखने के लिए कूनो गई थी। उनकी नजर उदय पर पड़ी तो उसकी हालत देखकर वे घबरा गए। उदय सिर नीचे किए अपने बाड़े में बैठा था। वह बेहद थका हुआ दिख रहा था। विशेषज्ञों की टीम उसके करीब पहुंची तो वह उठकर चलने लगा, लेकिन वह ठीक से चल नहीं पा रहा था। उसकी गर्दन नीचे की ओर झुकी हुई थी। टीम ने तत्काल वेटिनरी डॉक्टर्स की टीम को इस बारे में बताया जो नियमित उदय पर नजर रख रहे थे। डॉक्टर्स ने उसकी जांच की तो पता चला कि उदय को तत्काल इलाज की जरूरत है। इसके बाद चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट को इसकी सूचना दी गई। 11 बजे उदय को क्वारंटीन कर दिया गया। इसके बाद उसे बेहोश कर इलाज शुरू किया गया।

## कर्नाटक चुनाव-मोदी, योगी 29 अप्रैल को बेलागावी आएंगे

हुबली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचार अभियान के लिए 29 अप्रैल को कर्नाटक के बेलागवी जिले में पहुंचने वाले हैं। भाजपा ने टिकट नहीं मिलने से नाराज अपने वरिष्ठ लिंगायत नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने के मद्देनजर उत्तर कर्नाटक में बड़े कार्यक्रमों की योजना बनाई है। जोशी ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बेलगावी की एक और यात्रा के लिए अनुरोध किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार शाम को हुबली का दौरा कर रहे हैं और जिला पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक करने वाले हैं, वह धारवाड़ और गडग जिलों में जीतने के लिए रणनीति पर मार्गदर्शन करने वाले हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मोदी और योगी बेलगावी के कुदाची कस्बे का दौरा करने वाले हैं। जिले में 18 विधानसभा सीटें हैं और पिछले चुनाव में भाजपा ने 13 पर जीत हासिल की थी। इन चुनावों में पार्टी जिले में अपनी स्थिति सुधारना चाहती है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी के पार्टी छोड़ने के प्रभाव को निष्क्रिय करने के लिए वह पूरी रणनीति बनाकर मुकाबला करना चाहती है। बेलागवी जिले से ताल्लुक रखने वाले सावदी अथानी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार के भाजपा से बाहर निकलने के बारे में प्रल्हाद जोशी ने कहा कि पार्टी हुबली-धारवाड़ केंद्रीय विधानसभा सीट जीतने जा रही है, जिसका प्रतिनिधित्व पहले शेट्टार करते थे। उन्होंने कहा, पार्टी बड़े बहुमत से जीतने जा रही है। शेट्टार के भाजपा से बाहर निकलने का कोई प्रभाव नहीं है। राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष ने कहा कि यह फैसला उच्च स्तर पर लिया गया है। उन्होंने कहा लिंगायत समुदाय हमारे लिए एक हथियार नहीं है। कांग्रेस पार्टी ने लिंगायतों का अपमान किया है। अगर राहुल गांधी में इतना प्यार है, तब उन्हें घोषणा करनी चाहिए कि लिंगायत समुदाय के नेता को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। राहुल गांधी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देकर कि वह ऑपरेशन लोटस नहीं होने देने वाले हैं, जोशी ने कहा कि भाजपा बहुमत हासिल करने जा रही है।

## हम ओवैसी या मजलिस से नहीं डरते हैं, स्कूलों से मुस्लिम आरक्षण करेंगे समाप्त -शाह

हैदराबाद(ईएमएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यहां रैली को संबोधित करते हुए एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने मुस्लिम कोटे को असंवैधानिक बताते हुए इसे रद्द करने की बात कही है। शाह ने कहा कि अगर बीजेपी तेलुगू राज्य में सत्ता में आती है तो तेलंगाना में अल्पसंख्यकों के आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा। वह हैदराबाद से 46 किमी दूर चेवेल्ला में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देश में बीआरएस के विस्तार की योजना का मजाक उड़ाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का पद खाली नहीं है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी 2024 के संसदीय चुनावों के बाद आसानी से सत्ता हासिल कर लेंगे। वहीं यह भी ऐलान किया कि उनकी सरकार आई तो हैदराबाद के ईदगाह परेड मैदान में ऐसा स्वतंत्रता दिवस मनेगा कि पूरी दुनिया देखेगी। शाह ने कहा कि हम ओवैसी या मजलिस से नहीं डरते हैं। एक आक्रामक रुख अपनाते हुए, शाह ने केसीआर को एक खुली धमकी देते हुए कहा कि बीजेपी तब तक नहीं रुकेगी जब तक कि बीआरएस को सत्ता से बाहर नहीं कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उनका (केसीआर) गुलाबी पार्टी का टीआरएस से बीआरएस में कायापलट गले तक गहरे भ्रष्टाचार से ध्यान हटाने की एक मात्र रणनीति थी। शाह ने कहा कि हम शिक्षण संस्थानों में मुस्लिम आरक्षण को समाप्त कर देंगे। कोटा दलितों, आदिवासियों और पिछड़ी जातियों का संवैधानिक अधिकार है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें इसका लाभ मिले।

यहां पर संसद प्रभारी योजना के हिस्से के रूप में विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि केसीआर प्रधानमंत्री बनने और भारत का दौरा करने का सपना देखते हैं, लेकिन पहले वह अपने क्षेत्र में देखें, जहां सड़ांध भरी है। गृहमंत्री ने लोगों से लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत देने की अपील करते हुए कहा कि जल्द ही एक ट्रेलर आ रहा है। गृहमंत्री ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में बीजेपी की सरकार बनाईए हैदराबाद के ईदगाह मैदान में हम धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे। उन्होंने कहा कि मजलिस आपके लिए मजबूरी है, बीजेपी के लिए नहीं। तेलंगाना सरकार तेलंगाना के लोगों के लिए चलेगी, ओवैसी के लिए नहीं चलेगी। बीआरएस का चुनाव चिन्ह कार है। कार का स्टेरिंग मजलिस के पास है, ओवैसी के पास है तो कार की दिशा अच्छी हो सकती है? कमल को वोट दीजिए, कमल में बैठकर महालक्ष्मी तेलंगाना में उतरेंगी। यह भारत का नक्शा भी बनाते हैं तो कश्मीर को आजाद भारत बताते हैं।

अमित शाह ने कहा कि केसीआर ने तेलंगाना को अपने परिवार के लिए एटीएम बना रखा है। ये ओवैसी के एजेंडे पर चलते हैं और तेलंगाना स्वतंत्रता दिवस नहीं मनाते। भाजपा की सरकार बनने के बाद पूरी दुनिया देखे ऐसा तेलंगाना का स्वतंत्रता दिन का उत्सव मनाएंगे। शाह ने कहा कि तेलंगाना में युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है। यहां पेपर लीक हो रहे हैं, लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है। जो ठीक से एक परीक्षा भी नहीं करवा सकता उसे सत्ता में रहने का अधिकार नहीं। भाजपा तेलंगाना के अध्यक्ष संजय ने पेपर लीक के खिलाफ युवाओं के अधिकार के लिए आवाज उठाई, तो केसीआर ने उन्हें जेल में डाल दिया। केसीआर जी सुन लो भाजपा का एक भी कार्यकर्ता आपसे नहीं डरता, हमारी लड़ाई तब तक जारी रहेगी की जब तक आपको गद्दी से नहीं उतार देते।

# पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने थाना को0 देहात का किया औचक निरीक्षण

**शिकायती प्रार्थना पत्रों के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण करने के दिये निर्देश**

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा आकाश तोमर ने थाना को0 देहात का औचक निरीक्षण किया। जिसमें थाना कार्यालय, विवेचना कक्ष, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, बंदी गृह, विवेचना कक्ष, मेंस व थाना परिसर आदि का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने रिकार्डो को अद्यतन करने व साफ सफाई रखने एवं महिला हेल्प डेस्क पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों को आने वाली महिला फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके प्रति सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार करते हुए तत्काल निस्तारण कराने के निर्देश दिए।

साथ ही पुलिस अधीक्षक ने मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला आरक्षियों को अपने-अपने बीट क्षेत्र में जाकर महिलाओं व बालिकाओं से वार्ता कर महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 112, 1076, 1098, 108 व 102 के संबंध

में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक करने के भी निर्देश दिए साथ ही पुलिस अधीक्षक ने थाने के त्योहार, मासिक व अपराध रजिस्टर का अवलोकन किया तथा सभी अभिलेखो को अद्यावधिक रखने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने आई0जी0आर0एस0/जनशिकायतों के सम्बन्ध में लंबित शिकायती प्रार्थना पत्रों की समीक्षा कर प्रत्येक आई0जी0आर0एस0/शिकायती प्रार्थना पत्रो का स्वयं मौके पर जाकर आवेदक की संतुष्टि को प्राथमिकता देते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण करने एवं लम्बित विवेचनाओ का भी गुणदोष के आधार पर निस्तारण, वांछित अभियुक्तो की शीघ्र गिरफ्तारी व परिसर में खड़े मुकदमाती वाहनों के निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर पीआरओ व अन्य पुलिस अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## ट्विटर पर ब्लू टिक बहाल होने पर फिल्मी सितारे हुइ खुश

मुंबई (ईएमएस)। हाई-प्रोफाइल सेलिब्रिटी खातों पर ब्लू टिक (सत्यापन बैज) बहाल करने के ट्विटर के कदम का अभिनेता अमिताभ बच्चन, प्रियंका चोपड़ा जोनास और प्रकाश राज सहित अन्य फिल्मी हस्तियों ने स्वागत किया। अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, सलमान खान, अक्षय कुमार, अजय देवगन और रजनीकांत जैसी कई भारतीय फिल्मी हस्तियों ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर अपने खातों से 'ब्लू टिक' गंवा दिया था, जिससे उनकी पहचान सत्यापित होती थी। ट्विटर ने उन खातों से ब्लू टिक हटा दिए थे, जिन्होंने इस सेवा के लिए मासिक सदस्यता का भुगतान नहीं किया था। इसके बाद सोशल मीडिया कंपनी ने कई भारतीय फिल्मी सितारों के खातों पर 'ब्लू टिक' को पुनर्बहाल कर दिया। गौरतलब है कि ट्विटर को पिछले साल टेस्ला कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने खरीदा था। ट्विटर पर काफी सक्रिय रहने वाले अमिताभ बच्चन ने 'ब्लू टिक' बहाल होने पर खुशी जताई और अनोखे अंदाज में मस्क को धन्यवाद दिया।

## वंदे भारत का सफर राजधानी से भी महंगा, केटरिंग चार्ज में आएगा अंतर

नई दिल्ली (ईएमएस)। राजधानी एक्सप्रेस के मुकाबले यात्रियों को वंदे भारत ट्रेन में ज्यादा भुगतान करना पड़ सकता है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, त्रिवेंद्रम सेंट्रल से कासरगोड़ तक पहुंचने में वंदे भारत को 8 घंटे 5 मिनट का समय लगेगा और एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया 2880 रुपये होगा। जबकि, राजधानी यह सफर 8 घंटे 59 मिनट में करती है, लेकिन उसका किराया 2770 रुपये है। कहा जा रहा है कि दोनों ही ट्रेनों का बेस फेयर एक जैसा ही है, लेकिन केटरिंग चार्ज के चलते यह अंतर आ सकता है। तिरुवनंतपुरम से कासरगोड़ के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस दौड़ने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को इसकी शुरुआत करेंगे। हालांकि, एक अधिकारी ने बताया है कि यात्री इस ट्रेन की रफ्तार का मजा बुधवार से उठा पाएंगे। नई वंदे भारत की एंट्री से ही इस रूट पर दौड़ रही राजधानी एक्सप्रेस की रफ्तार का रिकॉर्ड टूट जाएगा।

एक ओर जहां वंदे भारत का बेस फेयर 2194 रुपये और केटरिंग चार्ज 434 रुपये है। वहीं, राजधानी के मामले में यह आंकड़ा क्रमशः 2269 रुपये और 245 रुपये है। हालांकि, जीएसटी, सुपरफास्ट और रिजर्वेशन चार्ज दोनों ही रेलगाड़ियों के बराबर है। इसके अलावा केटरिंग की सुविधा लेना भी यात्रियों के लिए वैकल्पिक है। एक अधिकारी का कहना है कि राजधानी में केवल डिनर सर्व किया जाता है। जबकि, वंदे भारत में यात्रियों के नाश्ते के साथ चाय और स्नैक्स भी मिलेंगे। अगर वंदे भारत में यात्री भोजन नहीं लेना चाहते, तो उन्हें 2465 रुपये चुकाने होंगे। वहीं, राजधानी के फर्स्ट एसी में उन्हें 2525 रुपये का भुगतान करना होगा। त्रिवेंद्रम सेंट्रल से वंदे भारत सुबह 5 बजकर 20 मिनट पर निकलेगी और दोपहर 1 बजकर 25 मिनट पर कासरगोड़ पहुंचेगी।

कासरगोड़ से वंदे भारत दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर रवाना होगा और त्रिवेंद्रम सेंट्रल रात 10 बजकर 35 मिनट पर पहुंचेगी। वंदे भारत इस रूट पर गुरुवार छोड़कर पूरे सप्ताह दौड़ेगी। कसरगोड़ से यात्रा शुरू करने के बाद यह ट्रेन कन्नूर, कोझिकोड, शोरानुर, त्रिसुर, एर्नाकुलम टाउन, कोट्टायम और कोलम रुकेगी।

# संक्षिप्त समाचार

## रूस से सस्ता तेल खरीदना पाकिस्तान को पड़ सकता है भारी

इस्लामाबाद(ईएमएस)। भारत की नकल करते हुए पाकिस्तान को रूस से सस्ता तेल खरीदना भारी पड़ सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी दबाव को नजरअंदाज करते हुए भारत रूस से भारी मात्रा में तेल आयात कर रहा है। चीन ने भी मॉस्को से तेल खरीदना जारी रखा है। अब रूस से सस्ता तेल आयात करने वाले एशियाई देशों में पाकिस्तान भी शामिल हो गया है। लेकिन भारत की नकल पश्चिम को नाराज कर सकती है और संकटों से घिरे देश पर भारी पड़ सकता है। भारत के रूस से तेल खरीदने का जब पश्चिमी देशों ने विरोध किया तो विदेश मंत्री एस जयशंकर ने करारा जवाब दिया था लेकिन पाकिस्तान फिलहाल किसी को भी जवाब देने की स्थिति में नहीं है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री मुसादिक मलिक ने बताया कि इस्लामाबाद ने रूस के साथ एक नए सौदे पर साइन किए हैं जिसके तहत कच्चे तेल का पहला ऑर्डर दे दिया गया है और कार्गो मई में कराची बंदरगाह पर डॉक करेगा। मलिक ने कहा कि अगर पहला लेनदेन सुचारू रूप से हो जाता है तो मॉस्को के साथ हुए नए सौदे के तहत पाकिस्तान का आयात प्रति दिन 1,00,000 बैरल तक पहुंचने की उम्मीद है। बता दें कि यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते रूस अब अपने परंपरागत यूरोपीय खरीदारों के बजाय एशिया, अफ्रीका और अन्य लैटिन अमेरिकी देशों में तेल निर्यात कर रहा है। रूस और पाकिस्तान की डील महीनों लंबी बातचीत के बाद हुई है। इस साल की शुरुआत में रूस के ऊर्जा मंत्री निकोले शुल्गिनोव ने पाकिस्तान की यात्रा की थी। यूक्रेन युद्ध के बाद से भारत और चीन रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार बन गए हैं जो 1.9 मिलियन बैरल तेल रोज खरीद रहे हैं। यह कुल मिलाकर तेल निर्यात का 90 प्रतिशत हिस्सा है। पाकिस्तान भी अब सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के अलावा रूस से ऊर्जा व्यापार के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग की एक महत्वपूर्ण शुरुआत कर रहा है। विश्लेषकों की मानें तो रूस से सस्ता तेल खरीदने पर पाकिस्तान अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना कर सकता है।

## हीटवेव से 15,000 से अधिक लोगों की यूरोप में मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूरोप में हीटवेव के कारण पिछले साल 15000 से ज्यादा मौतें हुई थी। इस साल भी हीटवेव से यूरोप के देश भारी संकट में है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन, धरती का तापमान बढ़ने से चिंतित है। पर्यावरण में परिवर्तन आने के कारण बाढ़, सूखा, ठंड और गर्मी का चक्र सारी दुनिया के देशों में तेजी के साथ बदल रहा है। विश्व के मानचित्र पर एशियाई महाद्वीप में भी रिकॉर्ड गर्मी दर्ज की जा रही है। भारत, बांग्लादेश, नेपाल, थाईलैंड, चीन सहित एशियाई देशों के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले साल गर्मी ने सारी दुनिया में अपना प्रचंड रूप दिखाया था। इस वर्ष भी कई एशियाई देश भारी गर्मी की चपेट में है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा 2022 की जो वार्षिक रिपोर्ट जारी की गई है। उसमें कहा गया है कि ग्रीन हाउस गैसों के रिकॉर्ड स्तर ने, वैश्विक स्तर पर सूखा, बाढ़ और हीटवेव के कारण मौसम में परिवर्तन लाने का काम किया है। इसका असर बड़ी तेजी के साथ जन जीवन के ऊपर पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार 3 ग्रीन हाउस गैसों, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रिक ऑक्साइड के स्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में गर्मियों के दौरान हीटवेव से स्पेन में लगभग 4600 जर्मनी में 4500 यूनाइटेड किंगडम में 2800 फ्रांस में लगभग 2800 तथा पुर्तगाल में 1000 से अधिक लोगों की मौत का कारण हीटवेव था। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार 1850 के बाद 2022 का साल दुनिया का सबसे गर्म साल रिकॉर्ड किया गया है।

## शंघाई ऑटो शो में पेश किया वोल्वो ईएक्स90 एक्सीलेंस ईवी को

नयी दिल्ली (ईएमएस)। वोल्वो ने नई ईएक्स90 इलेक्ट्रिक एसयूवी को अब शंघाई ऑटो शो में पेश किया है। शुरुआत में वॉल्वो एस90 एक्सीलेंस को केवल चीन में सेल किया जाएगा उसके बाद दुनिया भर में ये ब्रिकी के लिए उपलब्ध होगी। वोल्वो ईएक्स90 ईवी में 5त्र कनेक्शन है। इसमें इंफोटेनमेंट और वाहन के लिए 14.5 इंच की स्क्रीन है। इसमें111केडब्ल्यूएच बैटरी पैक और एक डुअल मोटर सेटअप है, जो चारों पहियों को पावर देता है। ये 496 एचपी की पीक पावर और 909 एनएम का टार्क जेनरेट करने में सक्षम है। ये एक बार फुल चार्ज में 650 किमी तक चल सकती है। वोल्वो ईएक्स90 ईवी में 14.5 इंच का वर्टिकल टच स्क्रीन सेंटर कंसोल, क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज के स्नैपड्रैगन कॉकपिट, रडार, लिडार, कैमरे, सेफ्टी सेंसर, 360-डिग्री कैमरा, असिस्टेड ड्राइविंग और अडैप्टिव क्रूज कंट्रोल सिस्टम जैसे फीचर्स मिलेंगे।बता दें कि वोल्वो ईएक्स90 ईवी के एक्सटीरियर में डुअल-टोन पेंट थीम है। इसमें एक बड़ा ओरेफोर्स् क्रिस्टल भी है जो डिस्पेंसर को कंट्रोल करता है। ईएक्स90 एक्सीलेंस में वूल ब्लेंड या नॉर्डिको अपहोल्स्ट्री मिलती है।

## तस्वीर शेयर कर बताई ओला एस1 की ताकत

मुंबई (ईएमएस)। भारत में लांच के बाद से ओला एस1 इलेक्ट्रिक स्कूटर को कई बार आलोचना का सामना करना पड़ा है। इसके फ्रंट सस्पेंशन टूटने की भी कई खबरें सामने आ चुकी हैं। हाल ही में ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भावेश अग्रवाल ने पोस्ट शेयर कर ओला एस1 की ताकत दिखाने का प्रयास किया। तस्वीर में देख सकते हैं कि ओला एस1 इलेक्ट्रिक स्कूटर पर 6 लोग सवार हैं, जिसमें कुछ स्कूटर पर सवार है, कुछ आस-पास लटके हुए है और एक फुट-बोर्ड पर बैठा हुआ है। सभी ने हेलमेट पहना हुआ है और स्टंट कर रहे हैं। सीईओ ने पोस्ट में स्टंट वीडियो का लिंक भी शेयर किया है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए अग्रवाल ने लिखा, बहुत खूब! मैंने आज तक किसी भी स्कूटर का सबसे कठिन स्ट्रेस टेस्ट देखा है और ताकत परीक्षण में ओला एस 1 एक जानवर है। बता दें ओला एस1 इलेक्ट्रिक स्कूटर में एक अनोखा सेंट्रली-माउंटेड फ्रंट फोर्क है, जो आज तक किसी अन्य स्कूटर में नहीं देखा गया है। हालांकि, इस अनोखे फ्रंट सस्पेंशन की कई बार जांच की गई क्योंकि यह तब टूटा जब लोग अपने एस1 इलेक्ट्रिक स्कूटर की सवारी कर रहे थे।

## बिहार सरकार जैविक खेती अपनाने वाले किसानों को देगी प्रति एकड़ 6500 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। खेतों में रासायनिक खाद के इस्तेमाल से जमीन की उर्वरकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इसी कारण सरकारें किसानों को खेती में रासायनिक उर्वरक की जगह जैविक खाद का उपयोग करने की सलाह दे रही है. बिहार सरकार ने किसानों को जैविक खेती अपनाने पर आर्थिक मदद देने की भी घोषणा की है। बिहार कृषि विभाग के मुताबिक जैविक खेती करने वाले किसानों को 6500 रुपए प्रति एकड़ मिलेंगे। किसानों को ये राशि जैविक प्रोत्साहन योजना के तहत दिए जाएंगे। इस राशि को पाने के लिए किसानों को 2.5 एकड़ जमीन होना चाहिए। 2.5 एकड़ जमीन पर किसानों को कुल 16 हजार 250 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए किसान को बिहार कृषि विभाग की वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा। किसी भी तरह की जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1800-180-1551 पर भी कॉल कर मदद ली जा सकती है। रासायनिक और जैविक खेती में बड़ा अंतर खर्च का आता है। अगर एक एकड़ खेती रासायनिक तौर पर की जाए तो खर्च 30 हजार प्रति एकड़ तक होता है। वहीं जैविक खेती में मात्र 5 हजार का खर्चा आता है। वहीं अगर कमाई की बात करें तो रासायनिक की तुलना में जैविक खेती में 20 फीसदी से अधिक मुनाफा होता है। वहीं जैविक खेती का माल बेचने में आसानी होती है और बड़ी संख्या में उसके खरीदार मिलते हैं। जैविक खेती के लाभ अनेक हैं। इस पद्धति को अपनाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति लम्बे समय तक बनी रहती है, साथ ही सिंचाई अंतराल में वृद्धि होती है। इस पद्धति की खेती में लागत भी कम आती है।

## मस्क की टेस्ला ने अमेरिका में ऑटो पायलट क्रैश केस जीता

सैन फ्रांसिस्को (ईएमएस)। अमेरिका में 2019 में एक ऑटोपायलट संबंधित दुर्घटना के मामले में जूरी ने एलेन मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के पक्ष में फैसला दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार कैलिफोर्निया प्रांत की अदालत में जूरी ने 2020 में टेस्ला पर मुकदमा करने वाले वादी जस्टिन सू को कोई हजार्ना नहीं दिया। जूरी ने पाया कि टेस्ला ऑटो पायलट सॉफ्टवेयर की गलती से वह दुर्घटना नहीं हुई थी, जिसमें ऑटो पायलट इंगेज होने के बावजूद कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई थी। टेस्ला अपने ऑटो पायलट और इसके फुल सेल्फ-ड्राइविंग (एफएसडी) ड्राइवर सहायता सुविधाओं के लिए गहन जांच के अधीन है। टेस्ला को 2021 की टेस्ला मॉडल एस ऑटो पायलट सिस्टम से जुड़ी एक घातक दुर्घटना में यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) से इस साल फरवरी में क्लीन चिट मिला।

## नेपाल के पीएम प्रचंड भारत यात्रा से पहले 'होम-वर्क' करने में जुटे

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड अपनी भारत यात्रा से पहले होम वर्क करेंगे। गौरतलब है कि पीएम प्रचंड अगले महीने होने वाली अपनी बहुप्रचारित भारत यात्रा से पहले व्यापक तैयारियां कर रहे हैं और उन्होंने कहा है कि यात्रा शुरू करने से पहले उन्हें होम-वर्क करने की जरूरत है। उनकी भारत यात्रा की आधिकारिक तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। प्रधानमंत्री के एक सहयोगी ने कहा कि प्रचंड मई के पहले या दूसरे सप्ताह में नयी दिल्ली जा सकते हैं। गौरतलब है ?कि पिछले साल दिसंबर में नेपाल का प्रधानमंत्री बनने के बाद से यह उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और व्यापार, ऊर्जा, कृषि, संस्कृति तथा हवाई सेवा से जुड़ी चर्चा भारतीय नेताओं के साथ उनकी बातचीत में प्रमुखता से शामिल होगी। प्रचंड ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, मैं भारत की अपनी आगामी यात्रा की तैयारी कर रहा हूं, जो जल्द ही हो रही है। हमें यात्रा से पहले उचित होम-वर्क करने की आवश्यकता है। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने उनकी यात्रा के लिए जमीनी कार्य शुरू कर दिया है। इस साल की शुरुआत में प्रचंड ने घोषणा की थी कि वह पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत जाएंगे।

## हीरो मोटोकार्प की नई पैशन प्लस की तस्वीरें हुईं लीक

मुंबई (ईएमएस)। हीरो मोटोकार्प इन दिनों अपनी अपकमिंग बाइक पैशन प्लस को लेकर चर्चा में बनी हुई है।

कंपनी जल्द इस बाइक को लांच करने वाली है। हाल ही में कंपनी ने एक डीलर मीटिंग रखी थी, जहां इस बाइक को शो किया गया था। पैशन प्लस को बीएस6 एमिशन नॉर्म्स के रोलआउट के बाद बंद कर दिया गया था। तब से कंपनी 110 सीसी सिंगल-सिलेंडर इंजन के साथ पैशन प्रो को बेच रही है। पैशन प्लस स्प्लेंडर इंजन को भी वापस लाएगी। एक 97.2सीसी, एयर-कूल्ड यूनिट, जो 8 बीएचपी और 8 एनएम उत्पन्न करती है।



सूडान में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच जारी संघर्ष के दौरान ब्रेड के लिए एकत्र हुए लोग।

## आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा 30 फीसदी बढ़ा

### ० यस बैंक का मुनाफा 45 फीसदी गिरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्राइवेट सेक्टर के दिग्गज बैंक आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक ने वित्तीय वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित कर दिए हैं। आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर करीब 30 फीसदी बढ़ गया। सालाना आधार पर यस बैंक का मुनाफा 45 फीसदी गिरा है।

आईसीआईसीआई बैंक के लिए मार्च तिमाही अनुमान से कहीं ज्यादा बेहतर रही। इसका मुनाफा सालाना आधार पर करीब 30 फीसदी बढ़ गया। बैंक को मार्च 2023 तिमाही में 9,121.9 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ जो सालाना आधार पर 30 फीसदी और तिमाही आधार पर 10 फीसदी अधिक रहा। वहीं एसेट क्वालिटी की बात करें तो इसका ग्रॉस एनपीए गिरकर 2.81 फीसदी पर आ गया है जो मार्च 2022 में 3.60 फीसदी और दिसंबर 2022 में 3.07 फीसदी पर था। आईसीआईसीआई बैंक को मार्च तिमाही में 9,121.87 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ जबकि दिसंबर 2022 तिमाही में इसे 8,311.85 करोड़ रुपए और मार्च 2022 तिमाही में 7018.71 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। वहीं एसेट क्वालिटी की बात करें तो इसका नेट एनपीए मार्च 2023 में 0.48 फीसदी पर आ गया जो मार्च 2022 में 0.76 फीसदी और दिसंबर 2022 में 0.55 फीसदी पर था। वहीं ग्रॉस एनपीए मार्च 2023 में यह 2.81 फीसदी पर आ गया जो मार्च 2022 में 3.60 फीसदी और दिसंबर 2022 में 3.07 फीसदी पर था।

वहीं मार्च 2023 तिमाही में यस बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर गिरा है लेकिन तिमाही आधार पर बंपर बढ़ा है। बैंक को मार्च 2023 तिमाही में 202.43 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में इसे 367.46 करोड़ रुपए, का मुनाफा हुआ यानी सालाना आधार पर मुनाफा 45 फीसदी गिरा है। तिमाही आधार पर दिसंबर 2022 तिमाही में इसे 51.52 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था यानी कि तिमाही आधार पर बैंक का मुनाफा 293 फीसदी बढ़ा है। बैंक का नेट एनपीए मार्च 2023 तिमाही में 0.83 फीसदी पर आ गया जो मार्च 2022 तिमाही में 4.53 फीसदी और दिसंबर 2022 तिमाही में 1.03 फीसदी पर था।

## रुपया जल्द ही वैश्विक मुद्रा बनने की राह पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रुपया वैश्विक मुद्रा बनने की राह पर आगे बढ़ रहा है। दरअसल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उम्मीद जताई कि कारोबारी जल्द ही रुपए में विदेशी कारोबार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के कई बैंक भारतीय बैंकों के साथ विशेष वोस्ट्रो अकाउंट्स खोल रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्रिटेन, सिंगापुर और न्यूजीलैंड सहित 18 देशों के संबंधित बैंकों के साथ स्पेशल रुपी वोस्ट्रो अकाउंट्स खोलने के 60 अनुरोधों को मंजूरी दी है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक इस मुद्दे पर विभिन्न देशों में अपने समकक्षों के साथ चर्चा कर रहा है। गोयल ने राजकोट में कहा कि हम जल्द ही कई देशों के साथ रुपए में वैश्विक कारोबार होते हुए देखेंगे।

## कच्चा तेल स्थिर, कुछ राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत बदली

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 77.87 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 81.66 पर ट्रेड कर रहा है। रविवार को बिहार में पेट्रोल 49 पैसे और डीजल 46 पैसे महंगा हुआ है। महाराष्ट्र पेट्रोल की कीमत 72 पैसे और डीजल की 70 पैसे बढ़ी है। पंजाब में पेट्रोल कल से 31 पैसे और डीजल 30 पैसे ज्यादा पर बिक रहा है। राजस्थान में पेट्रोल और डीजल क्रमश- 47 पैसे और 43 पैसे महंगा हुआ है। कुछ राज्यों में राहत भी है। हिमाचल में पेट्रोल 68 और डीजल 60 पैसे सस्ता हुआ है। हरियाणा में भी पेट्रोल 23 और डीजल 22 पैसै कम हुआ है। मध्य प्रदेश और प. बंगाल में भी ईंधन सस्ता हुआ है।

चेन्नई में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में मामूली कटौती है।दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.73 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.35 रुपए और डीजल 89.55 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपए और डीजल 94.36 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब?लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति है।

## एक्सिस बैंक ने एफडी पर बढ़ाई ब्याज दरें

नई दिल्ली (ईएमएस)। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर मिलने वाले ब्याज की दरों में बढ़ोतरी की है। बैंक ने अलग-अलग अवधि की एफडी दरों में 5 बेसिस प्वाइंट का इजाफा किया है। बैंक की वेबसाइट के मुताबिक नई दरें 21 अप्रैल, 2023 से लागू हो चुकी हैं। बता दें कि एक्सिस बैंक की ऑनलाइन एफडी में निवेश करने के लिए आपको कम से कम 5000 रुपए जमा करने होंगे। एक्सिस बैंक 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की फिक्स्ड डिपॉजिट पर 3.50 फीसदी से लेकर 7 फीसदी तक का ब्याज ऑफर कर रहा है. बैंक 2 साल से 30 महीने में मैच्योर होने वाली एफडी पर सबसे ज्यादा 7.20 फीसदी की दर से ब्याज ऑफर कर रहा है जबकि वरिष्ठ नागरिकों को इस अवधि की एफडी पर 7.95 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। 7 दिनों से 45 दिनों में मैच्योर होने वाली एफडी पर 3.50 फीसदी की ब्याज दर की पेशकश जारी रहेगी। 46 दिनों से 60 दिनों में मैच्योर होने वाली जमा पर बैंक 4 फीसदी ब्याज देगा। 61 दिनों से 3 महीने में मैच्योर होने वाली जमा राशियों पर 4.50 फीसदी ब्याज दर की पेशकश की जाएगी। 3 महीने से 6 महीने में मैच्योर होने वाली जमा राशियों पर अब 4.75 फीसदी की ब्याज दर दी जाएगी। एक्सिस बैंक ने 6 महीने से 9 महीने में मैच्योर होने वाली जमा पर 5.75 फीसदी ब्याज दर की पेशकश की जाएगी। 9 महीने से एक साल में मैच्योर होने वाली जमा पर 6 फीसदी ब्याज दर मिलेगी।

## चाय उत्पादकों को सालाना 14.7 करोड़ किलो फसल का नुकसान

नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर में चाय के पौधों पर कीटों और बीमारियों का प्रकोप बढ़ने के कारण चाय उत्पादकों की चिंता बढ़ गई है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन से बढ़ते तापमान और लंबे समय तक बारिश नहीं होने से भी फसल को नुकसान पहुंच रहा है। उद्योग निकाय चाय अनुसंधान संघ (टीआरए) ने बताया कि चाय उत्पादकों को सालाना लगभग 14.7 करोड़ किलोग्राम फसल का नुकसान हो रहा है। टीआरए ने एक बयान में कहा कि चाय के पौधों पर कीटों के हमलों से राजस्व को सालाना 2,865 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। टीआरए के एक व ?रिष्ठ अ ?धिकारी ने कहा ?कि कीटों और बीमारियां का प्रकोप पहले भी था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह बढ़ गया है।

## अक्षय तृतीया पर दिल्ली में एक दिन में सराफा बाजार में 250 करोड़ का कारोबार हुआ

### - बीते वर्ष के मुकाबले कीमतों में करीब 10 हजार से अधिक की तेजी देखी गई

नई दिल्ली (ईएमएस)। अक्षय तृतीया पर्व के मौके पर राजधानी दिल्ली में सोने के आभूषणों की खरीदारी से सर्राफा बाजार चमक उठा। अनुमान जताया जा रहा है कि एक ही दिन में करीब 250 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ है। हालांकि, कारोबारियों का मानना है कि यह बीते वर्ष की तुलना में कम रहा है। बीते वर्ष के मुकाबले कीमतों में करीब 10 हजार रुपए से अधिक की तेजी देखी गई है। जो लोग अक्षय तृतीया पर आभूषण और सिक्का खरीदना शुभ मानते हैं, उन्होंने सीमित अनुपात में खरीदारी की है। दिल्ली में ज्वेलरी और सोने की होलसेल एवं खुदरा बिक्री की करीब 10 हजार दुकानें हैं। इनमें चांदनी चौक का कूचा महाजनी सबसे बड़ा बाजार है। इसके बाद लाजपत नगर, करोल बाग और अन्य बाजार हैं। शनिवार को कूचा महाजनी और अन्य बाजारों में ज्वेलरी की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहक जुटने शुरू हो गए। इनमें हल्की ज्वेलरी को पसंद करने वाले ग्राहकों की संख्या सबसे ज्यादा रही। कारोबारियों का कहना है कि नए डिजाइन वाली ज्वेलरी को ज्यादा पसंद किया। इसका बड़ा कारण यह है कि अब लोग ऐसी ज्वेलरी को खरीदना चाहते हैं जो बजट में हो। जबकि इससे पहले लोग ज्वेलरी के साथ सोने के सिक्के, गिन्नी को एक निवेश के तौर पर भी खरीदते थे। हर साल खरीदारी को लेकर लोगों को ट्रेंड बदल रहा है। लोग अपनी जरूरत के अनुसार त्योहार के मौके पर खरीदारी का विकल्प तलाश लेते हैं। इस बार भी लोगों ने हल्के आभूषण की खरीदारी कर अपनी जरूरत को पूरा किया है। वहीं एनसीआर के शहरों के प्रमुख बाजारों में भी खरीदारों की भीड़ रही। गुरुग्राम के सर्राफा बाजार में भी 100 करोड़ से अधिक के कारोबार का अनुमान लगाया गया है। बीते वर्ष अक्षय तृतीया पर 24 कैरेट सोने की कीमत 51 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो इस बार 62 हजार रुपए पहुंच गई है। इससे कारोबार पर असर जरूर पड़ा। बीते वर्ष करीब 400 से 500 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था लेकिन इस बार कारोबार 250 करोड़ रुपए के आसपास रहा है।

## ब्रिटेन और जर्मनी ने लालच में जंगल किए बर्बाद

### *-जंगलों की बर्बादी का ये सिलसिला अभी थमा नहीं*

वियना (ईएमएस)। ताजा शोध के मुताबिक, ब्रिटेन और जर्मनी ने कच्चे माल के लालच के चलते सबसे ज्यादा जंगलों को बर्बाद किया है। यही नहीं, जंगलों की बर्बादी का ये सिलसिला अभी थमा नहीं है। ब्रिटेन और जर्मनी ने खनिजों और कोयले की खुदाई के लिए सबसे ज्यादा जंगलों को तबाह कर दिया।

वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर के तोबियास किंड रीपर के नेतृत्व में किए गए इस शोध का मकसद ये पता करना था कि बीते 20 साल में कोयला, धातु अयस्क और दूसरे औद्योगिक सामानों की खुदाई के लिए दुनियाभर में कितने जंगलों को उजाड़ा गया है? शोध की रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोप में जर्मनी और ब्रिटेन ने मिलकर 38 फीसदी जंगलों को उजाड़ दिया।जर्मनी ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए 265 वर्ग किमी जंगलों को बर्बाद कर दिया।दरअसल, जर्मनी में कच्चे माल का बड़े पैमाने पर आयात करना पड़ता है।आयातित कच्चे माल का 17 फीसदी जर्मनी की ऑटो इंडस्ट्री में इस्तेमाल हो जाता है।वहीं, 11 फीसदी आयातित कच्चा माल मशीनरी और प्लांट कंस्ट्रक्शन में इस्तेमाल होता है।रीपर के मुताबिक, कच्चे माल के लिए ये भूख दूसरी जगहों पर जंगलों को उजाड़ रही है। दुनियाभर के ज्यादातर देश सबसे ज्यादा कोयला और गोल्ड की खुदाई के लिए जंगलों को बर्बाद करते हैं। दुनियाभर के कई देश अपनी कच्चे माल की जरूरतों को पूरा करने के लिए वर्षावनों को उजाड़ देते हैं।खनिजों के लिए उजाड़े जाने वाले 80 फीसदी से ज्यादा जंगल 10 देशों में मौजूद हैं।इनमें 3,500 वर्ग किमी के साथ सबसे ज्यादा इंडोनेशिया के जंगलों को बर्बाद किया गया है।इसके बाद 1,700 वर्ग किमी वन क्षेत्र के साथ ब्राजील और करीब 1,300 वर्ग किमी जंगल रूस में तबाह किए गए हैं।जर्मनी और ब्रिटेन के बाद चीन सबसे ज्यादा 18 फीसदी जंगलों की बर्बादी के लिए जिम्मेदार है।ग्लोबल वार्मिंग को लेकर सबसे ज्यादा हायतौबा मचाने वाला अमेरिका भी इस मामले में पीछे नहीं है।अमेरिका कच्चे माल के लिए 12 फीसदी जंगल उजाड़ने के लिए जिम्मेदार है।रिसर्च में साल 2000 से लेकर 2020 के बीच के 20 वर्ष के आंकड़े जुटाए गए हैं।टीम शोध के लिए सेटेलाइट इमेजेज और अंतरराष्ट्रीय कारोबार का विश्लेषण कर डाटा जुटाया।शोध के लिए टीम ने सीधे के साथ ही 50 किमी के दायरे में अप्रत्यक्ष तौर पर हुई तबाही का भी काफी ध्यान रखा।बता दें कि खनिज और कोयले के साथ ही परिवहन व दूसरे कामों के लिए भी जंगल उजाड़ने को शामिल किया गया।

आंकड़ों के मुताबिक, शोध की 20 साल की अवधि में दुनियाभर में 7.55 लाख वर्ग किमी जंगल तबाह कर दिए गए।रीपर का कहना है कि जंगलों को उजाड़ना पानी में जहर घोल रहा है।साथ इंसानों और जानवरों से उनकी आजीविका छीन रही है।

यह साफ तौर पर नहीं कहा जा सकता कि खदानों के नजदीकी पेड़ खुदाई की वजह से ही गिरे थे।रिसर्च के नतीजों के बाद ये सवाल स्वाभाविक है कि जंगलों को इस भीषण नुकसान से कैसे बचाया जाए? जियोइकोलॉजिस्ट गुड्रुन फ्रैंकेन के मुताबिक, पर्यावरण के अनुकूल खनन भी किया जा सकता है।इसके लिए पर्यावरण के मानक निश्चित किए जाएं।फिर उन मानकों के मुताबिक ही खनन किया जाए और उस पर नजर रखी जाए।दुनिया भर में खुदाई से पर्यावरण पर पड़ने वाले असर का आकलन किया जाता है।

पर्यावरण के नुकसान को कम रखने के लिए यह भी जरूरी है कि इलाकों को दोबारा से बसाया जाए। मालूम हो कि दुनियाभर में लगातार बढ़ रहे तापमान को लेकर मौसम विज्ञानी काफी चिंतित हैं।काफी वर्षों से वैश्विक स्तर पर चर्चा जारी है कि ग्लोबल वार्मिंग की रफ्तार को कैसे कम किया जाए।कैसे पर्यावरण को प्रदूषण से बचाया जाए? इस मामले पर सबसे ज्यादा चिंतित नजर आने वाले विकसित देश ही सबसे ज्यादा जंगल उजाड़ने के लिए जिम्मेदार हैं।



बैंकाक में तापमान 45 डिग्री पहुंचने पर गरमी से राहत पाने एक तालाब में तैरते हुए एक व्यक्ति।

## सऊदी अरब पाकिस्तान को कर सकता है दो अरब डॉलर की सहायता

इस्लामाबाद (ईएमएस)। नकदी संकट से जूझ रहा पाकिस्तान दो अरब डॉलर की अतिरिक्त जमा पाने के लिए सऊदी अरब के साथ ईद के बाद समझौता कर सकता है। इस कदम से पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से राहत पैकेज हासिल करने में मदद मिलेगी, जिसकी उसे इस समय बहुत अधिक जरूरत है। पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ समझौता करने के लिए मार्च में सऊदी अरब से धनराशि देने की पुष्टि करने का आग्रह किया था। पाकिस्तान को इसी महीने रियाद से अतिरिक्त राशि जारी करने की मंजूरी मिली थी। पाकिस्तान को सऊदी अरब से यह सहयोग बेहद महत्वपूर्ण समय में मिल रहा है। आईएमएफ के साथ 2019 में हस्ताक्षरित कार्यक्रम 30 जून, 2023 को निष्क्रिय हो जाएगा और तय दिशानिर्देशों के अनुसार उसके बाद कार्यक्रम को आगे नहीं बढ़ाया जा सकेगा। आईएमएफ ने पाकिस्तान के सामने एक शर्त रखी है कि उसे सात अरब डॉलर का राहत पैकेज पाने के लिए पहले दूसरे देशों से तीन अरब डॉलर जुटाने होंगे।

## जनहित के लिए अदालतों को स्वत- संज्ञान लेना चाहिए, निजी सुख के लिए नहीं

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि स्वत- संज्ञान के अधिकार का मौलिक उद्देश्य उसका इस्तेमाल जनहित के लिए करना है, न कि किसी खास इंसान के लिए। शरीफ का यह बयान सत्तारूढ़ गठबंधन और न्यायपालिका के बीच जारी तनातनी के बीच आया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नीत सरकार उच्चतम न्यायालय (कार्यप्रणाली औरप्रक्रिया) विधेयक 2023 को कानूनी रूप देने का प्रयास कर रही है, जिसका लक्ष्य पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश उमर अटा बांदियाल के स्वत- संज्ञान लेने की शक्ति को कम करना और मामलों की सुनवाई के लिए न्यायाधीशों के पैनल का गठन करना है।

सरकार के इस कदम को लेकर विधायिका और न्यायपालिका के बीच ठनी हुई है। शुरुआत में इस विधेयक को संसद के दोनों सदनों ने पारित कर दिया और कानूनी रूप देने के लिए इसे राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा गया। लेकिन, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से ताल्लुक रखने वाले राष्ट्रपति अल्वी ने इसे लौटाते हुए कहा कि प्रस्तावित कानून ''संसद के दायरे से बहुत बाहर है।'' हालांकि, 10 अप्रैल को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में खान की पार्टी के सदस्यों के हंगामे के बीच यह विधेयक फिर से पारित हो गया।

गौरतलब है कि पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने इस कानून को अधिसूचित कर दिया। जानकारी के अनुसार अनुसार, लाहौर की कोटलखपत जेल का दौरा करने और वहां के कैदियों की स्थिति के बारे में जानकारी लेने के बाद मीडिया से बातचीत में प्रधानमंत्री शरीफ ने सवाल किया कि जेलों और उनमें बंद कैदियों से जुड़े मुद्दों पर अदालत ने कितनी बार स्वत- संज्ञान लिया है। शरीफ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय को जनहित के मुद्दों पर स्वत- संज्ञान लेने और उन पर सुनवाई करने का अधिकार प्राप्त है।

## बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 354 परियोजनाओ की लागत 4.55 लाख करोड़ बढ़ी

### ० मार्च, 2023 तक बुनियादी परियोजनाओं पर खर्च हो चुके हैं 13,90,736.58 करोड़ रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 354 परियोजनाओं की लागत तय अनुमान से 4.55 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की मार्च, 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,449 परियोजनाओं में से 354 की लागत बढ़ गई है, जबकि 821 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,449 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की वास्त ?विक लागत 20,69,658.30 करोड़ रुपए थी लेकिन अब इसके बढ़कर 25,25,348.87 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 22.02 प्रतिशत यानी 4,55,690.57 करोड़ रुपए बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार मार्च, 2023 तक इन परियोजनाओं पर 13,90,736.58 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 55.07 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 616 पर आ जाएगी। वैसे इस रिपोर्ट में 333 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 821 परियोजनाओं में से 190 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 177 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 325 परियोजनाएं 25 से 60 महीने और 129 परियोजनाएं 60 महीने से अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 821 परियोजनाओं में विलंब का औसत 37.79 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इसके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिए जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

# संक्षिप्त समाचार

## 30 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम कर हुआ समापन

बहराइच । इण्डियन बैंक स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बहराइच में आयोजित 30 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि सहायक महाप्रबन्धक इण्डियन बैंक रवीन्द्र सिंह ने अग्रणी जिला प्रबन्धक इण्डियन बैंक अमित गौरव ने निदेशक आरसेटी श्रीमती रीति कुमारी की उपस्थिति में 35 प्रशिक्षणार्थियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र वितरित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को ब्यूटी पार्लर को एक बडे व्यवसाय के रूप में अपना कर आप अपना और अपने परिवार का भविष्य बना सकते है। मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को स्वावलम्बी बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा पूरे मनोयोग के साथ अपना व्यवसाय शुरू कर दूसरो को भी अपने पैरो पर खड़े होने में मदद करें। अग्रणी जिला प्रबन्धक श्री गौरव द्वारा द्वारा स्वरोजगार प्रारम्भ करने की दिशा में बैंको के माध्यम से आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षणार्थियों को ऋण दिलाने का आश्वासन दिया गया।

## मां-बाप की डांट से नौ साल की बालिका ने छोड़ा घर, पुलिस ने किया बरामद

मेरठ (ईएमएस)। मेरठ में नौ साल की बच्ची मां की डांट से नाराज होकर घर छोड़कर चली गई। बड़ी बहन मनाने के लिए पीछे तक दौड़ी, लेकिन वह नहीं मानी। पांच घंटे में बच्ची ने छह किमी का सफर तय किया। उसके बाद एक पार्क में बैठ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी को आधार बनाकर शाम छह बजे बच्ची को बरामद कर लिया। टीपीनगर थाना क्षेत्र निवासी नौ वर्षीय बच्ची कक्षा तीन की छात्रा है। बच्ची पढ़ाई में अच्छी है। शनिवार को उसे घर की बनी सब्जी अच्छी नहीं लगी। बच्ची ने ढाबे से सब्जी लाने के लिए अपनी मां से पैसे मांगे। इसी बात को लेकर उसकी मां ने बच्ची को डांट दिया। दोपहर में करीब एक बजे बच्ची घर छोड़कर बागपत रोड पर चली गई। उसका आरोप था कि मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करते। बच्ची के माता-पिता ने पुलिस को उसके अगवा होने की सूचना दी। तभी सीओ शुचिता सिंह ने बच्ची की बरामदगी को पुलिस की टीम लगाई। साथ ही सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक कराई। इसके बाद शाम छह बजे बच्ची को पार्क से बरामद कर लिया गया। इस पर बच्ची के माता-पिता ने पुलिस को धन्यवाद दिया। सीओ ने थाने लाकर बच्ची की काउंसिलिंग कराई। बच्ची ने काउंसिलिंग में बताया कि चार भाई-बहनों में मम्मी-पापा उसे सबसे कम प्यार करते हैं। सीओ ने बच्ची को समझाया कि मम्मी-पापा सभी को बराबर प्यार करते हैं। उसके बाद बच्ची ने भी भरोसा दिलाया कि अब वह कभी इस तरह का कदम नहीं उठाएगी।

## यूपी सरकार ने लू से निपटने सभी विभागों को किया अलर्ट

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ने गर्मी के मौसम में लू से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को तैयार रहने का निर्देश दिया है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को तालाबों की मरम्मत का कार्य पूर्ण करने तथा सिंचाई के लिए आपूर्ति तथा पशु-पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने मीडिया को बताया कि मौसम विभाग द्वारा हीट वेव के अलर्ट के मद्देनजर राज्य सरकार ने गर्मी के मौसम में जलापूर्ति के लिए मुख्य विकास अधिकारी या एडीएम स्तर के अधिकारी को जिला स्तर पर नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त करने का आदेश दिया है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि लोगों को गर्मी से बचाने और तापमान को कम रखने के लिए छत को सफेद रंग से रंगने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। सरकार ने जल निगम को शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति से संबंधित आवश्यक कार्य समय पर पूरा करने का भी निर्देश दिया है। सभी नलकूपों व सिंचाई सुविधाओं को चालू हालत में करने के लिए सिंचाई विभाग को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जल निगम क्षतिग्रस्त पाइपलाइन और लीकेज की मरम्मत करवाएगा और ओवरहेड टैंकों की सफाई करेगा। ग्रामीण विकास विभाग तालाबों को भरकर पशुओं को पीने का पानी उपलब्ध कराएगा। ग्रामीण विकास विभाग और जल निगम उन क्षेत्रों में पानी के टैंकरों की व्यवस्था करेंगे, जहां पानी की आपूर्ति बाधित है। प्रवक्ता ने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग को ग्रामीण पेयजल योजनाओं का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। वन विभाग वन क्षेत्रों में पशु-पक्षियों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए तालाबों और झीलों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

## एक्सीडेंट में ब्रेन डेड हुए नौ साल के बच्चे ने किडनी-लिवर सहित आठ अंग किए डोनेट

दिल्ली (ईएमएस)। एक नौ साल के बच्चे ने अपने शरीर के आठ अंगों को दान कर दिया है। इनमें लिवर व किडनी भी शामिल हैं। अंगदान महादान है और यह बात बड़े ही नहीं कई बार बच्चे भी साबित कर जाते हैं। इन्हीं बच्चों में हरियाणा के मेवात स्थित पुन्हाना के रहने वाले 9 साल के सलीम ने जिंदगी और मौत से जूझ रहे लोगों को नया जीवन दिया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली में ब्रेन डेड घोषित सलीम की एक किडनी और लिवर से दो युवा मरीजों को जीवनदान भी मिल गया है। वहीं कुछ अंग एम्स की ऑर्गन बैंक में सुरक्षित हैं। ऑर्गन डोनर सलीम के परिजनों ने बताया कि एक दिन पहले 15 अप्रैल 2023 को पैदल सड़क पार करने के दौरान एक टू-व्हीलर सवार ने सलीम को टक ?कर मार दी। जिसमें सलीम घायल हो गया और उसे सिर में गंभीर चोट आई। हालत गंभीर होने पर सलीम को एम्स दिल्ली के ट्रॉमा सेंटर में 16 अप्रैल को भर्ती किया गया लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका और डॉक्टरों ने सलीम को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। सलीम के ब्रेन डेड होने के बाद एम्स के आर्बो (आर्गेन रिट्रिवल बैंकिंग आर्गेनाइजेशन) ने उसके माता-पिता को अंगदान करने के लिए अनुरोध किया। जिसके बाद माता-पिता ने किडनी, लिवर, हृदय, फेफड़ा, पैंक्रियाज, आंत, दोनों कार्निया, हृदय का वाल्व व हड्डियां दान करने की अनुमति दे दी। हालांकि सलीम के जन्म से ही एक किडनी थी। वहीं उसका हार्ट और फेफड़ा भी अंगदान के लिए सही नहीं पाया गया। जबकि अन्य चीजें एकदम ठीक थीं। एम्स की प्रमुख डॉ. आरती विज की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया कि मरीजों की जरूरत को देखते हुए सलीम की एक किडनी एम्स के ही एक 20 वर्षीय मरीज को प्रत्यारोपित की गई। जबकि उसका लिवर अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज में 16 वर्षीय युवक को दिया गया। वहीं सलीम के अन्य अंग जैसे कॉर्निया और हार्ट वॉल ?व आदि को ऑर्गन बैंक में सुरक्षित रखा गया है।

## सीबीआई के लिए नया कानून बनाएगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार सीबीआई के लिए अलग कानून बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार कर रही है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय एवं गृह मंत्रालय के अधिकारी नए कानून के लिए प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। अभी सीबीआई दिल्ली स्पेशल पुलिस इस्टैब्लिशमेंट एक्ट 1946 के तहत काम करती है। संसद की स्थाई समिति ने नए कानून बनाने की अनुशंसा की है। समिति ने अपनी अनुशंसा में कहा है,कि सीबीआई का दायरा अभी सीमित है। इसके लिए राज्य सरकारों की अनुमति लेना पड़ती है। पिछले वर्षों में कई राज्य सरकारों ने सीबीआई को जो अनुमति दी थी,वह वापस ले ली है। उसके बाद से सीबीआई के कामकाज में 9 राज्यों में जांच कर पाना मुश्किल हो रहा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जो नया कानून सीबीआई के लिए तैयार होगा। उसने राज्यों से अनुमति लेने की कोई जरूरत नहीं होगी। नए कानून में सीबीआई का दर्जा उसके कामकाज की सीमा और अधिकार तय होंगे। एजेंसी निष्पक्षता और विश्वसनीयता के साथ काम करे। इसके भी प्रावधान किए जाएंगे। गृह मंत्रालय सूत्रों के अनुसार नया कानून राष्ट्रीय स्तर का होगा। सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट तथा राज्यों की अनुमति से ही सीबीआई जांच कर सकती थी।

राज्य सरकारों ने अनुमति वापस ली

पिछले वर्षों में 9 राज्य सरकारों द्वारा सीबीआई को जो जांच की अनुमति दी गई थी उन्होंने निरस्त कर दी है जिसके कारण सीबीआई अब 9 राज्यों में बिना राज्य सरकारों की अनुमति के जांच इत्यादि की कार्रवाई नहीं कर सकती है। जिन राज्यों ने अनुमति वापस ली है उनमें 17 जुलाई 2015 को मिजोरम की सरकार ने,16 नवंबर 2018 को पश्चिम बंगाल की सरकार ने, 10 जनवरी 2019 को छत्तीसगढ़ की सरकार ने, 19 जुलाई 2020 को राजस्थान की सरकार ने, 4 नवंबर 2020 को केरल सरकार ने,5 नवंबर 2020 को झारखंड की सरकार ने, 6 नवंबर 2020 को पंजाब की सरकार ने,9 फरवरी 2022 को मेघालय की सरकार ने और तेलंगाना की सरकार ने 30 अगस्त 2022 को सीबीआई को दी गई अनुमति वापस ले ली है।

# ग्राम धरसवां के अमृत सरोवर के तट पर आयोजित हुआ विश्व पृथ्वी दिवस

## सेल्फी विद अमृत सरोवर कार्यक्रम में शरीक हुए डीएम



बहराइच संवाददाता

बहराइच । अब तक उपलब्ध जानकारी एवं वैज्ञानिक शोधों, अनुमान एवं परिणाम के अनुसार मानव जाति का एक मात्र ठिकाना जिसे हम धरती माता अर्थात पृथ्वी रूपी इस सुन्दर ग्रह को नुकसान पहुँचाने वाली मानव गतिविधियों को कम करने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आमजनमानस को एकजुट कर पर्यावरण संरक्षण के लिए अपना सहयोग देने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल ''विश्व पृथ्वी दिवस'' के रूप में मनाया जाता है। पृथ्वी दिवस को मनाने की शुरुआत 1970 में हुई थी। सबसे पहले अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण की शिक्षा के तौर पर इस दिन की शुरुआत की थी।

एक साल पहले 1969 में कैलिफोर्निया के सांता बारबरा में विनाशकारी तेल रिसाव की वजह से त्रासदी हो गई थी। इस हादसे में 10,000 से अधिक समुद्री पक्षी, डॉल्फ़िन, सील और सी लॉयन के साथ-साथ कई इंसानों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। इस घटना से प्रभावित होकर गेलॉर्ड नेल्सन के आहवान पर 22 अप्रैल 1970 को आयोजित हुए विश्व पृथ्वी दिवस में लगभग 02 करोड़ अमेरिकियों ने हिस्सा लिया था। वर्ष 2023 में आयोजित होने वाले विश्व पृथ्वी दिवस के 53वां संस्करण की थीम इन्वेस्ट इन अवर प्लैनेट है।

विकास खण्ड चित्तौरा अन्तर्गत ग्राम पंचायत धरसवां में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम ''सेल्फी विद अमृत सरोवर'' के अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि पृथ्वी दिवस एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक है कि हम सभी को ग्रह की रक्षा करने में भूमिका निभानी है। यह हमें हमारे दैनिक विकल्पों और कार्यों के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में सोचने और हमारे कार्बन पदचिह्न को कम करने, संसाधनों के संरक्षण और वन्य जीवन और प्राकृतिक आवासों की रक्षा करने के लिए कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

डीएम डॉ. चन्द्र ने कहा कि माँ की गोद जैसी इस सुन्दर धरा के लिए ज़रूरी है कि गृह पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति, सरकारी व गैर सरकारी तन्त्रों को मिलकर प्रयास करना होगा। डॉ. चन्द्र ने कहा कि पृथ्वी दिवस उन नीतिगत परिवर्तनों की वकालत करने के अवसर के रूप में भी कार्य करता है जो पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं, जैसे प्रदूषण को कम करने के लिए मजबूत नियम, नवीकरणीय ऊर्जा के लिए समर्थन में वृद्धि और अधिक टिकाऊ भूमि उपयोग प्रथाएं। डीएम डॉ. चन्द्र ने कहा कि पृथ्वी दिवस के अवसर पर हम पेड़ लगाना, कचरे को कम करना, टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देना और पर्यावरण संरक्षण का समर्थन करने वाले नीतिगत परिवर्तनों की वकालत कर हम इस पुनीत अभियान में अपना हिस्सा डाल सकते हैं। क्योंकि हरित, समृद्ध और न्यायसंगत भविष्य की दिशा में परिवर्तन को गति देने के लिए हम समान रूप से जिम्मेदार हैं। पृथ्वी दिवस के अवसर पर डीएम ने जनपदवासियों का आहवान किया कि उपलब्ध भूमि पर अधिक से अधिक पौधे रोपित करें, अपने दैनिक जीवन में प्रतिबन्धित प्लास्टिक का प्रयोग कदापि न करें, खेतों में फसल अवशेष को आग के हवाले न करें, अनावश्यक रूप से कार्बन उत्सर्जित करने वाली गतिविधियों से परहेज़ करें।डीएम डॉ. चन्द्र ने कहा कि असंतुलित मानव गतिविधियों का ही दुष्परिणाम है कि आज हमें नाना प्रकार के पर्यावरणीय समस्याओं ने एक साथ घेर लिया। इस पूरी समस्या को इंगित करने के लिए शायद एक पंक्ति पर्याप्त है कि ''घर को आग लग गई घर के चराग से''। जलवायु परिवर्तन के कारण ही आज हमें सूखे, बाढ़, चक्रवात तथा पृथ्वी के तापमान में वृद्धि जैसी समस्याओं ने एक साथ घेर रखा है। डीएम ने कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस को हमें अर्थ ओपनिंग इवेन्ट के रूप में लेना होगा वरना हमें शायद दूसरा मौका नसीब न हो। डीएम ने कहा कि एक पीढ़ी के तौर पर हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम आने वाली नस्लों को कम से कम एक ऐसी दुनिया सौंप कर जाएं जैसी हमें हमारे बुजुर्गों ने सौंपी थी विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत धरसवां में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डीएम ने मौके पर मौजूद उपायुक्त मनरेगा के.डी. गोस्वामी, खण्ड विकास अधिकारी चित्तौरा एस.के. त्रिपाठी, प्रधान सविता पाण्डेय, एडीओ सहकारिता अमर सिंह, एडीओ आईएसबी सत्यव्रत श्रीवास्तव, एडीओ महिला ज्योति सिंह, एडीओ पंचायत विधानचंद, एपीओ मनरेगा संदीप त्रिपाठी, प्रधान प्रतिनिधि राम सुन्दर पाण्डेय, ग्रामवासियों तथा बच्चों के सेल्फी ली तथा बच्चों को टाफी का वितरण किया। अमृत सरोवर को निरीक्षण करते हुए डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस स्थल को और भी रमणीय बनाएं जाने हेतु अधिक से अधिक छायादार, औषधीय तथा सजावटी पौधे रोपित कराए जाएं।

## अतीक के बेटे असद का मिला शेर ए अतीक नाम का वॉट्सऐप ग्रुप, 200 लोग बने थे मेंबर

प्रयागराज (ईएमएस)। उमेश पाल हत्याकांड की जांच में पुलिस को अतीक अहमद के नाम पर शेर-ए-अतीक के नाम से वॉट्सऐप ग्रुप का पता चला है। इसमें अतीक के बेटे असद ने करीब 200 लोगों को जोड़ रखा था। इसमें शूटर और शाइस्ता के मददगारों के भी नाम शामिल हैं। हालांकि, बीती साल नवंबर महीने में ही यह ग्रुप बंद कर दिया गया था। ताजा जानकारी के अनुसार उमेश पाल हत्याकांड की जांच में जुटी पुलिस टीम ने असद अहमद के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को खंगालना शुरू किया तो शेर-ए-अतीक नाम से वॉट्सऐप ग्रुप मिला। इस वॉट्सऐप ग्रुप का एडमिन अतीक का बेटा असद था, जो पुलिस एनकाउंटर में मारा जा चुका है। पुलिस को शक है कि शेर ए अतीक ग्रुप के मेंबर्स का उमेश पाल मर्डर से कनेक्शन है। हालांकि, उमेश पाल हत्याकांड के पहले नवंबर महीने में ही ग्रुप को बंद कर दिया था। पुलिस की पड़ताल में पता चला है कि वॉट्सऐप ग्रुप में ही असद अपने भाई अली और पिता अतीक अहमद के वीडियो रील्स और फोटो शेयर करता रहता था। असद के ग्रुप के सदस्यों में शूटर और अब फरार चल रही अतीक की बीवी शाइस्ता परवीन के मददगार भी शामिल हैं। ग्रुप में शामिल अधिकतर मेंबर प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर के थे। पता हो कि शाइस्ता की भी लोकेशन कई बार प्रयागराज और कौशांबी के कछार इलाके में मिली थी। असद का मोबाइल हाथ लगने से राज यूपी एसआईटी के पास है. अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उमेश पाल हत्याकांड से ठीक पहले शेर ए अतीक समूह को बंद क्यों कर दिया गया था ? साथ ही एसआईटी भी इस पहलू की जांच कर रही है. वहीं अतीक और अशरफ हत्याकांड की जांच में एसआईटी को शूटरों के 2 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। एक चार्जर भी बरामद किया गया है। होटल के कमरे में मिले दोनों मोबाइल में सिम नहीं मिलीं। एसआईटी को मोबाइल से पुराने नंबर मिले हैं, जिनका सीडीआर निकाला जा रहा है। पुलिस आरोपियों के नंबर की सीडीआर निकालकर उनसे बातचीत का डाटा तैयार कर रही है। साजिश में शामिल अन्य लोगों तक भी नंबर के जरिए पुलिस पहुंच सकती है। पूछताछ में शूटर लवलेश तिवारी, सन्नी सिंह और अरुण मौर्य ने जानकारी दी कि प्रयागराज में रेलवे स्टेशन और खुल्दाबाद थाने के बीच स्थित एक होटल में ठहरे हुए थे। योजना के मुताबिक तीनों ने मोबाइल से अपनी सिम निकालकर फेंक दी थीं।

## अखिलेश व शिवपाल ने नगर निकाय चुनाव प्रचार की बनाई रणनीति

लखनऊ (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल यादव अब उत्तर प्रदेश में आगामी नगरपालिका चुनावों के लिए एक साथ प्रचार करेंगे। पार्टी जल्द ही अपने शीर्ष नेताओं के प्रचार कार्यक्रम की घोषणा कर सकती है। यह पहले ही घोषणा की जा चुकी है कि अखिलेश यादव और मैनपुरी सांसद डिंपल यादव पार्टी की लखनऊ मेयर पद की उम्मीदवार वंदना मिश्रा के लिए तीन-तीन जनसभाएं करेंगे। अखिलेश यादव जहां अभी भी रणनीति बनाने में व्यस्त हैं, वहीं शिवपाल यादव यादवों के गढ़ इटावा, मैनपुरी और फिरोजाबाद का दौरा करते हुए मैदान में उतर गए हैं। शिवपाल अखिलेश के साथ इन जिलों में प्रचार करेंगे। शिवपाल बीजेपी के गढ़ में सपा के प्रचार की कमान संभालेंगे। अखिलेश और शिवपाल सपा के गढ़ मैनपुरी, कन्नौज, इटावा और फिरोजाबाद में एक साथ नजर आएंगे। अखिलेश रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों में सपा और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के उम्मीदवारों के लिए भी प्रचार करेंगे। सपा ने राज्य में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव पूरी ताकत से लड़ने का संकल्प जताया है।

## केडीसी में प्रशिक्षित किये गये पीठासीन व मतदान अधिकारी प्रथम

बहराइच। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 की मतदान प्रक्रिया को राज्य निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन के अनुसार स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं सकुशल सम्पन्न कराने हेतु नियुक्त किये गये पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी प्रथम हेतु स्व. ठाकुर हुकुम सिंह किसान पी.जी. कालेज, बहराइच में आयोजित प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि मतदान के संचालन में पीठासीन अधिकारी की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उन्हें अपने मतदान स्थल पर की जाने वाली कार्यवाही को नियंत्रित करने के लिए सम्पूर्ण विधिक शक्तियां प्राप्त हैं। स्वतन्त्र तथा निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराना उनका सबसे प्रमुख कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व है।

डीएम ने कहा कि पीठासीन अधिकारी के साथ-साथ मतदान अधिकारी प्रथम का भी दायित्व कम महत्वपूर्ण नहीं है। मतदाता की पहचान करने एवं चिन्हित मतदाता सूची का प्रभार इन्हीं के पास होगा। मतदाता जैसे ही मतदान कक्ष में प्रवेश करेगा वह सर्वप्रथम मतदान अधिकारी प्रथम के पास जायेगा। मतदान अधिकारी प्रथम मतदाता की पर्ची को देखकर निर्वाचक नामावली में नाम देखेगा तथा मतदाता का नाम व क्रम संख्या ज़ोर से बोलेगा। जिससे मतदान अधिकारी द्वितीय तथा मतदान अभिकर्ता नाम सुन लें। डीएम ने पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारी प्रथम को निर्देश दिया कि बेहतर तालमेल के साथ मतदान प्रक्रिया को त्रुटि रहित तरीके से सम्पन्न कराएंगे। डीएम डॉ. चन्द्र ने पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारी प्रथम को सुझाव दिया कि अलग-अलग पद के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्रों के प्रयोग को दृष्टिगत रखते हुए पूरी सावधानी के साथ कार्य करेंगे। डीएम ने बताया कि नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत के सदस्य पद हेतु गुलाबी रंग, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद हेतु हरा तथा नगर पंचायत अध्यक्ष पद हेतु सफेद रंग के मतपत्र का प्रयोग होगा। रिज़र्व सहित 475-475 पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारी प्रथम के लिए 11 कक्षों में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का डीएम ने जायज़ा लिया तथा प्रत्येक कक्ष में जाकर ग्रीन बोर्ड पर कार्मिकों को पढ़ाया और समझाया तथा उनसे सवाल भी पूछे।

प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचन संचालन के लिए प्रशासनिक तंत्र, नगरीय निकाय के निर्वाचन सम्बन्धी मुख्य बिन्दु, पीठासीन अधिकारियों (प्रिसाइडिंग आफिसर्स) के दायित्व एवं विशेष ध्यान देने योग्य बातें, मतदान दल का गठन तथा पूर्वाभ्यास, मतदान सामग्री प्राप्त करना, मतदान केन्द्र की स्थापना एवं व्यवस्था, मतदान अधिकारियों के बीच कार्य विभाजन, मतदान केन्द्र के अन्दर प्रवेश करने तथा बैठने की व्यवस्था, मतदान केन्द्र में और उसके आसपास निर्वाचन विधि लागू करना, मतपेटी की तैयारी, मतपत्रों को जारी करने की तैयारी, मतदान का प्रारम्भ, निर्वाचक की पहचान का सत्यापन और आपत्ति की दशा में प्रक्रिया के सम्बन्ध में बताया गया। प्रभारी सीडीओ/डीडीओ महेन्द्र कुमार पाण्डेय, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.के. सिंह, प्रधानाचार्य आईटीआई प्रदीप अग्निहोत्री, पॉलीटेक्निक के पी.आर. वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अव्यक्त राम तिवारी सहित अन्य अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनर्स द्वारा पीठासीन अधिकारियां एवं मतदान अधिकारी प्रथम को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

## सरकारी कर्मचारी ओवरटाइम वर्क के लिए पैसे के हकदार नहीं -सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली( ईएमएस)। सरकारी कर्मचारी ओवरटाइम का पैसा लेने के हकदार नहीं हैं। यह निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। सरकारी कर्मचारियों के ओवरटाइम काम करने की एवज में पैसे के भुगतान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत का कहना है कि सरकारी कर्मचारी ओवरटाइम काम करने की एवज में पैसे के भुगतान का हकदार नहीं है। मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों की समय-समय पर वेतन आयोग की सिफारिशों के जरिये सैलरी खुद ही बढ़ जाती है। जबकि ठेके पर काम करने वाले कर्मियों के साथ ऐसा नहीं होता है। इसके अलावा सरकारी कर्मियों को कुछ अन्य विशेषाधिकार भी मिलते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ओवरटाइम भत्ते के मुद्दे पर सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और उसके कर्मचारियों के बीच विवाद पर फैसला दिया। शीर्ष अदालत ने साफ किया कि सरकारी कर्मचारी काम करने के बाद ओवरटाइम काम के लिए मुआवजे का दावा नहीं कर सकता है क्योंकि ऐसे प्रावधान नियमों का हिस्सा नहीं हैं जो सर्विस को रेगुलेट करते हैं। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस वी रामासुब्रमण्यम और पंकज मित्तल की पीठ ने कहा कि कारखानों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत लोगों के विपरीत, सार्वजनिक सेवा में काम करने वाला व्यक्ति जो सिविल पदों या संघ या राज्यों की सिविल सेवाओं काम करता हैं, उनकों नियमों के अनुसार हर समय खुद को सरकार के नियंत्रण में रखना जरूरी है।

## यूपी के 64 माफिया में से 39 कैद, 5 हो गए फरार व 20 जमानत पर बाहर

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश सरकार अपराध रोकने और माफिया व अपराधियों पर जीरो टालरेंस के तहत कार्रवाई कर रही है तो उनके व पुलिस के बीच कानूनी दांवपेंच का खेल भी जारी रहता है। प्रदेश के सूचीबद्ध माफिया में से 5 माफिया फरार हैं, जिनकी पुलिस लंबे समय से तलाश कर रही है, जबकि बृजेश सिंह समेत 20 माफिया जमानत पर बाहर हैं।

पुलिस उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के साथ ही उनके मुकदमों में और प्रभावी पैरवी की रणनीति के तहत कदम बढ़ा रही है। मुख्तार अंसारी समेत 40 माफिया वर्तमान में जेल में हैं। इनमें अजय सिपाही ने बीते दिनों ही समर्पण किया था, जबकि चिन्हित 66 माफिया की सूची में शामिल रहे अतीक अहमद की पुलिस अभिरक्षा में हत्या हो चुकी है और पुलिस अभिरक्षा से भाग निकले आदित्य राणा उर्फ रवि मुठभेड़ में मारा गया था।यूपी के माफिया सूची में शामिल पिश्चिमी उत्तर प्रदेश का कुख्यात बदन सिंह उर्फ बद्दो, सहारनपुर निवासी पूर्व एमएलसी हाजी इकबाल उर्फ बाला, गौतम बुद्ध नगर का मनोज उर्फ आसे, मेरठ का विनय त्यागी उर्फ टिंकू, लखनऊ का जुगनूवालिया उर्फ हरिविंदर तथा प्रयागराज का जोवद उर्फ पप्पू भी फरार चल रहा है। इन सभी की पुलिस तलाश कर रही है। इसके अलावा माफिया बृजेश कुमार सिंह, सुशील उर्फ मूंछ, विनोद शर्मा, एजाज, डब्बू सिंह उर्फ प्रदीप सिंह, गुड्डू सिंह, अनूप सिंह, संजीव द्विवेदी, राकेश यादव, सुधीर कुमार सिंह, विनोद कुमार उपाध्याय, राजन तिवारी, सउद अख्तर, लल्लू यादव, बच्चू यादव, राजेश यादव, गणेश यादव, कम्मू उर्फ कमरुल हसन व जाबिर हुसैन जमानत पर बाहर हैं। मुख्तार अंसारी, उधम सिंह, यागेश भदौड़ा, हाजी याकूब कुरैशी, शारिक, सुनील राठी, धर्मेंद्र, यशपाल तोमर, अमर पाल उर्फ कालू, अनुज बरखा, विक्रांत उर्फ विक्की, संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा, अनिल चौधरी, ऋषि कुमार शर्मा, अनुपम दुबे, खान मुबारक समेत 39 माफिया जेल में हैं।

## शाइस्ता परवीन पर इनाम की राशि 1 लाख करने की तैयारी

प्रयागराज( ईएमएस)। उमेश पाल शूटआउट केस में फरार चल रही माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन पर इनाम की राशि बढ़ाए जाने की तैयारी है। प्रयागराज पुलिस ने इनाम बढ़ाकर एक लाख किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया हैं। गौरतलब है कि शाइस्ता परवीन उमेश पाल शूटआउट केस में नामजद अभियुक्त हैं। उमेश पाल शूटआउट केस में संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने 25 हजार का इनाम घोषित किया था। जिसे बाद में इनाम की राशि बढ़ाकर 50 हजार कर दिया था। दरअसल, उमेश पाल और उसके दो गनर की हत्या के मामले में शाइस्ता परवीन पर शूटर्स को आईफोन और रुपए मुहैया कराने का आरोप है।

## डीएम डॉ. दिनेश चन्द्र ने गोआश्रय स्थल धरसवां का किया निरीक्षण

*o उपलब्ध भूमि पर छायादार पौध लगाए जाने के दिए निर्देश*



बहराइच। अस्थाई गोआश्रय स्थल में संरक्षित निराश्रित गोवंशों के संरक्षण के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने शनिवार को विकास खण्ड चित्तौरा अन्तर्गत ग्राम पंचायत धरसवा में संचालित अस्थाई गोआश्रय स्थल का निरीक्षण कर गोवंशों के लिए भूसे, चारे पानी इत्यादि का जायज़ा लेते हुए मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। गौशाला के निरीक्षण के दौरान बताया गया कि यहॉ पर 766 गोवंश संरक्षित हैं जिनके लिए लगभग 265 कुण्टल भूसा उपलब्ध है।

डीएम को बताया गया कि गोशाला में संरक्षित गोवंशों के लिए शीतल पेयजल तथा हरा चारा (चरी) तथा आवास का भी माकूल बन्दोबस्त है। डीएम डॉ. चन्द्र ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि उपलब्ध भूमि पर अधिक से अधिक संख्या में छायादार वृक्ष लगाए जाएं ताकि गोवंशों को गर्मी के मौसम में राहत मिल सके।

इस अवसर पर उपायुक्त मनरेगा के.डी. गोस्वामी, खण्ड विकास अधिकारी चित्तौरा एस.के. त्रिपाठी, प्रधान सविता पाण्डेय, एडीओ सहकारिता अमर सिंह, एडीओ आईएसबी सत्यव्रत श्रीवास्तव, एडीओ महिला ज्योति सिंह, एडीओ पंचायत विधानचंद, एपीओ मनरेगा संदीप त्रिपाठी, प्रधान प्रतिनिधि राम सुन्दर पाण्डेय व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

## पूरे सैन्य सम्मान के साथ पुंछ में शहीद जवानों को दी अंतिम विदाई

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में हुए हमले में शहीद पांच सैन्यकर्मियों को पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी। इनमें से पंजाब के चार जवानों चनकोइयां गांव निवासी हवलदार मनदीप सिंह, चरिक गांव निवासी लांस नायक कुलवंत सिंह, तलवंडी निवासी सिपाही हरकृष्ण सिंह और बगहा गांव निवासी सिपाही सेवक सिंह के पार्थिव शरीरों का पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। आंतकी हमले में शहीद पांचवा जवान ओडिशा का रहने वाला था। हमले में शहीद चारों जवानों की पार्थिव देह को शनिवार सुबह उनके पैतृक गांवों में लाया गया। सैन्य वाहन से जब कुलवंत सिंह का पार्थिव शरीर मोगा जिले में स्थित उनके गांव पहुंचा तो 'शहीद अमर रहे' और 'भारत माता की जय' के नारों से आसमान गूंज उठा। उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हुए थे। कुलवंत सिंह के अंतिम संस्कार में फरीदकोट के सांसद मोहम्मद सादिक, मोगा के विधायक अमनदीप कौर अरोड़ा और जिला प्रशासन, पुलिस और सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजद रहे। इधर लुधियाना में मनदीप सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने बड़ी संख्या में लोग चनकोइयां गांव में जमा हुए। पार्थिव शरीर गांव पहुंचने पर सिंह की 11 साल की बेटी और आठ साल के बेटे ने उन्हें सलामी दी।

## अरुण मौर्य की उम्र जांचने मेडिकल टेस्ट कराएगी यूपी पुलिस

*अतीक-अशरफ पर गोलियां बरसाने वाला शख्स है अरुण*

प्रयागराज (ईएमएस)। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मुख्य आरोपी अरुण मौर्य का पुलिस कराएगी उम्र की जांच कराएगी। राशन कार्ड के अनुसार आरोपी अरुण घटना के समय नाबालिग था, लेकिन यूपी पुलिस ने 18 साल का बताया। वहीं पानीपत पुलिस के अनुसार अरुण की उम्र 31 साल है। अतीक अहमद और अशरफ की हत्या में शामिल आरोपी अरुण मौर्य की उम्र 3 जगहों पर अलग-अलग बताई जा रही है। यूपी के कासगंज जिले से बने राशनकार्ड में अरुण मौर्य नाबालिग निकला है, इसके अनुसार उसकी उम्र 17 साल 3 महीने 15 दिन दर्ज है। उल्लेखनीय है कि अतीक अहमद और अशरफ की हत्या के बाद प्रयागराज पुलिस ने अरुण की उम्र 18 साल बताई थी। पानीपत में आर्म्स एक्ट के केस में गिरफ्तारी पर अरुण की जन्मतिथि 1992 है, इसके हिसाब से वह 31 साल का है। इसी बीच अरुण मौर्य की उम्र को तय करने के लिए प्रयागराज पुलिस मेडिकल टेस्ट कराएगी। बताया जा रहा है कि जब अरुण छोटा था, तभी उसके माता-पिता की मौत हो गई थी. जब कुछ बड़ा हुआ तो वह सोरों कस्बे में जाकर रहने लगा था। उसने 2014-15 में कासगंज बरेली-फर्रुखाबाद रेलवे मार्ग पर उझयानी और सोरों के मध्य चलती ट्रेन में लूट के बाद सिपाही की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में जेल गया था। उसके बाद उसके तार अपराधियों से जुड़ गए और वह लगातार अपराध की दुनिया में बढ़ता चला गया। अरुण की मां सविता और पिता हीरालाल दोनों ही दुनिया में नहीं हैं। अरुण मौर्य की चाची लक्ष्मी देवी और चाचा गांव में ही रहते हैं। उन्होंने कहा था कि वह सोरों में रहने के लिए आठ वर्ष पूर्व गया था। उसके बाद वह कासगंज नहीं आया। वह गांव आता था, लेकिन वह किसी से बात नहीं करता था।

अरुण ने जुर्म किया है तो उसे सजा मिलनी चाहिए- दादा मथुराप्रसाद

हत्याकांड को लेकर शूटर अरुण मौर्य के दादा मथुराप्रसाद ने कहा था कि उसने जुर्म किया है तो उसे सजा मिलनी चाहिए। अरुण पढ़ाई खत्म करते ही गलत संगत में पड़ गया था, उसे फटकार लगाकर भगाया था। पहले उसे चेतावनी दी थी कि इस बार जमानत करवा रहा हूं, अगर आगे कोई गुनाह किया तो हम तेरे साथ नहीं रहेंगे। उसके दादा ने कहा था कि जेब में 200 रुपये नहीं होते हैं तो 5 लाख की पिस्टल कहां से आई।

त्रिगुट

मंगलवार 25 अप्रैल 2023

## अमीरों और गरीबों के लिये बैंकों के दोहरे नियम

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 4 साल के बैंकों के आंकड़े जारी किए हैं। पिछले 4 सालों में रिजर्व बैंक के अनुसार 6 लाख करोड़ रुपए की धोखाधड़ी बैंकों से हुई है। इनमें से 50 फ़ीसदी धोखाधड़ी के मामले 50 करोड़ रुपए से अधिक ऋण लेने वाले करोबा ?रियों के हैं। बैंक की राशि लूटने वाले यह छोटे-मोटे लोग नहीं है। रिजर्व बैंक के अनुसार बड़े-बड़े उद्योगपति और पूंजीपति हैं। जो बैंक के अधिकारियों से सांठगांठ करके कागजों पर प्रोजेक्ट बनाकर उद्योग एवं कारोबार के नाम पर लोन लेते हैं, उसके बाद लोन नहीं चुकाते जाते हैं। वर्तमान केंद्र सरकार हमेशा यह आरोप लगाती है, कि मनमोहन सिंह सरकार के समय लोन दिए गए थे। वह पैसा वसूल नहीं हो पाया। उद्योगपति डिफाल्टर हो गए, अथवा भाग गए हैं। लेकिन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले 4 वर्षों की जो जानकारी दी है। वह सरकार के दावों को गलत बता रही है। 2017 से 2022 के बीच बैंकों का एनपीए बढ़कर 10 लाख करोड़ रुपए हो गया। भारत के बैंकों ने यह राशि डुबंत खाते में डाल दी है। यह राशी हर साल बढ़ती ही जा रही है। 2018-19 के वर्ष में सार्वजनिक बैंकों ने 2.36 लाख करोड़ रुपए डूबँत खाते में डाले हैं। जो पिछले 4 वर्षों का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। यह वही साल था, जब नोट बंदी के कारण भारत की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से डगमगा गई थी।

नोटबंदी के बाद से उद्योगपतियों ने बड़े सुनियोजित तरीके से बैंकों को लूटने का कुचक्र रचा। साल दर साल बैंक से कर्जा लेते रहे। उसके बाद या तो कंपनी को दिवालिया घोषित कर दिया, या भारत छोड़कर भाग गए। पिछले 4 वर्षों में इन्हीं उद्योगपतियों के परिवार की कोई ना कोई एक सदस्य या परिवार के सभी सदस्य देश छोड़कर विदेशी नागरिकता लेकर विदेशों में नागरिक बन गये। उसके बाद एफडीआई के माध्यम से नया गोरख धंधा शुरू कर दिया। भारतीय शेयर बाजार मैं निवेश और मुनाफावसूली कर सुनियोजित रूप से धोखाधड़ी कर रहे हैं। विदेशी निवेश और भारत से निर्यात-आयत के कारोबार में जुड़कर सामान की बिलिंग में गड़बड़ी करके बड़े पैमाने पर काले धन को सफेद धन बनाकर, धन कमाने का सबसे बढ़िया जरिया शेयर बाजार को बना लिया है। अटैची कंपनियां बनाकर यह धंधा बड़ी जोरों के साथ चल रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि मनमोहन सिंह के कार्यकाल के मुकाबले मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल के कार्यकाल में, बैंकों का एनपीए 10 गुना ज्यादा बढ़ा है। बैंकों का फ्रॉड भी बढ़ा है। इसके बाद भी वर्तमान सरकार हमेशा मनमोहन सिंह सरकार के ऊपर पर्चा फाड़कर अपने आप को बचाने और घोटाले को दबाने का प्रयास करती है। रिजर्व बैंक द्वारा जारी 4 साल के आंकड़ों ने स्थिति को सार्वजनिक कर दिया है। बैंकों से जो फ्रॉड हुआ है, जो राशि एनपीए में डूब गई है। वह भारत के बजट का 20 से 22 फ़ीसदी होता है। इतने बड़े पैमाने पर इतना बड़ा आर्थिक घोटाला, आगे की वर्षों में हमें कहां ले जाएगा। यह सभी को सोचना होगा। सरकार जो दावे करती है। वह असलियत से बहुत दूर हैं। हाल ही में जब सुप्रीम कोर्ट ने सेना को वन पेंशन वन रैंक के भुगतान की अदायगी करने के लिए कहा। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर कहा कि वह एकमुश्त पेंशन देने की आर्थिक स्थिति में नहीं है। वित्त मंत्रालय ने आर्थिक स्थिति की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट को अपने आदेश को संशोधित कर, चार किस्तों में पेंशन का भुगतान किए जाने के संशोधित आदेश जारी करना पडा। केंद्र सरकार जो बोलती है,उसके ठीक विपरीत आंकड़े रिजर्व बैंक ने पेश किए हैं। इनको ज्यादा दिन तक छुपाए रखना संभव नहीं है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि देश के बैंकों से जो धोखाधड़ी हुई है। कर्ज नहीं चुकाने वालों की जो एनपीए की राशि है। उसमें 86 फ़ीसदी बड़े बड़े पूंजीपतियों का बकाया है। बड़े कर्जदारों के लिये बैंकों के अलग कानून हैं। छोटे लोन वालों से कुर्की-डिग्री करके तथा समाचार पत्रों के माध्यम से नोटिस जारी कर वसूली करते हैं। बड़े कर्जदारों के नाम भी नहीं बताते हैं। मात्र 14 फ़ीसदी कर्ज सामान्य कर्जदारों का है। जिसमें किसान छोटे छोटे व्यापारी एवं व्यक्तिगत ऋण लेने वाले लोग हैं। पिछले 4 साल के आंकड़े रिजर्व बैंक ने प्रस्तुत किए हैं। उससे तो ऐसा ही लगता है, कि बैंकों से बड़े पैमाने पर बड़े-बड़े उद्योगपति और पूंजीपति सुनियोजित रूप से साजिसन धोखाधड़ी कर रहे हैं। सरकार उन पर कार्यवाही नहीं करती है। रिजर्व बैंक ने रिपोर्ट के माध्यम से अपनी चिंता से सरकार को अवगत करा दिया है। समय रहते इस धोखाधड़ी पर नियंत्रण पा लिया जाए। पूंजीपतियों से कर्ज की वसूली करने की प्रक्रिया तेज की जाए,तो अच्छा है। अन्यथा आर्थिक मंदी के इस दौर में अर्थव्यवस्था को संभाल पाना सरकार और रिजर्व बैंक के लिए बहुत मुश्किल होगा।

## कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अत- वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है। यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

# दलबदलुओं के लिये विचारधारा नहीं 'राजनैतिक कैरियर' महत्वपूर्ण

तनवीर जाफ़री

कर्नाटक में राज्य विधानसभा हेतु 10 मई को चुनाव होने निर्धारित हैं। पूरे राज्य में एक ही चरण में होने वाले चुनाव की मतगणना 13 मई को होनी तय है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षण से फिलहाल यही पता चल रहा है कि राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा को सत्ता में वापसी के लिये कड़ी मशक़्क़त करनी पड़ रही है। दूसरी तरफ़ कांग्रेस के पक्ष में भी सकारात्मक माहौल बनता दिखाई दे रहा है। भाजपा के विरुद्ध जहाँ सत्ता विरोधी रुझान है वहीं राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का कर्नाटक के बड़े क्षेत्र से होकर गुज़रना,तथा राहुल गांधी की संसद से बर्ख़ास्तगी के बाद राज्य में उनके प्रति पैदा हुई सहानुभूति कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाने में कारगर साबित हो रही है। राज्य में होने वाले इस संभावित सत्ता परिवर्तन को राज्य के कई मंझे हुये नेता भी बखूबी समझ रहे हैं। और उनकी यही दूरदर्शिता उन्हें किसी न किसी परिस्थितिवश चुनाव पूर्व ही दल बदल करने के लिये मजबूर कर रही है। प्राप्त ख़बरों के अनुसार राज्य के आठ प्रमुख भाजपा नेताओं के अतिरिक्त तमाम छुटभैय्ये भाजपाई भी कांग्रेस पार्टी का दामन थाम चुके हैं। जबकि कुछ जे डी एस में भी शामिल हुये हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व उप मुख्यमंत्री से लेकर कई विधायक और विधान परिषद सदस्य तक शामिल है। इसी सूची में सबसे महत्वपूर्ण नाम राज्य के पूर्व मुख्य मंत्री भाजपा एवं लिंगायत समुदाय के प्रभावशाली नेता जगदीश शेट्टार और पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी का है। कर्नाटक की राजनीति में लिंगायत समुदाय सत्ता का खेल बनाने बिगाड़ने में अत्यंत प्रभावी माना जाता है। बताया जा रहा है कि शेट्टार अपनी पारंपरिक सीट हुबली-धारवाड़ विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में सातवीं बार चुनाव लड़ना चाह रहे थे, लेकिन भाजपा ने उन्हें टिकट देने से मना कर दिया था। प्राप्त ख़बरों के अनुसार शेट्टार को हुबली-धारवाड़ विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी न बनाने के बदले में उन्हें केंद्र सरकार में मंत्री और उनके परिवार के किसी अन्य सदस्य को विधानसभा चुनाव लड़ने की पेशकश पार्टी की ओर से की गयी थी जो उन्होंने स्वीकार नहीं किया। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने आनन फ़ानन में जगदीश शेट्टार को पार्टी में शामिल कर उन्हें हुबली-धारवाड़ विधानसभा सीट से पार्टी का प्रत्याशी भी घोषित कर दिया। लिंगायत समुदाय के कर्नाटक में 18 फ़ीसद मतदाता हैं और वो प्राय: भाजपा के समर्थक माने जाते रहे हैं। भाजपा छोड़ने के बाद जगदीश शेट्टार अकेले 20 से लेकर 25 लिंगायत प्रभाव वाली सीटों पर भाजपा को नुक़्सान व कांग्रेस को फ़ायदा पहुंचा सकते हैं। इनके अतिरिक्त भाजपा छोड़ने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व विधायक डीपी नारीबोल, मंत्री एस अंगारा और बीएस येदियुरप्पा के क़रीबी डॉक्टर विश्वनाथ के साथ वर्तमान विधायक एमपी कुमारस्वामी,विधायक रामप्पा लमानी, विधायक गुली हटी शेखर, तथा वर्तमान एमएलसी ( विधान पार्षद ) शंकर शामिल हैं। दल बदल करने वाले अधिकांश भाजपा नेताओं का एक ही दुखड़ा है कि पार्टी ने उन्हें प्रत्याशी क्यों नहीं बनाया। टिकट न मिलने के कारण पार्टी छोड़ने वाला एक नाम वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और कर्नाटक विधानसभा के पूर्व स्पीकर कागोडु थिम्मप्पा की बेटी डॉ. राजनंदिनी का भी है। गत दिनों यह कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और पार्टी के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गयीं । बीजेपी में शामिल होने बाद डॉ. राजनंदिनी ने अपनी व्यथा बयान करते हुये कहा भी कि - मुझे उम्मीद थी कि कांग्रेस ) मुझे पहचानेगी और मुझे टिकट देगी , लेकिन मुझे मौक़ा नहीं मिला जबकि बीजेपी में गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया गया। मैं पार्टी के लिए काम करूंगी। मैं वर्कर हूं और कहीं भी काम कर सकती हूं। पूरी संभावना है कि डॉ. राजनंदिनी थिम्मप्पा भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ेंगी।

केवल कर्नाटक ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों के चुनाव में भी यहाँ तक कि लोकसभा चुनावों के समय भी अपना अपना राजनैतिक कैरियर

**कर्नाटक की राजनीति में लिंगायत समुदाय सत्ता का खेल बनाने बिगाड़ने में अत्यंत प्रभावी माना जाता है। बताया जा रहा है कि शेट्टार अपनी पारंपरिक सीट हुबली-धारवाड़ विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में सातवीं बार चुनाव लड़ना चाह रहे थे, लेकिन भाजपा ने उन्हें टिकट देने से मना कर दिया था।**

बचाने या बनाने के नाम पर दल बदल का खेल चलना एक आम बात बन चुकी है। यह दल बदल पार्टी के टिकट मिलने या न मिलने से शुरू होकर मंत्री यहाँ तक कि मुख्यमंत्री बनने बनाने तक जारी रहता है। मध्य प्रदेश की तरह कई राज्य इस बात के भी उदाहरण पेश कर चुके हैं कि किस तरह सत्ता के इसी घिनौने खेल में राज्य की जनता द्वारा दिये गये सत्ता विरोधी जनमत का इन्हीं अवसरवादी व अपने स्वार्थपूर्ण राजनैतिक कैरियर को राजनैतिक विचारधारा से भी ऊपर मानने वालों द्वारा मज़ाक़ उड़ाया गया। आज भले ही कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में बड़ी संख्या में भाजपाई नेताओं को पार्टी में शामिल कराकर आगामी चुनाव में अपनी बढ़त की संभावनाओं का एहसास कर रही हो परन्तु जो नेता केवल भाजपा का टिकट न मिलने के कारण कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं वह कांग्रेस की विचारधारा के वाहक आख़िर कैसे हो सकते हैं ? अभी पिछले दिनों हिजाब के विरोध से लेकर और भी कई तरह के साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के प्रयास भाजपा द्वारा कर्नाटक में इन्हीं वर्तमान विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र किये गये थे। उस समय तो यही भाजपा छोड़ने वाले लोग भाजपा की नीतियों का समर्थन कर रहे थे ?

कांग्रेस हो या भाजपा या अन्य परस्पर धुर विरोधी वैचारिक पार्टियां, इनके द्वारा अवसरवादिता के कारण ख़ास कर अपने राजनैतिक कैरियर को संवारने की ग़रज़ से दल बदल करने वाले लोगों को अपने अपने दलों में शामिल कराने का साफ़ अर्थ है कि पार्टियां स्वयं भी मात्र सत्ता प्राप्त करने के लिये ऐसे थाली के बैंगनों का सहारा लेना पसंद करती हैं जिनके लिये विचारधारा नहीं बल्कि उनका राजनैतिक कैरियर अधिक महत्वपूर्ण है। और जिनकी कोई राजनैतिक विचारधारा ही न हो केवल उनका राजनैतिक कैरियर ही उनके लिये सबसे महत्वपूर्ण हो वे वैचारिक रूप से किसी भी पार्टी के वफ़ादार तो हरगिज़ नहीं हो सकते। राजनैतिक दल जो कि दरअसल प्राय: अवसरवादियों का ही एक समूह कहा जा सकता है यह भले ही अपना लाभ देखकर दलबदलुओं को टिकट,मंत्री पद यहां तक कि मुख्यमंत्री पद देकर अपने को मज़बूत और अपने विरोधी दलों को कमज़ोर करने का अस्थायी खेल खेलते रहते हों परन्तु जनता को ऐसे दलबदलुओं को तो ज़रूर सबक़ सिखान चहिये जिनके लिये विचारधारा नहीं बल्कि उनका स्वार्थपूर्ण राजनैतिक कैरियर ही सबसे महत्वपूर्ण है।

# मुख्यमंत्री-राज्यपाल विवाद -संवैधानिक हस्तियों के बीच टकराव कितना सही...

ओम प्रकाश मेहता

भारत की आजादी के बाद लगभग दो दशक तक देश में कहीं भी मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच किसी तरह का विवाद पैदा नहीं हुआ था, उसका मुख्य कारण यह था कि राज्यपालों की नियुक्तियां राजनीतिक आधार पर नहीं, बल्कि व्यक्तित्व के गुणों व योग्यता के आधार पर की जाती थी, किंतु उसके बाद जब से राज्यपालों की नियुक्ति में राजनीति संबंधित शख्स की विचारधारा और सत्तारूढ़ केंद्र के राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने की कसौटी पर मूल्यांकन होने लगा तब से इस महत्वपूर्ण संवैधानिक पद की गरिमा को काफी ठेस पहुंची है, आज देश के एक दर्जन से अधिक राज्यों में राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के बीच तकरार की खबरें सुर्खियों में रहती है, विशेषकर उन राज्यों में जहां गैर भाजपा सरकारें कार्यरत है, वहां सरकार विधानसभा से जो भी विधेयक पारित करवाकर राज्यपाल की मंजूरी हेतु भेजती है, राज्यपाल उन्हें लंबी अवधि तक ठंडे बस्ते में डालकर रख देते हैं, जिससे राज्य सरकार कई महत्वपूर्ण जनहितैषी योजनाओं को मूर्त रूप नहीं दे पा रही है। पिछली शताब्दी के सातवें दशक तक केंद्र सरकार देश के विभिन्न क्षेत्रों में काफी ख्याति प्राप्त करने वाले लेखकों, साहित्यकारों, विद्वानों या वरिष्ठ राजनेताओं को राज्यपालों के पद पर नियुक्त करती थी, उस दौरान क्योंकि राज्यपालों का किसी विशेष राजनीतिक विचारधारा से कोई संबंध नहीं होता था, इसलिए सब कुछ नियम कानून की परिधि में होता था, किंतु जब से राज्यपाल पदों पर नियुक्ति के समय संबंधित शख्स की राजनीतिक आस्था का परीक्षण किया जाने लगा, तब से संविधान, नियम, कानून सभी गौंण हो गए और राज्यपाल अपने केंद्रीय आकाओं की कठपुतली बन कर रह गए। आज देश के अधिकांश राज्यों में यही स्थिति है और गैर भाजपा की सरकारों व संबंधित प्रदेशों के राज्यपालों के बीच तनातनी का भी यही मुख्य कारण हैं, अब यह प्रक्रिया चरम पर पहुंचने लगी है।

आमतौर पर राज्यपाल व मुख्यमंत्री के बीच विवाद की शुरुआत 1967 से हुई 1967 के चुनाव के बाद दक्षिणी राज्य तमिलनाडु से इसकी शुरुआत हुई, जब वहां की जनता ने देश में पहली बार क्षेत्रीय दल डी.एम.के. को सत्ता सौंपी श्री अन्ना दोरई मुख्यमंत्री चुने गए जिनका 1969 में निधन हो गया, उनके बाद एमके करुणानिधि ने सत्ता की बागडोर संभाली उन्होंने राज्यपालों द्वारा विधायकों को रोके जाने की प्रक्रिया का जमकर विरोध किया, इसके बाद से मुख्यमंत्री जयललिता व तत्कालीन राज्यपाल चेन्ना रेड्डी के बीच विवाद की शुरुआत हुई, इसी के चलते जयललिता ने केंद्र में विराजित पी वी नरसिंहराव सरकार को दिया जा रहा समर्थन वापस ले लिया था, उसके बाद केंद्र ने कांग्रेस नेता चेन्नारेड्डी को तमिलनाडु का राज्यपाल बना कर भेज दिया, जयललिता समर्थकों ने चेन्नारेड्डी के काफिले पर पथराव किया था, जिससे राज्यपाल-मुख्यमंत्री के बीच कटुता और अधिक बढ़ गई थी। ....और पिछले 3 दशक से तमिलनाडु ही देश में राज्यपाल मुख्यमंत्री के बीच विवाद का नेतृत्व कर रहा है। तमिलनाडु की ही विधानसभा ने पिछले दिनों एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के संबंध में राज्यपालों के लिए समय सीमा तय करने का अनुरोध किया गया है। यह तो सिर्फ एक गैर हिंदी राज्य का मामला है, वैसे आज स्थिति यह है कि जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, जिनमें मध्यप्रदेश भी शामिल है वहां राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच कोई विवाद नहीं है, किंतु छत्तीसगढ़, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली जैसे गैर भाजपा की सरकारों वाले राज्यों में मुख्यमंत्री व राज्यपाल के बीच विवादों का दौर चरम पर है, दिल्ली तो उसका नेतृत्व कर रहा है, जहां दोनों संवैधानिक हस्तियों के बीच छोटी-छोटी बातों पर गहरा विवाद है।

अब यहां सवाल यह पैदा होता है कि इसमें उस बेचारी जनता का क्या दोष जो इन संवैधानिक हस्तियों के बीच विवाद का खामियाजा भुगत रही है? किंतु इसकी चिंता ना तो केंद्र को है और ना ही राज्यपालों या मुख्यमंत्रियों को आज का सबसे सफल व योग्य राज्यपाल तो वही माना जाता है, जो केंद्र के इशारे पर ही पूरे काम करें? फिर चाहे राज्य व वहां की जनता कहीं भी जाए? सबसे बड़ी चिंता का विषय यही है कि जब संवैधानिक प्रमुखों कि यह स्थिति होगी तो विधान, कानून और संविधान की उपयोगिता क्या रह जाएगी?

# विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस हर साल 23 अप्रैल को यह दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व पुस्तक दिवस, किताबों का अंतरराष्ट्रीय दिवस और विश्व पुस्तक और प्रकाशनाधिकार दिवस भी कहा जाता है। इंसान के बचपन से स्कूल से आरंभ हुई पढ़ाई जीवन के अंत तक चलती है। लेकिन अब कम्प्यूटर और इंटरनेट के प्रति बढ़ती दिलचस्पी के कारण पुस्तकों से लोगों की दूरी बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि लोगों और किताबों के बीच की दूरी को खत्म करने के लिए यूनेस्को ने 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यूनेस्को के निर्णय के बाद से पूरे विश्व में इस दिन विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। लोगों और किताबों के बीच की दूरी को खत्म करने के लिए यूनेस्को ने हर साल 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यूनेस्को के निर्णय के बाद से पूरे विश्व में इस दिन विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है।

हर साल 23 अप्रैल को पूरे विश्व के लोगों द्वारा मनाया जाने वाला विश्व पुस्तक दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है। पढ़ना, प्रकाशन और प्रकाशनाधिकार को पूरी दुनिया में लोगों के बीच बढ़ावा देने के लिये यूनेस्को द्वारा सालाना आयोजित ये बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। 23 अप्रैल 1995 में पहली बार यूनेस्को द्वारा विश्व पुस्तक दिवस की शुरुआत की गयी। आमतौर पर, इसे लेखक, चित्रकार के द्वारा आम लोगों के बीच में पढ़ने को प्रोत्साहन देने के लिये मनाया जाता है। किताबों को और पढ़ने के लिये ये विश्व स्तर का उत्सव है। विश्व पुस्तक दिवस को मनाने के पीछे बहुत सी मान्यता हैं। मीगुएल डी सरवेंटस नाम से सबसे प्रसिद्ध लेखक को श्रद्धांजलि देने के लिये स्पेन के विभिन्न किताब बेचने वालों के द्वारा वर्ष 1923 में पहली बार 23 अप्रैल की तारीख अर्थात् विश्व पुस्तक दिवस और किताबों के बीच संबंध स्थापित हुआ था। ये दिन मीगुएल डी सरवेंटस की पुण्यतिथि है।

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस को मनाने के लिये यूनेस्को द्वारा 1995 में पहली बार विश्व पुस्तक दिवस 23 अप्रैल मनाये जाने की घोषणा हुई। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार, विलियम शेक्सपियर, व्लादिमीर नबोकोव, मैमुएल सेजिया वैलेजो का जन्म और मृत्यु वर्षगाँठ, मीगुअल डी सरवेंटस ( 22 अप्रैल को मृत्यु और 23 अप्रैल को दफनाए गये ), जोसेफ प्ला, इंका गारसीलासो डी ला वेगा का मृत्यु वर्षगाँठ और मैनुअल वैलेजो, मॉरिस द्रुओन और हॉलडोर लैक्सनेस का जन्म वर्षगाँठ होता है। 23 अप्रैल विश्व साहित्य में एक प्रतीकात्मक तिथि है। वर्ष 1616 में 23 अप्रैल को ही साहित्यकार विलियम शेक्सपियर, सेर्वंटेस और इंका गार्सिलासो का निधन हुआ था। इंसान के बचपन से स्कूल से आरंभ हुई पढ़ाई जीवन के अंत तक चलती है। लेकिन अब कम्प्यूटर और इंटरनेट के प्रति बढ़ती दिलचस्पी के कारण पुस्तकों से लोगों की दूरी बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि लोगों और किताबों के बीच की दूरी को खत्म करने के लिए यूनेस्को ने 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। यूनेस्को के निर्णय के बाद से पूरे विश्व में इस दिन विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। विश्व साहित्य के लिये 23 अप्रैल एक महत्वपूर्ण तारीख है क्योंकि 23 अप्रैल 1616 कई महान हस्तियों की मृत्यु वर्षगाँठ थी। लोगों और देश की सामाजिक और सांस्कृतिक विकास की ओर अपने विशेष योगदानों के लिये नये विचारों को उत्पन्न करने के साथ ही किताबों के बीच असली खुशी और ज्ञान की खोज करने तथा किताबें पढ़ने के लिये ये आम लोगों खासतौर से युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ये दिवस मनाया जाता है।

विश्व पुस्तक दिवस मनाने का कई तरीका उपलब्ध है। कई लोग अपने पसंदिता किताब को बाजार से खरीदकर उसे पढ़कर विश्व पुस्तक दिवस को मनाने में कोई भी शामिल हो सकता है। जहाँ सभी पसंसदीदा किताब ब्रैंड, चरित्र या लेखक पर आधारित होती है। लेखकों और दूसरी महत्वपूर्ण बातों के बारे में जानने के लिये उनमें जिज्ञासा उत्पन्न करने के साथ ही पढ़ने की आदत के लिये बच्चों को पास लाने में विश्व पुस्तक दिवस एक बड़ी भूमिका अदा करता है। बच्चों के बीच पढ़ने की आदत को आसानी से बढ़ावा देना, कॉपीराइट का प्रयोग कर बौद्धिक संपत्ति का प्रकाशन और सुरक्षित रखने के लिये यूनेस्को द्वारा पूरे विश्व भर में इसे मनाने की शुरुआत हुई। शिक्षकों, लेखकों, प्रकाशकों, लाइब्रेरियन, सभी निजी और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों, एनजीओ, कार्यरत लोगों का समूह, मास मीडिया आदि के द्वारा खासतौर से विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस मनाया जाता है। यूनेस्को राष्ट्रीय परिषद, यूनेस्को क्लब, केन्द्रीय संस्थान, पुस्तकालय, स्कूल और दूसरे शैक्षणिक संस्थानों के द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। विश्व पुस्तक दिवस के द्वारा इच्छुक लोग ऐच्छिक संगठनों, विश्वविद्यालयों स्कूलों, सरकारी या पेशेवर समूहों, निजी व्यापार आदि से जुड़ते है। विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस उत्सव विश्व भर के सभी महाद्वीपों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से लोगों को आकर्षित करता है। ये लोगों को नये विचार को खोजने और अपने ज्ञान को फैलाने में सक्षम बनाता है। किताबें विरासत का ख़जाना, संस्कृति, ज्ञान की खिड़की, संवाद के लिये यंत्र, संपन्नता का स्त्रोत आदि हैं। विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस को मनाने का उद्देश्य है, जीवन को बेहतर बनाने के लिए पुस्तकों की शक्ति को पहचानना है। आमतौर पर, इसे लेखक, चित्रकार के द्वारा आम लोगों के बीच में पढ़ने को प्रोत्साहन देने के लिये मनाया जाता है।

बिना कुछ सीखे आप एक किताब नहीं खोल सकते.- कन्फ्यूशियस...।

एक किताब से ईमानदार मित्र कोई नहीं होता...।. -

हर जली हुयी किताब दुनिया को रोशन करती है.- राल्फ वाल्डो एमर्सन...।

.जब भी आप एक अच्छी किताब पढ़ते हैं, तो कहीं न कहीं दुनिया में अधिक रोशनी की अनुमति देने के लिए एक दरवाजा खुलता है. -वेरा नज़रियन ..।.

## मौत पर भारी मंदिर

कीर्ति राणा

पटेल नगर के बावड़ी हादसे में तीन दर्जन निर्दोषों की मौत के साथ आम इन्दौरियों को ही यह भी याद रखना है कि प्रशासन ने बावड़ी ध्वस्त करने के साथ मंदिर को भी अतिक्रमण मान कर ध्वस्त कर दिया था। उन 36 लोगों की मौत के दोषियों की धरपकड़ पर तो जांच-प्रतिवेदन का मलबा गिर गया है। मंदिर गिराने की कार्रवाई को भी एक तरह से सरकार ने अवैधानिक ही मान लिया है। जनप्रतिनिधियों का भी इंट्रेस्ट मंदिर निर्माण में ही है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने तो पहले ही घोषणा कर दी थी मंदिर तो फिर से बनाएंगे, भोपाल से भी आवाज आ गई खुद सरकार बनाएगी मंदिर, क्षेत्रीय विधायक ने भी कह दिया मंदिर तो बन कर रहेगा। पटेल समाज से पहले सिंधी समाज ने कह दिया मंदिर निर्माण जरूरी है। बावड़ी हादसे के मुख्य आरोपियों को संरक्षण के आरोपों से घिरे सांसद भी मंदिर निर्माण के लिए प्रयासरत हो गए।

इन सबसे आगे निकल गईं विधायक-पूर्व महापौर जो सिंधी समाज को सीएम से मिलवा कर ले आईं। समाज के लोगों ने सरकार का मंदिर निर्माण की पहल पर आभार भी व्यक्त कर दिया। इस मुलाकात से खलबली मची हुई है, कारण एक तीर से कई शिकार जो हो गए हैं। अब विधायकी का सपना देख रहे माननीय को संदेश दे दिया है कि समाज तो हमारे साथ है। महापौर को विधानसभा की आसान राह बताने वाले उनके रणनीतिकारों के साथ ही तीन नंबर विधानसभा क्षेत्र के विधायक और मास्टर माइंड पिता को भी इस मुलाकात के दूरगामी परिणाम समझ आ रहे हैं। एक साथ इतनों को अपने मंसूबे बताने वाली विधायक की अब परेशानी यह है कि सीएम से मेल मुलाकात के बाद उनके विरोधियों को तलाशना-पुचकारना अन्य दावेदारों ने शुरु कर दिया है। बेटे से सिंधी समाज की नाराजी, थाने में दर्ज प्रकरण सहित अन्य तमाम किस्सों के दस्तावेज भी खंगाले जा रहे हैं।बावड़ी हादसे के बाद से चल रही इस राजनीतिक उथलपुथल का लाभ किसे मिलेगा इसमें उन परिवारों की तो कतई दिलचस्पी नहीं है जिन्होंने अपने लोगों को खोया है, उन्हें तो यह समझ आ चुका है कि उन सब की मौत पर मंदिर भारी पड़ता जा रहा है।

## ऋषिप्रवर परशुराम

प्रो.शरद नारायण खरे

परशुराम की वंदगी,विष्णुरूप जयगान।
त्रेता में अवतार ले,बने जगत-उत्थान।।
परशुराम की जय करो,करो विनय,दो मान।
नाम सदा गतिशील है,करे पाप-अवसान।।।।
काटें पापी परशु से,नाम लिए है साँच।
संत प्रवर हैं संग तो,नहिं आती है आँच।।
नाम सदा सुख से भरा,परशु लिए है धार।
परशुराम के तेज से,रक्षित नित संसार।।
परशुराम तो दिव्य हैं,जन के पालनहार।
परशुराम जी सत्य हैं,विष्णु ईश-अवतार।।।।
परशुराम जी सूर्य हैं,नाम बहुत अभिराम।
नाम रखे आवेग है,नित है तीरथधाम।।
परशुराम शिवभक्त थे,धनुष रहा नित संग।
हर पापी को मारकर,दिया धर्म को रंग।।
नाम बहुत शुचितामयी, नाम समेटे सार।
परशुराम वरदान हैं,नाम नित्य उपहार।।
परशुराम उजियार हैं,हरते नित अँधियार ।
नाम सदा यशगान है,करो नित्य जयकार।।
पापहरण कर संत ने ,दूर किया संताप।
परशुराम के वेग को,कौन सकेगा माप।।

# गर्मियों में बच्चों की सेहत का ध्यान रखें

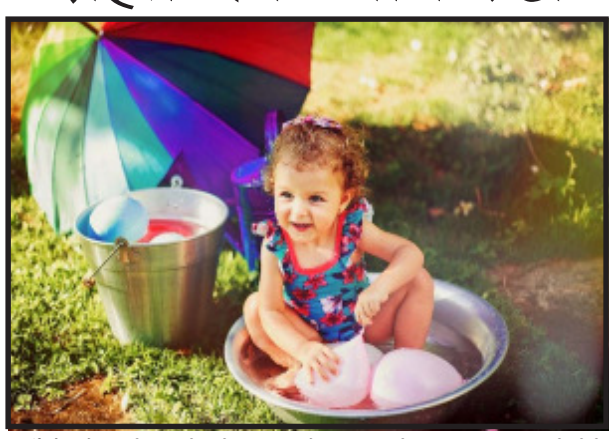

गर्मी के मौसम में बच्चों को त्वचा और स्वास्थ से संबंधित समस्यायें होने लगती हैं, इनसे बचने के कुछ सरल उपाय अपनाकर आप अपने बच्चों को इस मौसम में स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों के शरीर को आराम देने के लिये सूती और पतले कपड़े ही पहनाये। हल्के रंग के कपड़ों का ही चुनाव करें। सूती कपड़े पहनने से शरीर को ठंडक मिलती है और ये पसीना भी सोख्ते हैं वहीं सिंथेटिक कपड़े में पसीना अधिक आता है जो त्वचा से संबंधित रोगों को जन्म देता है।

बच्चों को धूप में लेकर न जाये और यदि बहुत जरूरी ही हो तो उसे पूरी बाजू के सूती कपड़े ही पहनायें। बाहर निकलते समय टोपी या हैट से बच्चे का सिर ढक लें और छतरी का प्रयोग करें। शाम के समय अगर उसको प्रैम में घुमाने लेकर जायें तो गद्दियों की जगह बच्चे के नीचे सूती चादर ही बिछायें इससे उसे आराम मिलेगा। डायपर कि जगह सूती नैपी या लंगोट का अधिक प्रयोग करें इससे बच्चे को रैशेज की समस्या नही होगी। जितना हो सके बच्चे को घर में ठंडे वातावरण में ही रखें।

छ: माह से छोटे शिशुओं को पानी पिलाने की आवश्यकता नही होती। ये स्तनपान से ही अपनी इस आवश्यकता की पूर्ति कर लेते हैं। लेकिन जो बच्चे डिब्बेवाले दूध का सेवन करते हैं उन्हें उबालकर ठंडा किया हुआ पानी चम्मच से पिलाते रहें। फ्रिज में ठंडा किया हुआ चिल्ड पानी न पिलाये। छ: माह से बड़े बच्चों को लस्सी, मिल्क शेक, नारियल पानी या फलों का ताजा रस चम्मच से पिलाया जा सकता है। बच्चों को कभी भी बाहर से खरीदा हुए पेय पदार्थ और बाहर का खाना न दें। ये बच्चे को नुकसान पहुंचा सकता है। अच्छा तो यही होगा कि घर से बाहर जाते समय बच्चे के पीने के पानी और खाने का कुछ सामान हमेशा साथ ही लेकर जायें। मौसम चाहे कोई भी हो शिशुओं के लिये मालिश तो बहुत आवश्यक होती है। इस मौसम में मालिश करते समय ये ध्यान रखें कि बच्चे के शरीर पर तेल लगा न रहे। मालिश के कुछ समय बाद उसे स्नान जरूर करवायें। आप चाहे तो नारियल के तेल से भी शिशु की मसाज कर सकती हैं इससे शिशु को ठंडक मिलेगी। नहलाने के बाद शिशु के शरीर को ठंडक देने के लिये टैल्कम पाउडर तो लगाये लेकिन अत्याधिक पाउडर न लगाये। पाउडर का ज्यादा प्रयोग करने से ये स्किन पर जम जाता है। नहाने के तुरंत बाद बच्चे को एसी रूम में यह कूलर के सामने न लेकर जाये और न ही एसी रूम से सीधे धूप में लेकर जाये इससे बच्चे का स्वास्थय बिगड़ सकता है। गर्मी के मौसम में बच्चों को पानी में खेलना बहुत भाता है। एक वर्ष से बड़े बच्चों को बाथ टब में पानी भरकर कुछ रबड़ के खिलौने डाल दें और उसमे बच्चे को खेलने दें। ध्यान रहे कि बाथ टब ज्यादा गहरी न हो। इन क्षणों में बच्चों को अकेला न छोड़े उसे लगातार वॉच करती रहें। बच्चों को धूप से बचाने के लिये सस्ते गॉगल्स का इस्तेमाल न करें। ध्यान रहे कि गॉगल्स अच्छी क्वालिटी के हों जिससे बच्चों की आंखों पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

# बेहतर प्रदर्शन के लिए कहीं आप बच्चों को लालच तो नहीं देते

अभिभावक कई बार बेहतर प्रदर्शन के लिए बच्चों को लालच देते हैं जो सही नहीं हैं। अगर आप भी अपने बच्चों को इस प्रकार की बातें कहते हैं कि अगर तुम समय पर अपनी पढ़ाई पूरी कर लोगे यह अच्छे नंबर लाओगे या फिर अपनी हॉबी क्लास में अच्छे से सीखोगे, तो तुम्हें तुम्हारा पसंदीदा खिलौना देंगे। कभी-कभार के लिए तो यह ठीक है, लेकिन जब यह रोज की आदत बन जाए, तो ऐसे में बच्चे के लिए अपने काम को सही तरीके से कर पाना कठिन होता है। काम की बजाय उसका पूरा ध्यान काम खत्म होने पर मिलने वाली चीजों में ही लगा रह जाता है, जिसकी वजह से वो अपना काम निपटाने वाले अंदाज में करता है। बच्चे में पनपती यह आदत धीरे-धीरे उसकी रचनात्मकता को भी कम कर सकती है।

जरुरत से ज्यादा अपेक्षाएं न रखें

अपने बच्चे को ऑलराउंडर बनाने के फेर में उस पर जरुरत से ज्यादा दबाव ना बनाएं। आपका बच्चा सारी चीजों में पारंगत हो जाए, इसकी अपेक्षा ना करें। यह जरूरी नहीं है कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा है, अच्छी ड्रॉईंग करता है, खेल में अच्छा है, तो वो अच्छा गाना भी गाएगा और डांस भी कर लेगा। अपने बच्चे को उतना ही करने दें, जितना वो सहजता से कर पाए। बहुत सारे के चक्कर में वो कोई भी काम ठीक से नहीं कर पाएगा।

अपनी पसंद का काम करने दें

छोटे से बच्चे पर अपनी पसंद ना थोपें। उसे वो काम करने दें, जो करना उसे पसंद है। अगर वो डांस क्लास या वॉलीबॉल की क्लास में नहीं जाना चाहता है, तो उसके दोस्त ऐसा कर रहे हैं, यह सोचकर आप उसे भी ऐसा करने के लिए मजबूर ना करें। अगर उसका मन घर में बैठकर कलरिंग करने का है या फिर वह टीवी पर थोड़ी देर के लिए अपना पसंदीदा कार्टून देखना चाहता है, तो इसके लिए आप उसे मना ना करें। अगर आपके पास समय है, तो उसके साथ बैठकर वो काम करें, जिसमें उसे मजा आ रहा हो। उसे बातों-बातों में जिंदगी के बारे में अच्छी बातें बताएं।

असफलता का भय न दिखायें

बच्चे में किसी भी काम को रचनात्मक तरीके से करने की भावना तभी आएगी, जब उसके अंदर हार का डर नहीं होगा। अभिभावक के तौर पर यह आपका दायित्व है कि अपने बच्चे के अंदर सफलता और असफलता को लेकर सही सोच विकसित करें। अपने बच्चे के अंदर असफलता से भी सीखने का भाव भरें।

# बच्चे के अंक कम आये तो बढ़ायें हौंसला

प्रतिस्पर्धा के इस दौर में हर कोई आगे निकलना चाहता है और ऐसे में बच्चों पर परिक्षाओं में ज्यादा से ज्यादा अंक लाने का दबाव रहता है। दसवीं में अधिक अंक से जहां मनचाहा विषय मिलता है वहीं 12 वें बेहतर अंकों से ही अच्छे कॉलेजों में दाखिला मिलता है। वहीं कम अंक आने पर कई प्रकार की परेशानियां होती हैं। ऐसे में बच्चों पर अधिक अंक लाने के लिए भारी मनोवैज्ञानिक दबाव रहता है।

इन हालातों में अगर बच्चों का रिजल्ट अच्छा रहा है तो ठीक है पर अगर किसी कारणवश बच्चों के नंबर कम आए हैं या फिर वह असफल हुए हैं तो भी निराश न हों और ऐसे में अभिभावकों की भी विशेष जिम्मेदारी रहती है। उन वैसे स्टूडेंट्स तनाव की स्थिति में जा सकते हैं। इन सबको देखते हुए अभिभावकों को अपने बच्चों की खास देखभाल करने के साथ ही उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत होती है।

बच्चे से बात करें

कम नंबर आने पर बच्चे जितना अपने रिजल्ट से खुद दुखी नहीं होते, उससे कहीं ज्यादा इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि वे अपने अभिभावकों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे क्योंकि माता-पिता पर उनके भविष्य को लेकर जो दबाव रहता है उससे बच्चों को भी तनाव हो जाता है। मनोचिकित्सकों के अनुसार का कहना है कि अभिभावक अपनी महत्वाकांक्षाएं बच्चों पर न लादें और बच्चों से बात करें। बात करने से बच्चों का तनाव कम होता है और फिर उनमें एक नई उर्जा आती है कि यह परिणाम उनकी जिंदगी का फैसला नहीं कर सकता। उसे समझाऐं कि आगे बढ़ने के लिए भविष्य में ऐसे कई अवसर मिलेंगे बस अपनी गलतियों को ठीक कर मेहनत करें।

बच्चों को न डांटें

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार उम्मीद के अनुसार रिजल्ट न आने के बाद बच्चों के अंदर एक डर बैठ जाता है। धीरे-धीरे वह खुद हीन भावना का शिकार हो जाते हैं। 90 प्रतिशत मामलों में बच्चों की समस्या बात करने से दूर हो जाती है। अभिभावकों के प्यार भरे दो शब्द बच्चे को अवसाद से निकाल सकते हैं। बच्चे का परिणाम अगर खराब भी हुआ है तो भी उसे बहुत ज्यादा न डांटें और किसी भी तरह की टिप्पणी से बचें। इसकी जगह उसे बेहतर करने प्रेरित करें।

तुलना कभी न करें

अपने बच्चे के रिजल्ट की तुलना अपने दोस्तों या रिश्तेदारों के उन बच्चों से बिलकुल न करें जिन्होंने आपके बच्चे से बेहतर प्रदर्शन किया है। हर बच्चा अपने आप में यूनीक होता है और हर बच्चे की प्रतिभा और दिमाग दूसरे बच्चे से अलग होता है। सबसे अहम बात दूसरों के सामने बच्चे के रिजल्ट की आलोचना बिलकुल न करें। इससे बच्चे के

आत्मसम्मान को ठेस पहुंचती है और वह हीन भावना कर शिकार हो जाता है।

ताना न दें

अगर आपके बच्चे का परिणाम आपकी या बच्चे की उम्मीदों के मुताबिक नहीं है तब भी बच्चे को बेवजह का उपदेश न दें कि मैंने तो तुम्हें पहले ही कहा था, तुम्हें और मेहनत करनी चाहिए थी। इस तरह की बातों से बचें। इस तरह की बातों से बच्चे की निराशा और तनाव में बढ़ोतरी होती है। इस वक्त बच्चे की पिछली गलतियों का जिक्र कर उसे असफल ठहराने की बजाए, बच्चा भविष्य में बेहतर कैसे कर सकता है, यह सोचने की जरूरत है।

बच्चों का ध्यान रखें

परिणाम आने के बाद अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों पर नजर रखें। तनाव दूर करने के लिए वह बच्चे के साथ गेम्स या मूवी भी देख सकते हैं। रिजल्ट जारी होने के बाद बच्चे के व्यवहार में होने वाले परिवर्तन पर गौर करें। बच्चे से आराम से बात करें। अभिभावकों की उपेक्षा का बच्चों पर बुरा असर पड़ सकता है और वह गलत कदम उठा सकते हैं। लिहाजा जहां तक संभव हो बच्चे को प्रोत्साहित करने की कोशिश करें।

अवसाद के लक्षणों को समझें

अगर आप सबकुछ कर चुके हैं लेकिन फिर भी लगता है कि आपका बच्चा समाज के साथ जुड़ नहीं पा रहा है, जो चीजें उसे पसंद थीं अब नहीं हैं या वह अपने दोस्तों से भी नहीं मिल रहा है। तो इस बात को गंभीरता से ले क्योंकि यह अवसाद है और ऐसे में किसी मनोचिकित्सक से काउंसलिंग करायें और घर का माहौल बेहतर रखें।

# स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर रहें सतर्क

आजकल स्कूल में भी बच्चों के साथ होने वाले हादसे और घटनाएं मन में कई सवाल पैदा करती हैं। इससे स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल उठते हैं। इन घटनाओं को देखकर अभिभावकों और बच्चों के मन में डर पैदा होने लगा है। बच्चे अब स्कूलों में भी सुरक्षित नहीं हैं। स्कूल में बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी जितनी स्कूल पर है, उतनी ही माता-पिता पर भी है। सुरक्षा के लिए जरुरी है कि स्कूल बस में बैठने से लेकर स्कूल पहुंचने तक और फिर स्कूल के दौरान भी बच्चों को ट्रैक करना ना छोड़ें।

अभिभावक ये जरूर करें

ड्राइवर और कंडक्टर का नंबर रखें

स्कूल बस के ड्राइवर और कंडक्टर का नंबर रखें। स्कूल पहुंचने से पहले तक ड्राइवर और कंडक्टर से बात करते रहें। आजकल वीडियो कॉल फ्री ऑफ कॉस्ट होता है, अगर कंडक्टर या ड्राइवर के पास स्मार्टफोन है तो उससे वीडियो कॉल में बच्चे से बात कराने को कहें। स्कूल पहुंचते ही बच्चे की अटेंडेंट या क्लास टीचर से तय करें कि बच्चा स्कूल में सुरक्षित पहुंच गया है। आजकल कई तरह के एप्लीकेशन आ गए हैं, जिससे आप अपने बच्चों को ट्रैक कर सकते हैं।

बच्चों को डर कर नहीं जीना चाहिए, लेकिन उन्हें ये जरूर समझाएं कि स्कूल में कहीं भी अकेले ना जाए। हमेशा किसी के साथ रहें और जहां कहीं भी जाए अपने दोस्तों और क्लास टीचर को जरूर बताएं।

माता-पिता ऐसे स्कूल में ही एडमिशन कराएं, जिसकी घर से दूरी 20 से 25 मिनट की हो। एडमिशन के समय ही यह भी तय कर लें कि स्कूल के सभी क्लास, हॉल, लॉबी, यहां तक कि गार्डन एरिया में भी कैमरे लगे हों और सभी कैमरे काम करते हों और आप उससे कनेक्टेड हों।

स्कूल का बाथरूम ट्वायलेट कितना सुरक्षित है इस पर नजर रखें. वहां कोई अटेंडेंट बैठती है या नहीं यह भी ध्यान दें और अपने बच्चे से भी बराबर पूछते रहे। बच्चों का ट्वॉयलेट कहीं बड़े तो इस्तेमाल नहीं करते, इस बारे में भी पता करें।

स्टाफ के बारे में जानकारी रखें

स्कूल में कितने गार्ड हैं और उन सभी का पुलिस वेरिफिकेशन हुआ है या

नहीं यह भी पता करें। स्कूल में मौजूद सभी टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ का भी पुलिस वेरिफिकेशन हो और स्टाफ की मानसिक हालत की भी जांच हो।

बच्चा अगर स्कूल के बारे में कुछ कह रहा है तो उसे नजरअंदाज ना करें। बात छोटी हो या बड़ी, तसल्ली के लिए संबंधित व्यक्ति से जरूर बात करें।

गुड टच बैड टच का अंतर बतायें

बच्चों को गुड टच बैड टच में अंतर जरूर बताएं। किसी बुरे बर्ताव पर या खराब टच पर कैसे बचाव करना है वह भी सिखाएं।

बच्चे को पसंद नहीं है तो उसे कोई किस ना करे और ना ही गले लगाए। बच्चे को इस तरह तैयार करें कि वो इन चीजों के लिए ना कह सके। अगर इनमें से कोई भी घटना उनके साथ होती है तो वो अपने माता-पिता को जरूर बताए।

बच्चों को यह बताएं कि वो अपने माता-पिता और दादा-दादी और नाना-नानी के अलावा किसी भी दूसरे व्यक्ति पर भरोसा ना करें। अगर घर में ऐसा कुछ होता है तो बच्चा अपनी क्लास टीचर और माता-पिता को जरूर बताए।

माता-पिता के साथ कोई भी बात राज ना रखता हो। अगर बच्चा आपसे कोई बात छुपा रहा है तो उससे बात करें और जानने का प्रयास करें कि वह ऐसा क्यों कर रहा है।

# युगांडा से सूडान संकट तक-बदलती भारतीय विदेश नीति

आर.के. सिन्हा

सूडान में सेना और अर्धसैनिक बल के बीच चल रहे भीषण गृहयुद्ध के चलते वहां हालात तो बद से बदतर होते चले जा रहे हैं। ऐसे में वहां फंसे हजारों भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाने को लेकर सारा देश चिंतित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूडान में फंसे भारतीयों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकासी के लिए विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं । मतलब यह कि अब सरकार एक्शन मोड में आ गई है। यह बदले हुए मजबूत भारत का नया चेहरा है। अब जहां पर भी भारतवंशी या भारतीय संकट में होते हैं, तो भारत सरकार पहले की तरह हाथ पर हाथ धर कर नहीं बैठती। आपको याद ही होगा कि रूस-यूक्रेन जंग के कारण हजारों भारतीय मेडिकल छात्र-छात्रायें यूक्रेन में फंस गए थे। उन्हें भारत सरकार तत्काल सुरक्षित स्वेदश लेकर आई। भारत के हजारों विद्यार्थी यूक्रेन में थे। वे वहां पर मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग और दूसरे पेशेवर कोर्स कर रहे थे। ये रूस-यूक्रेन जंग को देखते हुए वहां से निकल कर स्वदेश आना चाहते थे। पहले तो किसी को समझ में ही नहीं आ रहा था कि इतनी अधिक संख्या में यूक्रेन की राजधानी कीव और दूसरे शहरों में पढ़ रहे भारतीय नौजवानों को स्वदेश कैसा लाया जाएगा। पर इच्छा शक्ति हो तो सब कुछ संभव है। यह साबित करके दिखाया गया।

अब अफगानिस्तान में गृहयुद्ध के दिनों की ही बात को जरा याद कर लें। भारतीय वायु सेना और एयर इंडिया के विमान लगातार अफगानिस्तान से भारतीयों को लेकर स्वदेश आते रहे थे। काबुल में जिस तरह के हालात बन गए थे उसमें सारे भारतीयों को लेकर तालिबानी आतंकियों के बीच से लेकर आना कोई छोटी बात नहीं थी ढ इनको ताजिकिस्तान के रास्ते दिल्ली या देश के अन्य भागों में लाया जा रहा था। कुछ विमान कतर के रास्ते से भी आ रहे थे। उस वक्त भारत के अफगानिस्तान में दर्जनों विकास के बड़े प्रोजेक्ट चल रहे थे, इनमें अफगानिस्तान को नये तरह से खड़ा करने के लिए भारत हर तरह की मदद भी कर रहा था। भारत के हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट फंस गए थे । पर इन प्रोजेक्ट्स से हजारों भारतीय जुड़े हुए थे। इन्हीं भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा रहा था। भारत की तरफ से अफगानिस्तान बांध से लेकर स्कूल, बिजली घर से लेकर सड़कें, काबुल की संसद भवन से लेकर पावर इंफ्रा प्रोजेक्ट्स और हेल्थ सेक्टर आदि समेत न जाने कितनी परियोजनाओं को तैयार किया जा रहा था। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान से देश के नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने और वहां से भारत आने के इच्छुक सिखों व हिंदुओं को भी भारत में शरण देने का अधिकारियों को निर्देश भी दे दिये। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के नियंत्रण के बाद ही आने वाली परिस्थितियों को भांपते हुये भारत सरकार सक्रिय हो गई थी। जाहिर है, ये सब कदम उठाने के बाद भारत सरकार का इकबाल न केवल देश के अन्दर बल्कि विदेशों में भी बुलंद हुआ। अब आगे बढ़ने से पहले 1972 के दौर में चलते हैं। अब भी बुजुर्ग हो रहे भारतीयों को याद ही होगा कि सन 1972 में अफ्रीकी देश युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन ने अपने देश में रहने वाले हजारों भारतीयों को रातों रात आदेश दे दिया था कि वे सभी 90 दिनों में देश को छोड़ दें। हालांकि वे भारतीय ही युगांडा की अर्थव्यवस्था की जान थे। पर सनकी अमीन कभी भी और कुछ भी कर देता था। उसके फैसले से वहां पर दशकों से रहने वाले भारतवंशियों के सामने बड़ा भारी संकट खड़ा हो गया था । तब ब्रिटेन ने उन भारतीयों को अपने यहां शरण दी थी। तब हमारी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार ने उन भारतवंशियों के लिए कुछ नहीं किया था। ऐसा उन्होंने क्यों किया यह लोगों को अचम्भे में डालने वाला था ढ क्योंकि, वे कोई कमजोर प्रधानमंत्री तो थी नहीं ढ उस समय बांग्लादेश की आजदी और पाकिस्तान के 93000 सैनिकों के आत्म समर्पण के बाद उनके शोहरत का डंका बज रहा था ढ लेकिन, उन्होंने कोई ठोस कदम नहीं उठाये ढ पता नहीं क्यों ? भारतीय युगांडा में लुटते-पिटते रहे थे, लेकिन हमने घडियाली आंसू बहाने के सिवा कुछ नहीं किया था। उन भारतीयों को हमसे अभी तक गिला है जो होना भी चाहिये । क्या हम सात समंदर पार जाकर बस गए बहादुर उधमी भारतीयों से सिर्फ यही उम्मीद रखें कि वे भारत में आकर निवेश करें ? पर अब भारत चुनौती का सामना करता है। भारत की बदली हुई विदेश नीति के चलते ही हमने टोगो में जेल में बंद पांच भारतीयों को सुरक्षित रिहा करवाया था। ये सब के सब केरल से थे। टोगो पश्चिमी अफ्रीका का एक छोटा सा देश है।

# बच्चों को लिखना इस प्रकार सिखायें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यत: बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाज़ी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे। शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए। आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अत: वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है। बच्चे को जो लिखवाया जा रहा है, उसे जोर-जोर से बोलना चाहिए ताकि वह शब्द बच्चा अच्छी तरह से सुने। बच्चे जैसा सुनेंगे वैसा लिखेंगे। अगर बच्चा अशुद्ध और अस्पष्ट लिख रहा है तो उसे डांटने फटकारने के बजाय प्यार से बताना चाहिए। यदि उसे डांटा-फटकारा गया तो उसमें हीन भावना आ जाएगी और वह यही समझेगा कि मैं सुन्दर और शुद्ध लिख ही नहीं सकता।

# ( रंगसंसार )

## दिलजीत कोचेला में परफॉर्म करने वाले पहले पंजाबी

अभिनेता व गायक दिलजीत दोसांझ ने कोचेला म्यूजिक फेस्टिवल 2023 में परफॉर्मेंस देकर बड़ा स्थान प्राप्त किया है। दोसांझ कोचेला में परफॉर्म करने वाले पहले पंजाबी बन गए हैं। खबर है कि दिलजीत दोसांझ कोचेला म्यूजिक फेस्टिवल में एक और परफॉर्मेंस देने जा रहे हैं। 22 अप्रैल को दिलजीत कोचेला स्टेज पर दूसरी बार परफॉर्म करते नजर आएंगे। इस बात की जानकारी खुद दिलजीत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर दी है। बता दें कि कोचेला फेस्टिवल में दुनिया भर के नामी कलाकार परफॉर्म करते हैं, जिसमें इस बार दिलजीत दोसांझ ने शामिल होकर पंजाबियों की शान बढ़ाई है। इस उपलब्धि का पूरा देश जश्न मना रहा है।

## फिर सुर्खियों में हनी सिंह

कई दिनों मशहूर रैपर हनी सिंह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। बताया जा रहा है कि उनका अपनी पहली पत्नी शालिनी तलवार से तलाक हो गया। तलाक के कुछ दिनों बाद ही हनी सिंह को नई गर्लफ्रेंड मिल गई है, जिससे वह फिर सुर्खियों में आ गए हैं। शालिनी से तलाक लेते ही हनी सिंह मॉडल टीना थंडानी के साथ रिलेशनशिप में आ गए हैं, लेकिन अब लगता है कि हनी सिंह ने टीना से भी ब्रेकअप कर लिया है। दरअसल, हनी सिंह ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने इस बात का खुलासा किया है। हनी सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, आखिरकार सच्चे साथी से बढ़कर दुनिया में कोई गहरी इच्छा नहीं है, लेकिन भगवान चाहता है कि मैं अकेला रहूं। हनी सिंह के इस पोस्ट में उनके ब्रेकअप का दर्द साफ नजर आ रहा है। इतना ही नहीं हनी सिंह ने टीना के साथ सभी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया से भी डिलीट कर दिए हैं और दोनों ने एक दूसरे को सोशल मीडिया से अनफॉलो भी कर दिया है।

## बॉबी की फिल्म एनिमल की शूटिंग हुई पूरी

अपकमिंग फिल्म एनिमल की शूटिंग हाल ही में पूरी हुई। इस फिल्म में बॉबी देओल और रणबीर कपूर ने साथ-साथ काम किया है। एक वीडियो में दोनों एक्टर्स सेट पर रैप-अप पार्टी करते नजर आ रहे हैं और केक काट रहे हैं। वीडियो में पूरी टीम को जश्न मनाते हुए देखा जा सकता है।एनिमल का निर्माण भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी-सीरीज, मुराद खेतानी के सिने1 स्टूडियो और प्रणय रेड्डी वांगा की भद्रकाली पिक्चर्स द्वारा किया गया है। फिल्म में अनिल कपूर और रश्मिका मंदाना भी हैं। यह 15 अगस्त को रिलीज होने वाली है। शूटिंग खत्म करते हुए, बॉबी ने कहा, सेट पर बिताया गया हर पल शानदार था। रणबीर के साथ काम करने में काफी मजा आया, वह अच्छे को-स्टार हैं और एनीमल की पूरी टीम बहुत खुश है। मैं उत्साहित हूं और रिलीज का इंतजार कर रहा हूं।

## आमिर संग अपनी दोस्ती को याद किया कंगना ने

एक्ट्रेस कंगना रनौत बॉलीवुड की एक दमदार एक्ट्रेस तो हैं ही, इसके साथ ही वो अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। एक्ट्रेस को जो चीज़ जहां खटकती है, उसे प्वाइंट आउट करने में वह जरा सी भी देर नही लगातीं। कंगना इंडस्ट्री के लोगों की भी कई बार क्लास लगाती नजर आई हैं। हालांकि, कई स्टार्स की उन्हें तारीफ भी करते देखा गया है। अब हाल ही में कंगना ने सुपरस्टार आमिर खान संग अपनी दोस्ती को याद किया है और इसे लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी शेयर किया है।

# संक्षिप्त समाचार

## कटरीना कैफ दुपट्टे और हाथ से छिपाती दिखीं बेबी बंप, वीडियो वायरल

मुंबई ( ईएमएस )। बॉलीवुड की नंबर वन एक्ट्रेसेस में से एक कटरीना कैफ के प्रेग्नेंट होने की चर्चा जोरों पर है। दसअसल एक ईद पार्टी का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कटरीना बेबी बंप को छिपाती दिख रहीं हैं। गौरतलब है कि कटरीना कैफ ने साल 2021 में एक्टर विक्की कौशल संग शादी की थी। इसके बाद से ही कई बार कटरीना के प्रेग्नेंट होने की अफवाह सामने आ चुकी है। वो शनिवार की बीती शाम सलमान खान की बहन अर्पिता खान और उनके पति आयुष शर्मा की ईद पार्टी में नजर आईं तो एक बार फिर उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाह उड़ने लगी। उनका वीडियो देख कुछ लोग कह रहे हैं कि वो दुपट्टे और हाथ से बेबी बंप को छिपाने की कोशिश कर रही हैं! अर्पिता खान और आयुष शर्मा की ईद पार्टी में कटरीना व्हाइट कलर के ढीले-ढाले सूट में नजर आईं। इस लुक में वो बहुत प्यारी दिखीं। उन्होंने पोज भी दिए। इस दौरान वो दुपट्टे को संभाल रही थीं और उनका हाथ भी ज्यादातर पेट पर था। ऐसे में लोग कयास लगाने लगे कि वो प्रेग्नेंट हैं और बेबी बंप कवर करने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि इस पार्टी में कटरीना कैफ अकेले ही आई थीं। उनके साथ पति विकी कौशल नहीं थे। ऐसे में कुछ लोग सवाल पूछने लगे कि विक्की कहां हैं? क्या दोनों तलाक ले रहे हैं? यूजर ने ये तक लिखा कि ये इनके डिवॉर्स का हिंट है कि उन्होंने पार्टी में अकेले शिरकत की है। अर्पिता खान और आयुष शर्मा की ईद पार्टी में बी-टाउन की जानी-मानी हस्तियों का जमावड़ा लगा। पार्टी में पूरा खान परिवार मौजूद था। वहीं, आमिर खान, कार्तिक आर्यन, प्रीति जिंटा, सोनाक्षी सिन्हा, जहीर इकबाल, एमएस धोनी की वाइफ साक्षी, बेटी जीवा, शहनाज गिल, मनीष पॉल, हुमा कुरैशी सहित कई सिलेब्स नजर आए।

## अतीक के समर्थन में नारेबाजी करना देश बांटने की साजिश -केंद्रीय मंत्री पारस

वैशाली( ईएमएस )। केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने पटना में अतीक के समर्थन में नारेबाजी की घटना पर नाराजगी व्यक्त की है। गौरतलब है कि राजधानी पटना में पिछले दिनों अतीक अहमद के समर्थन में नारेबाजी हुई। जिसके बाद बिहार में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। बीजेपी ने इस घटनाक्रम को लेकर सवाल उठाए ही है। केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने इस मुद्दे पर कहा कि अतीक अहमद को शहीद बताकर नारेबाजी करना देश को बांटने की साजिश है। यही नहीं उन्होंने बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर भी हमला बोलते हुए उन्हें सक्षम नहीं अक्षम और निरीह मुख्यमंत्री बताया है। जबकि यूपी सरकार के काम की केंद्रीय मंत्री ने तारीफ की। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के मुखिया और केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस हाजीपुर में एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे। केंद्रीय मंत्री ने अतीक को लेकर हुई नारेबाजी पर कहा कि यह आपसी मतभेद पैदा करने के साथ-साथ देश में दंगा फैलाकर इसका बंटवारा करने की साजिश है। इस घटना की जितनी निंदा की जाए वह कम है। पशुपति पारस ने कहा कि अफजल गुरु के समर्थन में भी नारा लगा था इसलिए इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए एक कानून बनाने की जरूरत है। ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के मुखिया ने केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय की ओर से जारी किए गए बिहार में अपराध के आंकड़ों का भी जिक्र किया। इसे लेकर महागठबंधन सरकार को घेरा। पशुपति पारस ने कहा कि पिछले 8 महीने के दौरान राज्य में अपराध चरम पर है। उन्होंने सोनपुर बैंक लूट और लालगंज में दलित नेता राकेश पासवान की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि नीतीश कुमार सक्षम नहीं बल्कि अक्षम और निरीह मुख्यमंत्री हैं। जो हर काम करने से पहले तेजस्वी यादव की तरफ देखते हैं।

## उमेश पाल हत्याकांड में अतीक का वकील भी आरोपी, पुलिस मांगेगी रिमांड

प्रयागराज ( ईएमएस )। प्रयागराज स्थित धूमनगंज थाना की पुलिस ने अतीक अहमद के वकील खान शौलत हनीफ को उमेश पाल हत्याकांड में उमेश पाल की हत्या की साजिश रचने और शूटरों की मदद करने का आरोपी बनाया है। पुलिस उपायुक्त ( नगर ) दीपक भूकर ने मी ?डिया को बताया कि विवेचना के दौरान खान शौलत हनीफ के खिलाफ साक्ष्य मिले हैं और धूमनगंज थाना में दर्ज प्राथमिकी में आईपीसी की धारा 120-बी ( आपराधिक साजिश ) के तहत खान शौलत हनीफ का नाम जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि विवेचना के दौरान उमेश पाल की हत्या से पहले खान शौलत हनीफ द्वारा अतीक के बेटे असद को उमेश पाल की फोटो भेजने का तथ्य प्रकाश में आया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उमेश पाल अपहरण मामले में उम्रकैद की सजा पाने के बाद नैनी जेल में निरुद्ध खान शौलत हनीफ से पूछताछ के लिए पुलिस जल्द ही अदालत में रिमांड की अर्जी दाखिल कर सकती है। गौरतलब है कि बहुजन समाज पार्टी ( बसपा ) विधायक राजू पाल की हत्या मामले में मुख्य गवाह उमेश पाल और उसके दो सुरक्षाकर्मियों की 24 फरवरी, 2023 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के अगले दिन 25 फरवरी को धूमनगंज थाना में अतीक अहमद, भाई अशरफ, पत्नी शाइस्ता परवीन, दो बेटों, अतीक के साथी गुड्डू मुस्लिम और गुलाम, नौ अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि गत 28 मार्च को यहां की एक विशेष अदालत ने उमेश पाल के अपहरण के 17 साल पुराने मामले में अतीक अहमद, खान शौलत हनीफ और दिनेश पासी को दोषी करार देते हुए उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। खान शौलत हनीफ और दिनेश पासी को नैनी सेंट्रल जेल में निरुद्ध किया गया, जबकि अतीक अहमद को साबरमती जेल भेज दिया गया था। उमेश पाल हत्याकांड के संबंध में पूछताछ के लिए अतीक अहमद और अशरफ को पुलिस ने अपनी हिरासत में लिया था। दोनों की 15 अप्रैल, 2023 को काल्विन अस्पताल ले जाते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

## मां ने कहा, मेरा बेटा शेर है, पिता ने बेटे के मिशन को आगे बढ़ाने संगत से की मांग

अमृतसर( ईएमएस )। अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के बाद उसके माता पिता के बयान सामने आ रहे हैं। जहां मां अपने बेटे को शेर बता रही है तो पिता द्वारा उसके मिशन को आगे बढ़ाने में सिख संगत से सहयोग की मांग की है। गौरतलब है कि अमृतपाल को पंजाब के मोगा जिले से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पंजाब पुलिस ने अमृतपाल को गिरफ्तार कर लिया है। अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद उनके माता-पिता ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अमृतपाल की माता ने कहा कि उनका बेटा शेर है और उन्हें उस पर गर्व है। उन्होंने कहा कि उन्हें सूचना मिली है कि उनके बेटे ने गिरफ्तारी दे दी है और वह पूरे सिखी सरूप में है। इसके साथ ही अमृतपाल की माता ने उनकी बहू को एयरपोर्ट पर रोके जाने के मामले को लेकर कहा कि यह निंदनीय है। वहीं गिरफ्तारी को लेकर अमृतपाल के पिता का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि उनके बेटे ने कोई गलत काम नहीं किया है और वह उसके लिए केस लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह इस बात को लेकर बहुत खुश हैं कि उनका बेटा पूरे सिखी सरूप में है। अमृतपाल के पिता ने कहा कि उन्हें किसी बात की कोई परवाह नहीं है ऐसे झूठे केस पुलिस हर किसी पर डालती रहती है। खालिस्तानी समर्थक के पिता तरसेम सिंह ने पंजाब पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि उनका बेटा पंजाब में नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा था।

## सरकार ने आठ राज्यों को कोविड से निपटने तैयारियां बढ़ाने के निर्देश दिए

नई दिल्ली ( ईएमएस )। देश में फिर से कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र सहित आठ राज्यों को को ?विड से निपटने के लिए तैयारियां बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने इस संबंध में महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, केरल और राजस्थान राज्यों को पत्र लिखा है। भूषण ने सुझाव दिया कि को ?विड की निगरानी, जांच, इलाज, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग, वैक्सीनेशन और मास्क के इस्तेमाल को लेकर सतकर्ता के साथ तंत्र को मजबूत किया जाए। इस बीच महाराष्ट्र के लोक स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना वायरस संक्रमण पर काम करने के लिए एक नई टास्क फोर्स का गठन किया है और सेवानिवृत्त स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. सुभाष सालुंके को इस टास्क फोर्स का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के पूर्व प्रमुख डॉ. रमन गंगाखेडकर, महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. माधुरी कानिटकर, डॉ. बिशन स्वरूप गर्ग और 8 लोगों को इस टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में चुना गया है। यहां उल्लेखनीय है कि कि महाराष्ट्र में प्रति दिन औसतन लगभग एक को ?विड-19 के मामलों का पता लगाया जा रहा है और इनमें सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र मुंबई, पुणे, ठाणे, नागपुर सहित अन्य जिले हैं।

## गुजरात में आरएसएस चीफ बोले

# दुनिया की मदद करने वाला भारत एकमात्र देश

साबरकांठा ( ईएमएस )। बलवान होकर बड़े देश क्या करते हैं, डंडा चलाते हैं। पहले रूस चलाता था, उसको अमेरिका ने गिरा दिया। उसने अपना डंडा चलाना शुरू किया। अब चीन आया है। ऐसा लगता है कि वह अमेरिका को पछाड़ देगा। यही वजह है कि यूक्रेन को मोहरा बना कर अमेरिका और रूस लड़ रहे हैं। हमसे कह रहे हैं कि हमारा सपोर्ट करो। लेकिन, हमने साफ कर दिया कि आप दोनों ही हमारे दोस्त हैं और आप दोनों के बीच जो मर रहा है, हम उसके भी दोस्त हैं।

इसलिए पहले जंग बंद करो... ये शब्द आरएसएस चीफ मोहन भागवत के हैं, जो उन्होंने रविवार को गुजरात के बनासकांठा में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहे। भागवत ने आगे कहा- आज जब भी किन्हीं देशों के बीच जंग होती है तो भारत कहता है, ये लड़ाई का जमाना नहीं है, लडऩा बंद करो। ये कहने भारत खड़ा होता है, जो कहने की हिम्मत पहले नहीं थी। श्रीलंका चीन से दोस्ती करता था, पाकिस्तान से करता था। हमको जरा दूर ही रखता था। लेकिन जब खतरे में पड़ा तो उसकी मदद के लिए कौन आगे आया। एक ही देश सामने आया और उसका नाम भारत है। क्योंकि धर्म को मानने वालों का देश दुनिया में कभी भी किसी का लाभ नहीं उठाएगा। क्योंकि, यह धर्म के मानने वालों का देश है। और जो देश धर्म को मानने वाला होता है, वह किसी का लाभ नहीं उठाता। वह किसी से लेता नहीं है। सिर्फ प्रेम का लेनदेन करता है। भारत लाभ लेने वाला नहीं, भारत अपना लाभ दूसरों को देने वाला देश है। दान देने, खुद का पेट भरने से पहले दूसरों का पेट भरना यह हमारी जन्मजात प्रवृत्ति है। यह हमें साइंस ने नहीं, बल्कि धर्म ने सिखाया है। क्योंकि साइंस का तरीका अलग है। वह सिर्फ प्रयोगों से गुजरता रहता है। साइंस भगवान को भी टेस्ट ट्यूब में देखना चाहता है

साइंस तो कहता है कि भगवान भी टेस्ट ट्यूब में दिखना चाहिए, तभी मानेंगे की भगवान सचमुच में है। साइंस परमाणु के छोटे से छोटे अणु को देखता है। लेकिन अणु से पहले क्या है, वह नहीं देख पाता। तो ऐसे में आप ये कल्पना कैसे कर सकते हो कि भगवान टेस्ट ट्यूब में आएगा। इसीलिए साइंस अहंकारी है। सूर्य की उत्पत्ति कैसे हुई। इसका पता करने के लिए दुनिया में कोई लेबोरेटरी नहीं बनाई जा सकती। इसका पता करने के लिए तो बस चिंतन और विचार है। ब्रह्मांण के बारे में ग्रहों के बारे में हमारे ऋषि-मुनियों ने चिंतन और विचार से ही स्वरों की खोज की और पता लगाया कि सृष्टि का निर्माण स्वरों से ही हुआ। विज्ञान भी इसी बिग-बैंग की थ्योरी के बारे में कहता है, जो कि हमारे ऋषियों ने अपने आत्मज्ञान से पहले ही कह दी थी। वेदों में केवल शब्द नहीं हैं। उस प्रत्येक शब्द का स्वर है। हमारे मुनियों ने लोक कल्याण के लिए तप किया। अपने स्वार्थ के लिए नहीं किया।

### सनातन धर्म का उत्थान भगवान की इच्छा है

सनातन धर्म का उत्थान हो, ये भगवान की इच्छा है। और सनातन धर्म ही हिंदू राष्ट्र है। हिंदू राष्ट्र ही सनातन धर्म है। इसलिए हिंदू राष्ट्र का उत्थान सनातन धर्म के लिए होना बहुत जरूरी है। और उत्थान हो रहा है। इसको हम देख रहे हैं। सनातन धर्म चलते आया हुआ है किसी को उसका उद्गम पता नहीं, वह हमेशा चलता रहेगा। लेकिन धर्म क्या है।

उसे जानने की आवश्यकता है। और बिना वेदों को जाने धर्म के बारे में कभी नहीं जान पाएंगे। क्योंकि सभी धर्मो का मूल वेदों में हैं। धर्म वास्तव में क्या है तो धर्म स्वभाव और कर्तव्य का मेल है। हमारा अपना-अपना स्वभाव होता है। हर चीज का अपना स्वभाव है। स्वभाव से रहित कोई भी वस्तु नहीं है। मिट्टी, अग्नि, वायु सभी का अपना-अपना स्वभाव है।



तेल अवीव में सरकार के न्यायिक बदलावों के विरोध में प्रदर्शन करते हुए लोग।

# बुलडोजर बाबा की सरकार अच्छी, देश कहता है यूपी मॉडल सबसे अच्छा-पशुपति कुमार पारस

*पटना में अतीक के समर्थन में नारेबाजी पर भड़के केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस*

हाजीपुर ( ईएमएस )। बिहार की राजधानी पटना में अतीक अहमद के समर्थन में नारेबाजी के बाद सियासत तेज हो गई है। इस बीच बिहार के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के मुखिया और केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने इस घटना की निंदा की। इस दौरान उन्होंने बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा है। वैशाली के हाजीपुर में एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने अतीक को शहीद बताकर नारेबाजी की घटना पर कहा कि यह आपसी मतभेद पैदा करने के साथ-साथ देश में दंगा फैलाने और देश का बंटवारा करने की साजिश है। इस घटना की जिनती निंदा की जाए वह कम है। यूपी में अपराधियों के एनकाउंटर पर पशुपति पारस ने कहा कि यूपी में बुलडोजर बाबा की अच्छी सरकार है। देश कहता है कि यूपी मॉडल सबसे अच्छा है। जो क्राइम करेगा उसको मिठाई खिलाएंगे या गोली मारेंगे। बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि अफजल गुरु के समर्थन में भी नारे लगे थे। इसलिए इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए एक कानून बनाने की जरुरत है। ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, पशुपति कुमार पारस ने नित्यानंद राय द्वारा जारी किए गए अपराध के आंकड़ों का समर्थन करते हुए कहा कि पिछले 8 महीने में अपराध चरम पर है।

पशुपति पारस ने सोनपुर बैंक लूट और लालगंज के दलित नेता राकेश पासवान की हत्या का उदाहरण देते हुए कहा कि नीतीश कुमार सक्षम नहीं, बल्कि अक्षम और निरीह मुख्यमंत्री हैं। नीतीश कुमार दया के पात्र हैं, जो हर निर्णय लेने से पहले तेजस्वी यादव की तरफ देखते हैं। बिहार में चारों तरफ हाहाकार है।

# न हवनवेदियां प्रज्वलित हुईं, न ही सात फेरे लिए, बस हो गई शादियां

श्योपुर( ईएमएस )। मध्यप्रदेश के श्योपुर में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत आयोजित हुआ सरकारी सामूहिक विवाह सम्मेलन मजाक बनकर रह गया। क्योंकि सम्मेलन में न तो पांडाल सजाया गया, न ही फेरे ?लिए गए। केवल चेक बांटकर औपचा ?रिकता पूरी की गई। हालां ?कि फेरों के लिए 63 हवनवेदियां भी बनाई गईं। लेकिन न तो हवनवेदियों में अग्नि प्रज्वलित हुई। न ही फेरे पड़े।

सिर्फ वर-वधु आए। एक दूसरे को माला पहनाई और प्रशासन ने नेताओं-जनप्रतिनिधियों के हाथों कन्यादान योजना की राशि के चेक बंटवा दिए। इस दौरान सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे कांग्रेस विधायक ने आयोजन को लेकर प्रशासन और भाजपा पर सवाल उठाए, तो बीजेपी ने भी पलटवार कर दिया। उधर प्रशासन पूरे विधि विधान से सम्मेलन संपन्न कराने का दावा कर रहा है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत शनिवार को अक्षय तृतीया के मौके पर श्योपुर जिला मुख्यालय पर सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। बाइपास रोड हेवी मशीनरी टीनशेड में आयोजित इस सम्मेलन के लिए पिछले सप्ताह तक आवेदन लिए गए। जिसमें 63 जोड़ों के विवाह के पंजीयन हुए। इसी के तहत टीनशेड प्रांगण में मंच सजाया। 63 जोड़ों के लिए हवनवेदियां भी बनाईं, लेकिन सम्मेलन में एक भी जोड़े के फेरे नहीं कराए गए। बल्कि वर-वधु को बुलाकर एक दूसरे को माला पहनाई गई और शादी हो गई। इसके बाद जनप्रतिनिधियों के हाथों वधु को 49 हजार रुपए की राशि का चेक प्रदान कर वर-वधु को रवाना कर दिया गया।

# आनंद मोहन का पेरोल पर जेल से बाहर आना मायावती को खटका

पटना( ईएमएस )। बसपा सुप्रीमों मायावती को आनंद मोहन के पेरोल पर जेल से बाहर आना खटक रहा है। उन्होंने इस मामले में ?नितीश सरकार पर ?नियमों में बदलाव करने का आरोप भी लगया है। जानकारी के अनुसार बिहार के बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन अपने बेटे चेतन आनंद की शादी में शामिल होने के लिए पैरोल पर जेल से बाहर आए हैं। बीते कई साल से आनंद मोहन आईएएस अधिकारी जी कृष्णैया हत्याकांड में सजायाफ्ता हैं। पूर्व सांसद की रिहाई के लिए महागठबंधन सरकार के उठाए गए कदम पर बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने महागठबंधन सरकार पर निशाना साधा है।

पिछले दिनों बिहार सरकार ने आनंद मोहन की सहरसा जेल से रिहाई सुनिश्चित कराने के लिए जेल नियमों में कुछ बदलाव किए हैं जिसको लेकर मायावती ने नीतीश पर हमला बोला है। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर कहा कि आनंद मोहन को जेल से रिहा करने पर बिहार सरकार फिर से विचार करे। मायावती ने ट्वीट कर कहा ?कि बिहार की नीतीश सरकार द्वारा, आन्ध्र प्रदेश ( अब तेलंगाना ) महबूबनगर के रहने वाले गरीब दलित समाज से आईएएस बने बेहद ईमानदार जी. कृष्णैया की निर्दयता से की गई हत्या मामले में आनंद मोहन को नियम बदलकर रिहा करने की तैयारी देशभर में दलित विरोधी निगेटिव कारणों से काफी चर्चाओं में है। यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने आगे कहा ?कि आनंद मोहन बिहार में कई सरकारों की मजबूरी रहे हैं, लेकिन गोपालगंज के तत्कालीन डीएम श्री कृष्णैया की हत्या मामले को लेकर नीतीश सरकार का यह दलित विरोधी व अपराध समर्थक कार्य से देश भर के दलित समाज में काफी रोष है। चाहे कुछ मजबूरी हो किन्तु बिहार सरकार इस पर जरूर पुनर्विचार करे।

जेल से रिहा होने के बाद आनंद मोहन ने बीते 20 अप्रैल को पटना में छोटे बेटे अंशमन का जन्मदिन मनाया। वह बड़े बेटे और आरजेडी विधायक चेतन आनंद की शादी में शामिल होने के लिए पैरोल पर बाहर आए हैं। वह बीते दो महीने पहले भी अपनी बेटी की शादी के लिए 15 दिन के पैरोल पर बाहर आए थे। तथा बेटी सुरभि आनंद की शादी शाही अंदाज में धूमधाम से हुई थी, जिसमें बिहार के दिग्गज नेताओं समेत देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग शामिल होने पहुंचे थे। बेटी की शादी में तकरीबन 20 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए थे।

## 10 लाख रेलवे कर्मचारी मोबाइल यूज़र क्लोज ग्रुप से जुड़ेंगें

नई दिल्ली ( ईएमएस )द्ध रेलवे अपने 10 लाख कर्मचारियों को क्लोज्ड यूजर ग्रुप ( सीयूजी ) नेटवर्क से जोड़ेगा। इसके लिए रेलवे ने दो बड़ी टेलीकॉम कंपनियां रिलायंस जियो और भारती एयरटेल को चुना है।देशभर के सभी रेलवे कर्मचारियों को इनकी सेवा उपलब्ध कराए जाएंगे। रिलायंस जियो को 7,28,000 सिम कार्ड उपलब्ध कराने का कांटेक्ट दिया गया है। वहीं भारती एयरटेल को 4 लाख 85 हजार सिम कार्ड उपलब्ध कराने का कांट्रैक्ट दिया गया है। जियो ने सबसे कम दाम पर सेवाएं देने की पेशकश की थी। वहीं एयरटेल दूसरे नंबर पर था। रेलवे के अधिकारी और कर्मचारियों को रेलवे ने मोबाइल नेटवर्क के जरिए, सीयूजी के तहत सभी रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों को आंतरिक नेटवर्क से जोडेगा।ताकि वह रेलवे के कार्यों में अपनी सेवाएं अच्छी तरीके से दे सकें।रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच त्वरित संवाद हो सके।

# शाह के दौरे के बाद कर्नाटक में पहली बार चुनाव में होंगे त्रिकोणीय मुकाबले

- हमेशा कांग्रेस व जद ( एस ) का क्षेत्र रहा है दक्षिण कर्नाटक
- दक्षिण कर्नाटक में भाजपा की ग्रामीण सीट पर है नजर

बैंगलुरु ( ईएमएस )। दक्षिण कर्नाटक क्षेत्र हमेशा कांग्रेस और जद ( एस ) का क्षेत्र रहा है। भाजपा ने इस क्षेत्र में अपनी पैठ बनाने के लिए कई दौरे किए। खास तौर पर गृह मंत्री अमित शाह के दौरे ने कर्नाटक के जनता पर एक अलग छाप छोड़ी है, जिसके बाद से इस क्षेत्र में पहली बार कांग्रेस, भाजपा और जद ( एस ) के बीच वर्चस्व के लिए त्रिकोणीय लड़ाई देखने को मिल रही है। भाजपा ने बैंगलुरु शहर में सबसे अधिक सीटें जीती थी। वहीं, हासन और मांड्या जैसे जिलों में, जहां जद-एस सभी सीटों पर जीत दर्ज करती थी, भाजपा एक-एक सीट जीतने में सफल रही है। दूसरी ओर, इस क्षेत्र में कांग्रेस भी उतनी ही मजबूत है।

दक्षिण कर्नाटक क्षेत्र में बेंगलुरु शहर के अलावा मैसूर, मांड्या, तुमकुरु, हासन, चामराजनगर, कोलार, बेंगलुरु ग्रामीण, कोलार, चिक्काबल्लापुरा और रामनगर जिले शामिल हैं। इस क्षेत्र में 86 विधानसभा सीटें हैं और अकेले बेंगलुरु शहर में 28 सीटें हैं। बेंगलुरु को छोड़कर, क्षेत्र के अन्य जिलों में, जद-एस ने 24 सीटें जीतीं, भाजपा 14 और कांग्रेस ने 20 सीटें जीतीं। जेडी-एस ने मांड्या की सभी सात सीटों पर जीत हासिल की थी। सूत्रों ने बताया कि बेंगलुरु ग्रामीण में चारों सीटों में से एक भी सीट न जीतने वाली बीजेपी इस बार चारों सीटों पर कब्जा जमाने की रणनीति बना रही है। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने बैंगलुरु में 12 सीटों पर जीत हासिल की थी। ऑपरेशन लोटस के कारण बीजेपी ने 15 और जेडी-एस ने दो सीटें जीतीं, लेकिन एक सीट हार गई। इस बार कांग्रेस का लक्ष्य है कि वो 18 सीटों पर जीत हासिल करे और वहीं, बीजेपी अपनी सीटों की संख्या को 20 तक बढ़ाना चाहती है। जेडी-एस अकेले बैंगलुरु में छह से अधिक सीटों को लक्षित कर रहा है। भाजपा ने बैंगलुरु एयरपोर्ट पर नादप्रभु केम्पे गौड़ा की 108 फीट ऊंची प्रतिमा का उद्घाटन किया और इसे समृद्धि की मूर्ति बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक मेगा रैली में इसका उद्घाटन किया। वोक्कालिगा समुदाय इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं। भाजपा सरकार ने चामराजनगर जिले में महादेश्वर की 108 फीट ऊंची प्रतिमा समर्पित की है। लाखों भक्त जाति से परे हटकर महादेश्वर भगवान का सम्मान करते हैं। पीएम मोदी ने बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया और अमित शाह ने मांड्या में एक मेगा डेयरी का उद्घाटन किया। कई उपायों और आउटरीच के बाद भाजपा ने इस क्षेत्र में अपनी पहचान बना ली है।

ऑपरेशन लोटस के माध्यम से वोक्कालिगा चेहरों को सामने लाया गया है, जिसमें स्वास्थ्य मंत्री के. सुधाकर, आबकारी मंत्री के. गोपालैया के अलावा राजस्व मंत्री आर. अशोक और उच्च शिक्षा, आईटी और बीटी सी.एन. अश्वथ नारायण, जो मूल रूप से भाजपा के नेता हैं। कांग्रेस ने डीके शिवकुमार को सीएम उम्मीदवार बनाया।



जापान में लोग माउंट फूजी में हुई आतिशबाजी देखते हुए।

## पूर्वाग्रह भूलाकर आदित्य व उदय चोपड़ा के दुख में शरीक हुए सनी-बॉबी देओल

मुंबई ( ईएमएस )। आदित्य चोपड़ा की मां और यश चोपड़ा की पत्नी पामेला चोपड़ा का हाल ही में निधन हो गया था। तमाम फिल्मी सितारे और उद्योग से जुड़े व्यक्ति इस दौरान आदित्य व उदय चोपड़ा के दुख में शरीक हुए। बीती रात अभिनेता सनी देओल अपने छोटे भाई बॉबी देओल के साथ वर्षो की दुश्मनी को भुलाकर आदित्य के दुख में शामिल होने उनके घर पर पहुंचे। सनी देओल को आदित्य चोपड़ा के घर देखकर हर कोई हैरान रह गया था, मीडिया में सनी देओल की चोपड़ा परिवार के यहां आने की तस्वीरें वायरल हो गईं। उल्लेखनीय है कि 90 के दशक में सनी देओल ने यश चोपड़ा के निर्देशन में बनी फिल्म डर में काम किया था। इस फिल्म के दौरान शाहरुख खान के किरदार को ज्यादा महत्त्व दिए जाने के चलते सनी देओल और यश चोपड़ा के मध्य क्रिएटिव डिफरेंस हो गए थे, जिसके चलते सनी देओल चोपड़ा से दुश्मनी मोल ले ली थी। सनी देओल की यह पहली और आखिरी फिल्म थी, जब उन्होंने यश चोपड़ा या इस बैनर की किसी फिल्म में काम किया था। सनी देओल अब पुरानी बातों को भूलकर आदित्य चोपड़ा के घर दुख की घड़ी में उनके परिवार को सांत्वना देने पहुंचे थे।

## अमृतपाल को उस दिन भी पकड़ सकते थे, पर नहीं चाहते थे कोई खून खराबा व गोलीबारी हो-सीएम भगवंत मान

चंडीगढ़ ( ईएमएस )। पंजाब पुलिस ने रविवार की सुबह भगोड़े अमृतपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। इसको लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि कुछ लोग लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति खराब करने की कोशिश कर रहे थे, हमने उनके खिलाफ एक्शन लिया है। सीएम ने कहा कि हम चाहते तो उस दिन भी पकड़ सकते थे, लेकिन नहीं चाहते थे कि कोई खून खराबा हो या गोलीबारी हो।

सीएम भगवंत मान ने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति को खराब करने की कुछ लोगों द्वारा कोशिश की जा रही थी। जैसे ही हमें उनकी गतिविधियों की सूचना मिली तो हमने एक्शन लिया। कुछ लोग पकड़े गए और कुछ लोग नहीं पकड़े गए। भगवंत मान ने कहा कि इससे पहले अजनाला में पुलिस थाने के सामने पालकी साहब में गुरु ग्रंथ साहिब की सवारी रहती है, कुछ लोग लेकर आ गए थे और उसे ढाल बनाकर थाने के अंदर चले गए थे। उस दिन भी डीजीपी को निर्देश दिए थे कि चाहे कुछ भी हो जाए गुरु ग्रंथ साहिब की मर्यादा को और उनके सम्मान में कोई आंच नहीं आनी चाहिए, न हमने कोई वाटर कैनन यूज़ किया और न ही कोई कंकड़ पत्थर चला। हालांकि कुछ पुलिस जवान जख्मी जरूर हुए। गुरु ग्रंथ साहिब की इज्जत और सम्मान जो लोगों के मन में हैं, उसके लिए हम कुछ भी करेंगे। पंजाब पुलिस की बहुत तारीफ हुई कि उन्होंने बहुत संयम से स्थिति को कंट्रोल किया।

पंजाब सीएम ने कहा कि हम 18 मार्च से अमृतपाल को ढूंढ़ रहे थे। पुलिस ने बड़ी संयम के साथ काम किया और सूचना मिलते ही एक्शन लिया। अमृतपाल 35 दिन से फरार था। इस दौरान पंजाब में अमन-शांति कायम रही। हम एजेंडा पॉलिटिक्स नहीं करते हैं। पंजाब के भाईचारे पर हम आंच नहीं आने देंगे। इस दौरान सीएम ने कहा कि पंजाब के लोगों ने काले दिन देखे हैं, अब वैसी स्थिति नहीं होगी। अब पंजाब देश को लीड करेगा। इसके अलावा भगंवत मान ने कहा कि प्रदेश के साढ़े तीन करोड़ जनता की सुरक्षा हमारा फर्ज है। ये हम निभाते रहेंगे। मान ने बताया कि वो पूरी रात सो नहीं पाए, क्योंकि पुलिस के ऑपरेशन की जानकारी लेते रहे। उन्होंने कहा कि मैं पूरी रात नहीं सोया। मैं हर 15 मिनट, आधा घंटे में पूछता रहता था। मैं नहीं चाहता था कि खून खराबा हो। लॉ एंड ऑर्डर खराब हो, लेकिन कोई बात नहीं, साढ़े तीन करोड़ लोगों की नींद के लिए अपनी नींद गंवानी पड़े तो वो महंगी नहीं है।

# भारत कहता है रूस व अमेरिका हमारे दोस्त, दोनों के बीच जो मर रहा है वह भी मेरा दोस्त-मोहन भागवत

*आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने अमेरिका, चीन व रूस को सुनाई खरी-खरी*

नई दिल्ली ( ईएमएस )। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया के ताकतवर देशों पर डंडा चलाने की बात कही है। एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख ने कहा कि बड़े होकर ( ताकतवर बनकर ) बड़े देश क्या करते हैं, डंडा चलाते हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि पहले रूस चलाता था, उसको अमेरिका ने गिरा दिया। उसने अपना डंडा शुरू किया। उन्होंने कहा कि अब चीन आया है। ऐसा लगता है कि वह अमेरिका को पछाड़ देगा। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि यूक्रेन को मोहरा बनाकर अमेरिका और रूस लड़ रहे हैं। आरएसएस चीफ ने कहा कि ये देश भारत को कह रहे हैं कि हमारी तरफ आओ। हमारा पक्ष लो। वहीं, भारत रूस को कहता है कि आप हमारे दोस्त हो। अमेरिका को भी कहता ही आप भी हमारे दोस्त हो। ये जो आप दोनों के बीच मर रहा है वह भी मेरा दोस्त है। उन्होंने कहा कि भारत का कहना है कि अभी मैं उसको ( यूक्रेन ) राहत पहुंचाता हूं, आप दोनों में से किसी का पक्ष नहीं लेता। ये लड़ाई का जमाना नहीं है, लड़ना बंद करो। संघ प्रमुख ने कहा कि यह कहने वाला भारत खड़ा हुआ है कि पहले अपनी हिम्मत नहीं थी।

उन्होंने कहा कि भारत धर्म के लिए बढ़ रहा है। भागवत ने कहा कि श्रीलंका पहले चीन से और पाकिस्तान से दोस्ती करता था और हमको ( भारत ) जरा दूर ही रखता था। हालांकि, जब श्रीलंका खतरे में पड़ा तो उसकी मदद के लिए कौन आगे आया? संघ प्रमुख ने कहा कि उसकी मदद के लिए दुनिया का एक ही देश आया। उस देश का नाम भारत है। उन्होंने कहा कि धर्म को मानने वाला देश दुनिया में कभी भी किसी का लाभ नहीं उठाएगा। उन्होंने कहा कि परस्पर जीने के लिए हम एक दूसरे का लाभ उठाते हैं, लेकिन वो प्रेम का लेन-देन होता है। उसमें सौदा नहीं होता है। उन्होंने कहा कि भारत लाभ ले रहा है। भारत लाभ क्यों नहीं लेगा? उन्होंने कहा कि जब हमारे लाभ की किसी और को आवश्यकता है। हमारे कमाए हुए से कोई और भूखा जीवित रह रहा है तो भारत देने वाला देश है।

# संक्षिप्त समाचार

## 29 लोगों ने भूखा रहकर दी जान

केन्या( ईएमएस )। अफ्रीका के देश केन्या में एक ईसाई पास्टर के कहने पर 29 लोगों ने भूखा रहकर सामूहिक आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इन लोगों के शवों को किल्फी प्रांत में शाकाहोला के जंगल से बरामद किया। दरअसल, गुड न्यूज इंटरनेशनल चर्च के पास्टर ने इन लोगों को कहा था कि अगर वे भूखे रह कर खुद को दफन कर लेते हैं तो इनकी मुलाकात जीसस से होगी और इन्हें स्वर्ग नसीब होगा। अब इन लोगों के शवों को निकालने का काम तीन दिनों से चल रहा है। केन्या की पुलिस ने एक कब्र से तो एक ही परिवार के 5 लोगों को निकाला है। जो एक साथ जीसस से मिलना चाहते थे। पुलिस को अभी तक 65 कब्र मिली हैं। इनसे लोगों को निकालने का काम चल रहा है।

## 2027 में ताइवान पर हमला करेगा चीन

ताइपे( ईएमएस )। ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने दावा किया है कि चीन उनके देश पर 2027 तक हमला कर देगा। चीन से लगातार मिल रही धमकियों के बीच वू ने एक इंटरव्यू दिया। इस दौरान उन्होंने कहा, हम चीन की मिलिट्री के खतरे को गंभीरता से ले रहे हैं। हमें लग रहा है कि 2027 वो साल हो सकता है जब हम पर हमला हो सकता है। ताइवान इस लड़ाई के लिए तैयारी कर रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि ताइवान को उन्हीं के जैसी विचारधारा वाले देश ही चीन के हमले से बचा पाएंगे। यहां अपने जैसी विचारधारा वाले से उनका मतलब ब्रिटेन और अमेरिका से है। जो ताइवान को सैन्य सहायता देते रहे हैं।

## पाकिस्तान में क्षेत्रीय अलगाववाद को एक प्रोफेसर ने किया उजागर

इस्लामाबाद( ईएमएस )। भारत के विकास के एजेंडे को पाकिस्तान पचा नहीं पा रहा है। भारत के डेवलपमेंट को देखकर आए दिन पाकिस्तानियों के जलने की खबर आती रहती है। एक पाकिस्तानी प्रोफेसर एमएस रजा ने लद्दाख एयरपोर्ट पर लगे साइन बोर्ड को लेकर शहबाज शरीफ सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक तस्वीर को ट्वीट कर लिखा कि यह लद्दाख का लेह एयरपोर्ट है। उन्होंने आगे बताया कि लेह एयरपोर्ट पर लगे साइन बोर्ड पर स्थानीय भाषा में भी जानकारियां दी गई हैं। पाकिस्तान में इस तरह की जानकारी वहां की स्थानीय भाषा में नहीं दी जाती है। उन्होंने इस साइनबोर्ड को पाकिस्तान के क्षेत्रीय अलगाववाद से जोड़ा। रजा नेशनल इक्वेलिटी पार्टी गिलगित बाल्टिस्तान एंड लद्दाख के चेयरमैन हैं। प्रोफेसर एमएस रजा ने ट्वीट में लिखा है कि ये है लद्दाख का लेह एयरपोर्ट। क्या आप जानते हैं इस तस्वीर में क्या है खास? स्थानीय भाषा। इस हवाई अड्डे के बोर्ड के ऊपर लद्दाख की स्थानीय भाषा लिखी हुई है। पहचान और मान्यता का यही अर्थ है। हमें गिलगित, बाल्टिस्तान या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कहीं भी किसी भी बोर्ड पर एक भी शब्द नहीं लिखा हुआ मिला। गिलगिट बाल्टिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में हमारी पहचान, संस्कृति और मान्यता से जुड़ी हर चीज नष्ट हो रही है और पंजाबी पहचान और संस्कृति हावी हो रही है।

## ट्वीटर ने विराट-सचिन समेत अन्य अंतराष्ट्रीय हस्तियों का ब्लू टिक किया वापस

नई दिल्ली( ईएमएस )। सोशल मीडिया के प्लेटफार्म ट्वीटर ने विराट-सचिन समेत अन्य अंतराष्ट्रीय हस्तियों का ब्लू टिक वापस कर ?दिया है। इस तरह से सोशल मीडिया मंच ट्विटर ने करोड़ों फॉलोअर्स वाले कई चर्चित हस्तियों ( सेलिब्रिटीज ) का ब्लू टिक ( वेरिफिकेशन बैज ) बहाल कर दिया है। कुछ दिन पहले ही कंपनी ने भुगतान नहीं करने वाले खातों के ब्लू टिक हटा दिए थे। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि इसी सप्ताह शाहरुख खान और सलमान खान से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी जैसी चर्चित हस्तियों और राजनीतिज्ञों के ट्विटर खातों से ब्लू टिक हटा दिए गए थे। ट्विटर के मालिक एलन मस्क की माइक्रोब्लॉगिंग साइट ने इसी सप्ताह शुल्क नहीं चुकाने वाले खातों के ब्लू टिक हटाने शुरू कर दिए थे। अब कई चर्चित हस्तियों के ट्विटर खातों पर ब्लू टिक आश्चर्यजनक रूप से वापस आ गए हैं। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे शीर्ष क्रिकेटरों के भी ब्लू टिक हटा दिए गए थे लेकिन अब उनके ट्विटर खातों पर यह वापस आ गया है। हालांकि, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है कि क्या इन लोगों द्वारा इसके लिए भुगतान किया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नजर रखने वाले बर्लिन के एक सॉफ्टवेयर डेवलपर ट्रेविस ब्राउन के अनुसार, इन लोगों ने ब्लू टिक वापस लाने के लिए अपनी तरफ से कोई कदम नहीं उठाया है। उधर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के ट्विटर खाते पर भी ब्लू टिक वापस आ गया है। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्होंने इसके लिए कोई भुगतान नहीं किया है। नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने ब्लू टिक मिलने की खुशी ट्विटर पर ही जाहिर की। कई ऐसे चर्चित लोगों के ट्विटर खातों पर भी ब्लू टिक बहाल हो गए हैं, जिनका निधन हो चुका है। इनमें चैडविक बोसमैन, कोबे ब्रायंट और माइकल जैक्सन शामिल हैं। इसके अलावा विदेशी हस्तियों में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, बास्केटबॉल प्लेयर लेब्रॉन जैम्स और लेखक स्टीफन किंग का नाम शामिल है।

## मिट्टी में मिला देंगे वाले बयान पर नीतीश ने सम्राट चौधरी को बताया बुद्धिहीन

पटना( ईएमएस )। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी द्वारा मिट्टी में मिला देंगे वाले बयान के बाद बाद बिहार की राजनीति गरमा गई है। जानकारों का कहना है कि दरअसल सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राजनीतिक तौर पर मिट्टी में मिलाने की बात कही थी। सम्राट चौधरी के इस बयान के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद इस मामले में प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा है कि वे लोग जिस तरह के बयान देते हैं उनके पास बुद्धि नहीं है। नीतीश कुमार ने कहा है कि जिनको जो कहना है कहें जो करना है वह करें मुझे इस पर कुछ नहीं कहना है। नीतीश कुमार ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी समेत भाजपा के कई नेताओं की हम प्रशंसा करते रहे हैं। वहीं नीतीश कुमार ने विपक्षी एकता पर स्पष्ट किया कि उनका मकसद ज्यादा से ज्यादा विपक्षी दलों को एकजुट करना है। उन्होंने कहा कि हम अपने लिए कुछ नहीं चाहते हैं क्योंकि हमारी कोई इच्छा नहीं है। नीतीश कुमार ने भाजपा का नाम लिए बगैर कहा कि वे लोग इतिहास को बदलना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि देश सुरक्षित रहे लेकिन कुछ लोग सब बदलने लगे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात को लेकर नितीश कुमार ने कहा कि विपक्ष के सभी नेताओं को एकजुट करने में लगे हैं। हम सब लोग जब एक साथ हो जाएंगे फिर देश सुरक्षित होगा और इसके लिए हम काम भी कर रहे हैं। गौरतलब है कि सम्राट चौधरी ने शनिवार को भामाशाह जयंती समारोह के दौरान कहा था कि जिस तरह उत्तर प्रदेश में सरकार आतंकवादियों और माफियाओं को मिट्टी में मिला रही है, उसी तरह अगले चुनावों में नीतीश को राजनीति से मिट्टी में मिला देने का संकल्प लेना है।

## ट्वीटर ने विराट-सचिन समेत अन्य अंतराष्ट्रीय हस्तियों का ब्लू टिक किया वापस

नई दिल्ली( ईएमएस )। सोशल मीडिया के प्लेटफार्म ट्वीटर ने विराट-सचिन समेत अन्य अंतराष्ट्रीय हस्तियों का ब्लू टिक वापस कर दिया है। इस तरह से सोशल मीडिया मंच ट्विटर ने करोड़ों फॉलोअर्स वाले कई चर्चित हस्तियों ( सेलिब्रिटीज ) का ब्लू टिक ( वेरिफिकेशन बैज ) बहाल कर दिया है। कुछ दिन पहले ही कंपनी ने भुगतान नहीं करने वाले खातों के ब्लू टिक हटा दिए थे। यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि इसी सप्ताह शाहरुख खान और सलमान खान से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी जैसी चर्चित हस्तियों और राजनीतिज्ञों के ट्विटर खातों से ब्लू टिक हटा दिए गए थे। ट्विटर के मालिक एलन मस्क की माइक्रोब्लॉगिंग साइट ने इसी सप्ताह शुल्क नहीं चुकाने वाले खातों के ब्लू टिक हटाने शुरू कर दिए थे। अब कई चर्चित हस्तियों के ट्विटर खातों पर ब्लू टिक आश्चर्यजनक रूप से वापस आ गए हैं। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे शीर्ष क्रिकेटरों के भी ब्लू टिक हटा दिए गए थे लेकिन अब उनके ट्विटर खातों पर यह वापस आ गया है। हालांकि, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है कि क्या इन लोगों द्वारा इसके लिए भुगतान किया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नजर रखने वाले बर्लिन के एक सॉफ्टवेयर डेवलपर ट्रेविस ब्राउन के अनुसार, इन लोगों ने ब्लू टिक वापस लाने के लिए अपनी तरफ से कोई कदम नहीं उठाया है। उधर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के ट्विटर खाते पर भी ब्लू टिक वापस आ गया है। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्होंने इसके लिए कोई भुगतान नहीं किया है। नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने ब्लू टिक मिलने की खुशी ट्विटर पर ही जाहिर की।

# सेंसेक्स की आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.17 लाख करोड़ घटा

**० रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही**

मुंबई ( ईएमएस )। बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण ( मार्केट कैप ) में सामूहिक रूप से 1,17,493.78 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में सूचना प्रौद्योगिकी ( आईटी ) क्षेत्र की कंपनी इन्फोसिस रही। सप्ताह के दौरान नुकसान में रहने वाली आठ कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ( टीसीएस ), एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं। सिर्फ आईटीसी और भारतीय स्टेट बैंक ( एसबीआई ) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 66,854.05 करोड़ रुपए घटकर 5,09,215 करोड़ रुपए रह गया। इन्फोसिस का चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ उम्मीद से कम रहा है। कंपनी ने 13 अप्रैल को अपना मार्च तिमाही का नतीजा घोषित किया था। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 10,880.5 करोड़ रुपए घटकर 9,33,937.35 करोड़ रुपए पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 10,462.77 करोड़ रुपए घटकर 6,17,477.46 करोड़ रुपए रह गई। टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में 10,318.52 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 11,56,863.98 करोड़ रुपए पर आ गया।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ( एचयूएल ) का बाजार मूल्यांकन 8,458.53 करोड़ रुपए घटकर 5,86,927.90 करोड़ रुपए पर आ गया। एचडीएफसी की बाजार हैसियत 5,172.27 करोड़ रुपए के नुकसान से 5,06,264.24 करोड़ रुपए पर आ गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 4,566.52 करोड़ रुपए घटकर 15,89,169.49 करोड़ रुपए पर और भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 780.62 करोड़ रुपए के नुकसान से 4,26,635.46 करोड़ रुपए पर रह गया।

इसके विपरीत आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 15,907.86 करोड़ रुपए बढ़कर 5,07,373.82 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एसबीआई के मूल्यांकन में 8,746.11 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 4,84,561.80 करोड़ रुपए रहा। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, आईटीसी, एचडीएफसी, एसबीआई और भारती एयरटेल का स्थान रहा।


हंगरी में एक परेड कर साइकिल को आवागमन के लिए एक बेहतर साधन के तौर पर पेश करते हुए लोग।

# पीएम मोदी की पहल पर सूडान से सुरक्षित निकाले गए भारतीय नागरिक

**-विदेश मंत्री जयशंकर ने सऊदी समकक्ष से की बातचीत, जरुरी सुविधाएं कराएंगे मुहैया**

रियाद( ईएमएस )। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर हिंसाग्रस्त सूडान से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल कर सऊदी अरब पहुंचा दिया गया है। सूडान में इस समय चारों ओर हिंसा हो रही है। इस बीच हिंसाग्रस्त सूडान से सऊदी अरब द्वारा निकाले गए 'मित्रवत और भाईचारे वाले देशों' के 66 लोगों में भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। निकासी विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा अपने सऊदी अरब समकक्ष से बात करने के कुछ दिनों बाद हुई। वहां सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच लड़ाई के कारण सूडान हिंसा का सामना कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 72 घंटे के सीजफायर के बीच भी हिंसा की खबरें आ रही हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा है कि सऊदी अरब के नेतृत्व के निर्देशों के कार्यान्वयन में, हम सूडान से सऊदी अरब के निकाले गए नागरिकों और राजनयिकों और अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों सहित भाईचारे और मित्र देशों के कई नागरिकों के सुरक्षित आगमन की घोषणा करते हुए प्रसन्न हैं। मंत्रालय ने कहा कि उत्तरी अफ्रीकी देश सूडान से न केवल उसके अपने नागरिकों बल्कि सहयोगी और मित्र राष्ट्रों के कई नागरिकों को निकाला गया।

मंत्रायल के बयान में आगे कहा गया है कि निकाले गए नागरिकों की संख्या 91 तक पहुंच गई, जबकि भाईचारे और मित्र देशों के निकाले गए नागरिकों की संख्या लगभग 66 तक पहुंच गई। इनमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, बुल्गारिया, कुवैत, कतर, यूएई, मिस्त्र, ट्यूनिशिया, फिलीपींस, कनाडा और बुर्किना फासो के नागरिक हैं। सऊदी अरब इन सभी को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सूडान में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। पीएम मोदी ने सूडान में हाल के घटनाक्रमों का आकलन किया और वर्तमान में देश भर में स्थित 3,000 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ जमीनी स्थितियों की पहली रिपोर्ट प्राप्त की। वहीं एक भारतीय नागरिक के निधन पर शोक व्यक्त किया, जो पिछले सप्ताह गोली का शिकार हो गया था। गौरतलब है ?कि सूडान के सेना प्रमुख अब्देल फत्ताह अल-बुरहान और उनके डिप्टी मोहम्मद हमदान डागलो के प्रति वफादार बलों के बीच लड़ाई तेज हो गई है। सेना का नेतृत्व जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान कर रहे हैं वहीं अर्द्धसैनिक बल का नेतृत्व मोहम्मद हमदान डागालो कर रहे हैं। सेना ने अक्टूबर 2021 में तख्तापलट किया था।

तबसे वह संप्रभुता परिषद के जरिए देश चला रहा है। वहीं जब ?कि आरएसएफ खुद को देश की सेना का हिस्सा मान रहा हैं और सूडान में फिर से नागरिक सरकार स्थापित करना चाहता है।

## देश का कच्चे इस्पात का उत्पादन बीते वित्त वर्ष बढ़कर 12.5 करोड़ टन

नई दिल्ली ( ईएमएस )। बीते वित्त वर्ष 2022-23 को देश का कच्चे इस्पात का उत्पादन 4.18 प्रतिशत बढ़कर 12.53 करोड़ टन पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में देश में 12.02 करोड़ टन से अधिक कच्चे इस्पात का उत्पादन हुआ था। इस दौरान तैयार इस्पात का उत्पादन बढ़कर 12.12 करोड़ टन पर पहुंच गया। यह इससे पिछले वित्त वर्ष के उत्पादन 11.36 करोड़ टन से 6.77 प्रतिशत अधिक है। बीते वित्त वर्ष में घरेलू स्तर पर इस्पात की खपत 12.69 प्रतिशत बढ़कर 11.91 करोड़ टन पर पहुंच गई। 2021-22 में इस्पात की खपत 10.57 करोड़ टन रही थी। एक विश्लेषण में कहा गया है कि बुनियादी ढांचा गतिविधियां बढ़ने की वजह से देश में इस्पात का उत्पादन और उपभोग बढ़ा है।

## नासा ने शेयर किया पृथ्वी का अद्भुत वीडियो, 90 लाख से अधिक लोग देख चुके

वाशिंगटन( ईएमएस )। नासा ने पृथ्वी का एक अद्भुत वीडियो इंस्टा पर शेयर किया है, जिसे अबतक 90 लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। ब्रह्मांड के बारे में जानना, समझना और पढ़ना एक रहस्य के बारे में खोज करनेवालों के लिए नासा का इंस्टाग्राम हैंडल एक खजाना है जो इन रहस्य की गहराई में गोता लगाना चाहते हैं। अंतरिक्ष एजेंसी नासा के इंस्टाग्राम हैंडल से नियमित रूप से आकर्षक वीडियो और फोटो शेयर किया जाता है। हाल ही में स्पेस एजेंसी ने एक शानदार वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो पृथ्वी को एक अलग एंगल से दिखाता है। वीडियो देख आप भी रोमांच से भर उठेंगे और एक अलग ही दुनिया में खो जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस शानदार वीडियो को शेयर करते हुए नासा ने लिखा 'देखिए जैसे जैसे दुनिया गुजरती है, सचमुच। वे लोग जो हमारे गृह ग्रह को एक अलग एंगल से देखने के दुर्लभ अवसर के लिए पृथ्वी की कक्षा में गए हैं, उनका कहना है कि अंतरिक्ष में यह नीला संगमरमर वास्तव में काफी सुंदर और रोमांचकारी है जब इसे 250 मील सीधे ऊपर से देखा जाता है।' वीडियो के कैप्शन में नासा ने जानकारी दी। नासा ने कहा 'अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन वीडियो को मार्च 2022 और मार्च 2023 के बीच अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के अभियान 67 और 68 के दौरान कैप्चर किया गया था।' आईएसएस 409 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा करता है। यह 90 मिनट में पृथ्वी की एक परिक्रमा पूरी करता है। कैप्शन में आगे लिखा है' आप अपने आप को एक घंटे की ड्यूटी की छुट्टी के साथ एक स्टेशन क्रू मेंबर के रूप में कल्पना करें।

## महिला का 40 साल पुराना स्कूल आई कार्ड वापस मिला

ओटावा ( ईएमएस )। कनाडा में एक महिला का 40 साल पुराना स्कूल आई कार्ड वापस मिला है। बीती 13 अप्रैल को, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ( आरसीएमपी ) ने उस पर्स की खोज और वापसी की घोषणा की जिसमें 1981-1982 की एक छात्रा का आई कार्ड था। पुलिस विभाग ने लिखा कि कैसे इस आई कार्ड और पर्स की मालकिन लोरी से संपर्क किया गया।जब उनसे पुलिस ने संपर्क किया तो उन्होंने सोचा की शायद कोई गलती हुई है या कोई उनके साथ मजाक कर रहा है। आरसीएमपीने एक बयान में कहा, '40 साल पहले की कोई चीज अभी भी कैसे मौजूद हो सकती है और यह अब क्यों सामने आ रही है? ठीक है, जैसा कि यह पता चला है कि आईडी 27 मार्च, 2023 को अपलैंड्स ड्राइव पर एक घर के पीछे मिली थी.'आरसीएमपी ने घटना के बारे में बताते हुए कहा कि मकान मालिक जब अपने घर के पीछे एक बाड़ के लिए खुदाई कर रहे थे तभी उन्हें एक टूटा हुआ पर्स दिखा।इस पर्स के अंदर मकान मालिक को वेलिंगटन जूनियर सेकेंडरी स्कूल की एक स्टूडेंट का आई कार्ड मिला। पुलिस ने गोपनीयता कारणों से नाम बदलकर मीडिया को बताया कि यह कार्ड लोरी से संबंधित है।पुलिस ने कहा कि पुलिस ने लोरी को ट्रैक करने के बाद, उसे आई कार्ड की एक तस्वीर ईमेल की।इसके बाद लोरी ने इस पूरे मामले पर कहा, 'मुझे लगता है कि मेरा पर्स शायद चोरी हो गया था और चोर ने इसे कहीं फेंक दिया होगा।

इतने वर्षों मैं शायद इसके बारे में भूल गई थी.' लोरी ने इसके बाद कथित तौर पर अपने बचपन की दोस्त को फोन किया और बताया कि कैसे उसका 40 साल पुराना पर्स और आई कार्ड मिला। मालूम हो कि स्कूल की यादें और स्कूल के दिनों का सामान हर कोई संभाल कर और संजो कर रखता है।इनमें से कोई सामान खो जाए तो इसकी कीमत सिर्फ वही लगा सकता है जिसका सामान खोया हो।

## नस्लवाद आज ब्रिटिश समाज का एक स्थायी तत्व, शोधकर्ता का दावा

लंदन ( ईएमएस )। एक नए शोध से पता चला है कि नस्लवाद ब्रिटिश समाज का एक स्थायी तत्व है और देश में जातीय व धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों के एक-तिहाई से अधिक लोगों ने किसी न किसी रूप में नस्लवाद का सामना किया है। इस शोध को अंजाम देने वाले दल में भारतीय मूल की एक शिक्षिका भी शामिल है। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र की वरिष्ठ व्याख्याता और शोध के सह-लेखकों में से एक डॉ. धर्मी कपाड़िया ने नस्ली भेदभाव को बढ़ावा देने वाली नीतियों और प्रक्रियाओं पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया। कपाड़िया ने नस्लवाद और जातीय असमानताओं के सिलसिले में 'सेंटर ऑन डायनेमिक्स ऑफ एथ्निसिटी' ( सीओडीई ) द्वारा किए गए 'एविडेंस फॉर इक्वैलिटी नेशनल सर्वे' ( ईवीईएनएस ) नामक सर्वेक्षण पर किंग्स कॉलेज लंदन और सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय के लेखकों के साथ काम किया। कपाड़िया ने कहा है ?कि हमारा डेटा इस बात का पुख्ता सबूत है कि नस्लवाद आज ब्रिटिश समाज का एक स्थायी तत्व है। उन्होंने कहा है ?कि हालांकि, नस्लवाद से निपटने के लिए केवल कार्यस्थलों और मेट्रोपॉलिटन पुलिस जैसे संस्थानों से खराब लोगों को हटाने से काम नहीं चलेगा।

## बॉयफ्रेंड ही मेरी बेटी का पिता, यह साबित करने दर-दर भटक रही मां

डर्बीशायर ( ईएमएस )। अजीबोगरीब रिश्तों की कहानियां आपने कई बार सुनी होंगी। लेकिन क्या हो जब एक मां को अपनी बेटी का बाप साबित करने के लिए दर-दर की ठोकरें खानी पड़ें। ब्रिटेन की महिला के साथ यही हो रहा है। वह कहती रही कि बॉयफ्रेंड ही मेरी बेटी का बाप है, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं था। थक हारकर डीएनए टेस्ट करा रही है, ताकि हकीकत को दुनिया के सामने लाया जा सके। इस पर लाखों रुपये खर्च कर रही है।

डर्बीशायर की रहने वाली जेम्मा वाटर्स चार साल से अपने बॉयफ्रेंड निक ग्रीन के साथ रह रही थीं। कुछ दिनों पहले उन्होंने बेटी ओलिविया को जन्म दिया। मगर उसके पैदा होने से कुछ दिन पहले निक की मौत हो गई। समाज ने जेम्मा पर कई तरह के आरोप लगाए। लेकिन वह तब भी विचलित नहीं हुई, लेकिन जब उनकी बेटी को प्रमाणपत्र पर पिता का नाम नहीं मिला, तब परेशान हो गईं। लगभग 2 साल से जेम्मा यह साबित करने में जुटी हुई हैं कि उनका बॉयफ्रेंड ही उनके बच्चे का पिता है लेकिन कोई मानने को तैयार नहीं है। अब उन्होंने लाखों रुपये फूंककर डीएनए टेस्ट कराया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जेम्मा वाटर्स ने कहा, प्रेग्नेंसी के साथ सब कुछ ठीक चल रहा था। निक पहली बार पिता बनने के लिए उत्सुक थे।

वह गर्भ में पल रही हमारी बेटी ओलिविया के लिए गाने गाते थे। उनके ढेर सारे सपने थे, जिनका जिक्र किया करते थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी बेटी अपने पिता को कभी देख नहीं पाएगी। उनका प्यार उससे नसीब नहीं होगा। नवंबर 2021 में निक की मृत्यु के बाद मेरी बेटी हुई, तब प्रमाण पत्र पर निक का नाम नहीं था। कहा गया कि कानून हमें इसकी इजाजत नहीं देता। ओलिविया को बिना पिता के पंजीकृत करने के लिए मजबूर किया गया। कहा गया कि अगर हमारी शादी हुई होती, तब हम दोनों का नाम रजिस्टर करवा सकते थे।

गंभीर रूप से बीमार जेम्मा बेटी को पिता का नाम दिलाने की जंग लड़ रही हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपनी बच्ची का डीएनए टेस्ट कराया है। अदालत को बता रही हूं कि बॉयफ्रेंड ही मेरी बेटी के पिता हैं। आखिर जब कोर्ट कह देगा तब, तब इन्हें मेरी बेटी को उसके पिता का नाम देना होगा। तब हमारे पास अदालत का आदेश होगा, फिर कोई हमें नहीं रोक पाएगा।

# केंट ने पेश की जीरो वॉटर वेस्टेज टेक्नोलॉजी वाली मशीन

नई दिल्ली ( ईएमएस )। आज विश्व धरती दिवस है। प्रकृति ने हमें पानी देकर हम पर बहुत बड़ा उपकार किया है। यदि पानी नहीं, तो समझिए कुछ भी नहीं। अब समस्या ये है कि पीने वाले पानी को पहले शुद्ध करना पड़ता है, तभी उसे पीना सेहत के लिए ठीक रहता है। आज जबकि साइंस ने इतनी तरक्की कर ली है और टेक्नोलॉजी काफी बेहतर है, तो इस ज्ञान का उपयोग पानी को स्वच्छ करने में भी लगाया गया है। इसी की बदौलत आज घर-घर में वाटर प्यूरीफायर देखे जा सकते हैं।

वाटर प्यूरीफायर की बात करें तो ये मशीनें पानी को साफ करने में ही 70-80 फीसदी पानी को व्यर्थ में बहा देती हैं। परंतु कितना बेहतर हो यदि पानी साफ भी हो जाए और वेस्ट भी न हो। इसी पर काम करते हुए केंट आरओ ने ऐसा वाटर प्यूरीफायर बना दिया है जो जीरो वॉटर वेस्टेज टेक्नोलॉजी के साथ आता है। मतलब पानी साफ होता है और वह भी बिना किसी वेस्टेज के। कंपनी ने आरओ से रिजेक्टेड वाटर को ओवर हेड टैंक में पहुंचाने के लिए एक अलग से मोटर लगाई है। जीरो वॉटर वेस्टेज टेक्नोलॉजी में केवल आरओ प्यूरीफायर से केवल शुद्ध पानी देना नहीं होता, बल्कि रिजेक्ट वाटर को इंटरनल पंप के साथ ओवरहेड टैंक में भेजा जाता है, जो जीरो वाटर वेस्टेज का वादा पूरा करता है। जीरो वाटर वेस्टेज कहने का मतलब यह कतई नहीं है कि आरओ से रिजेक्ट वॉटर नहीं निकलता। सच तो यह है कि रिवर्स ऑस्मोसिस ( आरओ ) तकनीक के काम करने के तरीके से यह संभव ही नहीं है। ओवरहेड टैंक के आकार/क्षमता और पीने के पानी की जरूरत के हिसाब से आरओ प्यूरीफायर ओवरहेड टैंक में केवल 3-7 फीसदी पानी का उपयोग करता है।

रिजेक्ट पानी केवल 2 से 5 फीसदी होता है। टैंक में ताजा पानी आने से टीडीएस स्तर में कोई ज्यादा वृद्धि नहीं होती। केंट का दावा है कि वह भारत में वाटर प्यूरिफायर का सबसे बड़ा निर्माता है। उसकी तकनीकी प्रगति को विश्व स्तर पर मान्यता मिली है। हाल ही में केंट ने बीएलडीसी टेक्नोलॉजी के साथ नए कूल स्टाइलिश पंखे लॉन्च किए हैं, जिन पर कंपनी 65 प्रतिशत तक बिजली कम खपत होने का दावा करती है।

केंट आरओ सिस्टम्स के सीएमडी डॉ महेश गुप्ता का कहना है, 'केंट पर्यावरण को लेकर अपनी जिम्मेदारी को अच्छे से समझता है। स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। हम मानते हैं कि हमारे काम करने के तरीके का ( पानी का रिजेक्शन ) पर्यावरण पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसे कम करना हमारी ड्यटी है और दायित्व भी।'

बता दें कि अभी तक अपनी ही आकाशगंगा में धरती जैसा दूसरा ग्रह नहीं खोज पाए, जहां पर ऑक्सीजन हो, पानी हो या जीवन पनपने में संभावना हो। ऐसे में बहुत जरूरी है कि हम अपने प्लानेट धरती का उसी तरह ध्यान रखें, जिस तरह हम अपने घर का रखते हैं। अपनी सोच को जरा बड़ा करके देखें तो पृथ्वी दरअसल हमारा घर ही है।आपने कुछ नारे खूब देखे-पढ़े होंगे कि जल है तो कल है, जल है तो जीवन है। ये सिर्फ नारे नहीं, बल्कि हकीकत है।


लिस्बन में साल में दो बार 2000 साल पुराना सबसे प्राचीन स्थल खोला जाता है। इसके ऊपर कई इमारतें बनी हैं।

# इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजे से तय होगी बाजार की चाल

***- कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक एवं एफआईआई के निवेश प्रवाह पर भी निवेशकों की नजर रहेगी***

मुंबई ( ईएमएस )। वैश्विक बाजार के कमजोर रुख से स्थानीय स्तर पर हुई बिकवाली के दबाव में रहने से बीते सप्ताह एक प्रतिशत से अधिक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह चाल निर्धारित करने में कंपनियों के समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के परिणाम की अहम भूमिका होगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 776 अंक की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 59655 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ( एनएसई ) का निफ्टी 203.95 अंक का गोता लगाकर 17624.05 अंक पर आ गया। वहीं समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली का जोर रहा।

इससे मिडकैप 124 अंक की तेजी के साथ सप्ताहांत पर 24844.97 अंक और स्मॉलकैप 84.68 अंक की बढ़त लेकर 28234.26 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह वैश्विक रुख के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2021-2022 की अंतिम तिमाही में कंपनियों के तिमाही नतीजे का बजार पर असर रहेगा। इस सप्ताह मारुति, एक्सिस बैंक, विप्रो, हिंदुस्तान यूनीलीवर, इंडसइंड बैंक, महाराष्ट्र बैंक, बजाज ऑटो, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और एसीसी जैसी दिग्गज कंपनियों के परिणाम जारी होने वाले हैं। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक एवं विदेशी संस्थागत निवेशकों ( एफआईआई ) के निवेश प्रवाह पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

एफआईआई ने पिछले लगातार तीन महीने दिसंबर, जनवरी और फरवरी में बाजार से निवेश निकाल लिए। लेकिन मार्च में उसने 1,997.70 करोड़ रुपए की लिवाली की। इसके बाद एफआईआई अप्रैल में अब तक 316.67 करोड़ रुपए के लिवाल रहे हैं। इसी तरह घरेलू संस्थागत निवेशकों ( डीआईआई ) का निवेश 342.32 करोड़ रुपए रहा। वैश्विक बाजार के सकारात्मक रुझान के बावजूद स्थानीय स्तर पर सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों टीसीएस और इंफोसिस के कमजोर तिमाही नतीजे से हतोत्साहित निवेशकों की आईटी और टेक समेत पांच समूहों में हुई भारी बिकवाली के दबाव में सोमवार को शेयर बाजार कमजोर रहे। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर रिलायंस, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और टीसीएस समेत पंद्रह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से मंगलवार को शेयर बाजार में गिरावट रही। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, पावर और यूटिलिटीज समेत चौदह समूहों में हुई बिकवाली से बुधवार को शेयर बाजार ?गिरावट में रहे। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर पावर, यूटिलिटीज और दूरसंचार समेत दस समूहों में हुई लिवाली की बदौलत गुरुवार को शेयर बाजार में बढ़त रही। विदेशी बाजारों के कमजोर रुझान के बावजूद स्थानीय स्तर पर एफएमसीजी, आईटी और टेक समेत सात समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शुक्रवार को शेयर बाजार मामूली बढ़त पर रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### चौकी प्रभारी सोम प्रताप सिंह ने पैदल गश्त के दौरान कहा अमन चैन बनाए रखें क्षेत्रवासी

गोंडा! अमन चैन शांति व्यवस्था बनाए रखें क्षेत्रवासी चौकी प्रभारी प्रताप सिंह जनपद गोंडा के थाना तरबगंज पुलिस चौकी के चौकी प्रभारी सो प्रताप सिंह ने चौकी क्षेत्र के पकड़ी बाजार सहित अन्य स्थानों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और क्षेत्रवासियों को जागरूक करते हुए कहा कि क्षेत्रवासी सुरक्षा व्यवस्था कानून व्यवस्था बनाए रखें उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि अगर किसी को कोई परेशानी हो या कोई परेशान करता हो तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दे पुलिस दिन हो या रात गर्मी हो या बरसात जनता की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहती है पुलिस जनता की मित्र है और जनता पुलिस की आपसे मित्रता से ही अपराधों पर काबू पाया जा सकता है।

### भवन स्वामी की अनुमति के बिना भवन पर कोई भी पोस्टर चस्पा न करे

आशीष कसौधन

उतरौला( बलरामपुर ) बिना अनुमति के जनसभा का आयोजन करना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा जिस पर सम्बंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।भवन स्वामी की अनुमति के बिना भवन पर कोई भी पोस्टर चस्पा न करे चुनाव से सम्बंधित पोस्टर पर मुद्रक का नाम लिखा होना चाहिये। यह बात सभागार में चुनाव सम्बन्धी बैठक में अध्यक्ष व सभासद को सम्बोधित करते हुये उपजिलाधिकारी सन्तोष कुमार ओझा ने कही।बैठक में किसी के ऊपर व्यक्तिगत टिप्पणी नही होनी चाहिये,प्रचार प्रसार के लिये बने आडियो व वीडियो क्लिप की अनुमति जिला समिति से लेनी होगी।अध्यक्ष पद के लिए तीन वाहन व सभासद पद के लिये एक वाहन की अनुमति दी जाएगी।मतदान के दिन अध्यक्ष पद को एक वाहन की अनुमति होगी।चुनाव सम्बन्धी खर्च चुनाव समय खोले गए बैंक अकाउंट के माध्यम से करें।जनसभा की अनुमति 24 घण्टे पूर्व ली जानी चाहिये जिसमे आयोजक का नाम ,स्टार प्रचारक,समय व अनुमानित संख्या का उल्लेख किया जाना आवश्यक है। चुनाव का खर्च जमा किया जाना आवश्यक है।इस अवसर पर अबरार खान,अजीज जाफरी,सोनू श्रीवास्तव,संतोष कसौधन, विजय गुप्ता,दुर्गेश कुमार,मनीष कुमार,राजा भारती,ओम प्रकाश, राम प्रकाश,फज्जु कुरैशी, ताज मोहम्मद,सन्तोष कुमार ,अभिषेक गुप्ता व फरीद कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

### जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कोरोना के संबंध में बैठक, स्वास्थ्य अधिकारियों को दिए निर्देश

अंबेडकर नगर कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गयी तैयारियों तथा संक्रमित व्यक्तियों की जाँच के संबंध में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित किया गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को संक्रमण से बचाव हेतु शासन द्वारा जारी निर्देशों का अनुपालन करने एवं लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए।बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि कोविड-19 रोगियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए महामारी के प्रबंधन हेतु सभी आवश्यक तैयारियाँ समयबद्ध रूप से पूर्ण कर ली गई है ताकि आवश्यकता पड़ने पर जन सामान्य को सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी लक्षण युक्त व्यक्ति, जिनमें खाँसी, बुखार अथवा सांस लेने में कठिनाई के लक्षण पाए गए हों तो उन व्यक्तियों को एंटीजन/ आर टी पी सी आर जांच अवश्य कराया जाए। साथ ही साथ यह भी निर्देश दिया गया कि पॉजिटिव मरीजों को आवश्यकतानुसार समय-समय पर दवा उपलब्ध कराया जाए तथा निगरानी समिति के साथ निरंतर बैठक करते रहें। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ श्रीकांत शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ ओमप्रकाश, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष सिंह, संजय कुमार वर्मा, अन्य चिकित्सा अधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

### पीएम मोदी का खजुराहो विमानतल पर हुआ आत्मीय स्वागत

खजुराहो ( ईएमएस )। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार की सुबह 10.15 बजे खजुराहो विमानतल पहुंचे, जहां उनके आगमन पर आत्मीय स्वागत किया गया। छतरपुर जिले के प्रभारी एवं सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री तथा मिनिस्टर इन वेटिंग ओमप्रकाश सखलेचा ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत कर अगवानी की। खनिज साधन एवं श्रम मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती विद्या अग्निहोत्री, विधायक सर्वश्री प्रद्युम्न सिंह लोधी, राजेश शुक्ला, राजेश प्रजापति, पूर्व राज्य मंत्री श्रीमती ललिता यादव, पूर्व विधायक उमेश शुक्ला, पुष्पेन्द्रनाथ पाठक, श्रीमती रेखा यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष मलखान सिंह, पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, अरविंद पटैरिया ने भी प्रधानमंत्री का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रशासन की ओर से मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, संभागायुक्त डॉ. वीरेन्द्र सिंह रावत, आईजी सागर जोन प्रमोद वर्मा, डीआईजी छतरपुर रेंज ललित शाक्यवार, कलेक्टर संदीप जी.आर., पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने भी स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी विशेष विमान से खजुराहो विमानतल पहुँचे थे। जहां से भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस एवं अन्य कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए रीवा रवाना हुए।

### उमेश पाल को श्रद्धांजलि देने उनके आवास पहुंचे केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ ( ईएमएस )। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उमेश पाल के आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उमेश पाल की इसी साल फरवरी में प्रयागराज में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मौर्य ने बाद में संवाददाताओं से कहा ?कि मैं उनके घर उनकी हत्या के बाद नहीं जा सका था। उनके परिवार का प्रत्येक सदस्य मेरे परिवार के सदस्य की तरह है। मैं यहां उन्हें श्रद्धांजलि देने और उनके परिवार के सदस्यों से बात करने आया था। सरकार की ओर से कदम उठाए हैं, ताकि जहां तक परिवार की सुरक्षा का सवाल है, कोई ढिलाई न बरती जाए उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रयागराज और उत्तर प्रदेश को अपराध मुक्त रखने के लिए प्रयास किए हैं और ये आगे भी जारी रहेंगे। गौरतलब है कि प्रयागराज के धूमनगंज इलाके में इसी साल 24 फरवरी को उमेश पाल और उनके दो पुलिस सुरक्षाकर्मियों की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उमेश पाल वर्ष 2005 में हुई बसपा विधायक राजू पाल की हत्या के मामले में मुख्य गवाह थे। उमेश पाल की पत्नी जया पाल की शिकायत पर 25 फरवरी को पूर्व सांसद अतीक अहमद, उसके भाई अशरफ, पत्नी शाइस्ता परवीन, दो बेटों, गुड्डू मुस्लिम और गुलाम और नौ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। अतीक अहमद को पिछली 28 मार्च को प्रयागराज की एक अदालत ने वर्ष 2006 में उमेश पाल के अपहरण के मामले में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अतीक और अशरफ को उमेश पाल की हत्या के मामले में पूछताछ के लिए प्रयागराज लाया गया था पिछली 15 अप्रैल को मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाए जाते वक्त तीन हमलावरों ने दोनों की ताबड़तोड़ गोली मारकर हत्या कर दी थी। अतीक अहमद और अशरफ के मारे जाने को लेकर आतंकी संगठन अलकायदा से कथित खतरे के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री मौर्य ने कहा, पुलिस पर पूरा भरोसा है।

### अतीक की हत्या पर पर्दा डालने विपक्ष पर लगा रहे उल्टा आरोप- सपा सांसद

इलाहाबाद ( ईएमएस )। समाजवादी पार्टी ( सपा ) के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने प्रयागराज में पुलिस हिरासत में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या पर उ?तर प्रदेश सरकार के एक मंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि यह हत्या बिना उनकी ( सरकार ) मंशा के नहीं हुई और पर्दा डालने के लिए विपक्ष पर उल्टा आरोप लगा रहे हैं। संभल लोकसभा क्षेत्र से सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, अरे भाई, इससे ज्यादा केस क्लियर क्या होगा, सारी दुनिया जानती है, सारा हिंदुस्तान जानता है, खुद यह लोग भी जानते हैं, सारा विपक्ष भी जानता है, हत्या कैसे हुई, किसने कराई, न्यायिक हिरासत में थे दोनों, इनकी जिम्मेदारी थी, बगैर इनकी मंशा के थोड़े ही ना हुआ है, यह तो इस पर पर्दा डालने के लिए, उल्टा इल्जाम विपक्ष पर डाल रहे हैं। संभल के चंदौसी में नगर पालिका परिषद के चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा ) कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे मंत्री धर्मपाल सिंह ने पत्रकारों से अतीक अहमद की हत्या के सवाल पर कहा था कि सच तो यह है कि अतीक की हत्या कराने का काम विपक्ष का ही है, कुछ गंभीर राज खुलने वाले थे इसलिए विपक्ष ने उनकी हत्या कराई। शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा, विपक्ष की कोई लड़ाई अतीक अहमद से नहीं थी, उनकी ( सरकार ) हिरासत में था, अदालत उसको चाहे फांसी लगवाती, कुछ भी करती हमें कोई एतराज़ नहीं था, लेकिन इस वक्त जो मारा गया, बिना इनके इशारे के नहीं मारा गया।

# भाजपा प्रत्याशी ने किया नामांकन

( सत्य प्रकाश पांडेय )

अंबेडकर नगर। भारतीय जनता पार्टी के घोषित प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र रिटर्निंग अधिकारी के पास उमड़ी जनसमूह के साथ पूरे गाजे बाजे के साथ वरिष्ठ भाजपा नेताओं की उपस्थिति में दाख़िल किया।

जनपद मुख्यालय की नगर पालिका अकबरपुर की घोषित भाजपा चेयर मैन पद प्रत्याशी निवर्तमान चेयर मैन सरिता गुप्ता ने मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री त्रयंबक तिवारी,भाजपा जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी,निकाय चुनाव जिला संयोजक बाबा राम शब्द यादव,चुनाव अभिकर्ता बाल्मीकि उपाध्याय और प्रस्तावक के साथ तीन सेट में अपना पर्चा दाखिल किया।

नमांकन दाखिला के पूर्व सी डी ओ आवास के मैदान में हुई सभा को सम्बोधित करते हुए भाजपा क्षेत्रीय महामंत्री त्रयंबक तिवारी ने कहा कि जिला मुख्यालय के नगर पालिका की चेयर मैन पद सहित सभासदों की सीट को भाजपा नगर निगम की तरह लड़ रही है।भाजपा अपनी इस सीट पर पुनः जनता की आशिर्वाद और सहयोग से भारी जीत दर्ज कराएगी। उन्होंने कहा कि कोरोना की विभीषिका के कारण अल्प समय नगर के विकास के लिए सरिता गुप्ता को मिला था।फिर भी उन्होंने अपने कार्यकाल में ऐतिहासिक विकास कर नगर को आधुनिक बनाने का कार्य किया है।कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार ही शहरी क्षेत्रों की समुचित विकास कर सकती है।चेयर मैन पद प्रत्याशी सरिता गुप्ता ने मुख्य अतिथि सहित सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस प्रकार से नगर को सजाने और संवारने का कार्य शुरू किया है उसे पुनः आप सभी के आशिर्वाद से आगे भी जारी रखूंगी।कहा कि मुझे भाजपा के छोटे बड़े सभी कार्यकर्ताओं का व्यापक सहयोग मिल रहा है।चेयर मैन प्रत्याशी सरिता गुप्ता नाका संघतिया से गाजे बाजे के साथ पैदल मार्च करते हुए चल रही नामांकन यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा,पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञान सागर सिंह,रमा शंकर सिंह,जिला उपाध्यक्ष डाक्टर रजनीश सिंह,विमलेंद्र प्रताप सिंह मोनू,जिला मंत्री दीपक तिवारी,शिव पूजन राजभर,आदर्श चौधरी, राजकुमार सेठ,सुधीर श्रीवास्तव, श्याम लाल राजभर,मनीष मिश्र, नंद कुमार तिवारी राना,शिव कुमार गुप्ता,स्वेता बंका,भारती,किरन पाण्डेय, सुनीता चौहान,शारदा पाण्डेय, सुनील दुबे,प्रशांत अवधवासी, सुरेश गुप्ता,गौरव श्रीवास्तव, सुनील राजभर आदि शामिल रहे।



### गांव के विकास में ही पंचायत की सार्थकता है: डॉ. सुरेन्द्र मिश्र

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र, महिला शिकायत एवं कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा गांव मसौधा में राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अविवि के प्रौढ़ एवं सतत् शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र मिश्र ने ग्रामवासियों को पंचायती राज्य के बारे में बताया कि 24 अप्रैल 1993 को सर्वप्रथम पंचायती राज्य का गठन किया गया था इसमें ग्राम, तहसील एवं जिला पंचायत तीन स्तरों पर नियोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत का प्रमुख कार्य सरकार द्वारा ग्राम-समाज के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं-विकास कार्यों को लोगों तक पहुँचाना है। जिसमें स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा व लघु रोजगार ग्राम वासियों के उत्थान में सहायक रहेगा। उन्होंने पंचायती राज्य के अंतर्गत पंचायत के सदस्यों के दायित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंचायत के पांचों सदस्यों को पंच तत्वों की भांति क्रियाशील व दिव्य गुणों वाला होना चाहिए। यदि सभी जन गांव के विकास में एकजुट हो जाये तो सच्चे मायने में पंचायत की सार्थकता एवं आज के दिन सार्थक होगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी द्वारा किया गया।

### स्कूल लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित की गई शिक्षिका सुमन कुशवाहा




मोहम्मद सुलेमान

गोंडा! रविवार को गायत्री तपोभूमि मथुरा में जे0यस0 विश्वविद्यालय शिकोहाबाद, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मथुरा, बेसिक एजूकेशन मूवमेंट आफ इंडिया तथा युग निर्माण योजना मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय शैक्षिक कार्यशाला एवं स्कूल लीडरशिप अवार्ड समारोह का आयोजन युग निर्माण योजना गायत्री तपोभूमि युग ऋषि सभागार मथुरा में किया गया। जिसमें जनपद कौशांबी की शिक्षिका सुमन कुशवाहा ने अपने जनपद का प्रतिनिधित्व किया। डॉ शैलेन्द्र सिंह विभागाध्यक्ष समाज शास्त्र, महेंद्र प्रताप सिंह प्राचार्य/ उपनिदेशक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मथुरा तथा प्रमोद कुमार शर्मा प्रमुख युग निर्माण योजना शिक्षक प्रकल्प मथुरा द्वारा हस्ताक्षरित स्कूल लीडरशिप अवार्ड सुमन कुशवाहा के साथ ही लगभग पचास जनपदों से आए हुए 201 शिक्षकों को उनके बेहतरीन स्कूल संचालन व नवाचारी कार्यों के लिए किया गया। कार्यक्रम में विद्वान वक्ताओं ने शिक्षा एवं शिक्षक, राष्ट्र निर्माण में शिक्षक का योगदान, शिक्षक राष्ट्र निर्माता व बच्चे भविष्य निर्माता, किसी भी राष्ट्र का निर्माण व पतन शिक्षक के गोद में पलते हैं आदि बिंदुओं पर विचार रखे। कुछ शिक्षकों ने अपने शोध व नवाचार भी प्रस्तुत किए। अंत में कार्यक्रम के मुख्य कर्ताधर्ता डॉ राजेश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

# भाजपा प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन का आयोजन किया गया




अरविंद कसौधन

उतरौला( बलरामपुर )- रविवार शाम उतरौला मोहल्ला आर्य नगर के कमलापुरी गेस्ट हाउस में विधायक राम प्रताप वर्मा की अध्यक्षता में भाजपा प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक पलटू राम ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में सुशासन व राम राज है ठीक उसी तरह नगर निकाय संचालन के लिए सविता गुप्ता पत्नी अनूप गुप्ता को भारी बहुमत से विजयी बनाकर सेवा करने का मौका दें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उतरौला विधायक रामप्रताप वर्मा ने प्रबुद्ध वर्ग से आवाहन करते हुए कहा कि सभी भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उतरौला नगर पालिका का चुनाव जिताने में जुट जाएं। नगर के विकास के लिए अध्यक्ष की कुर्सी पर काबिज होना बेहद महत्वपूर्ण है। नगर के विकास में किसी प्रकार की कोई बाधा ना उत्पन्न हो इसके लिए डबल इंजन की सरकार में नगरीय निकाय का एक और इंजन जोड़ते हुए ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का काम करें। उन्होंने उतरौला नगर निकाय की अध्यक्ष पद की उम्मीदवार सविता गुप्ता पत्नी अनूप गुप्ता को भारी मतों से विजय बनाने का अपील किया।

पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष अनूप चंद गुप्ता ने कहा कि सभी उतरौला वासी भली भांति जानते हैं कि पूर्व में, मेरे कार्यकाल में बिना भेदभाव के उतरौला का चौमुखी विकास हुआ। नगर के प्रमुख मार्ग सहित सभी वार्डों के मार्गों, गलियों चौराहों मोहल्ले को सड़कों से जोड़ने का काम किया। पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ कराया। जल निकासी के लिए सभी वार्ड में नाली निर्माण कराया था। साफ सफाई की व्यवस्था को चाक-चौबंद करते हुए नगर में रोज़ाना दिन में 2 बार सफाई का कार्य कराया जाता था। दुखहरण नाथ पोखरा व राम लीला मैदान का सुंदरीकरण कराकर उसका जीर्णोद्धार कराया था। पूरे नगर को प्रकाश व्यवस्था से सुशोभित कराने का कार्य किया था। जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक पात्र व्यक्ति को दिलाने का कार्य किया था। इस बार पार्टी ने मेरी पत्नी सविता गुप्ता को प्रत्याशी बनाया है। जिस तरह पूर्व में आप लोगों ने मुझे आशीर्वाद एवं वोट देकर नगर पालिका पहुंचाने का काम किया था।

इस बार सविता गुप्ता को अपना आशीर्वाद और बहुमूल्य वोट देकर सेवा का अवसर प्रदान करें। भाजपा प्रत्याशी सविता गुप्ता ने कार्यक्रम में आए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

संचालन एडवोकेट सुधीर श्रीवास्तव ने किया। प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश सिंह, निकाय चुनाव संयोजक चंद्रप्रकाश गुड्डू, जिला उपाध्यक्ष रमेश जायसवाल, देवानंद गुप्ता, रूपेश गुप्ता, महेंद्र प्रताप सिंह, एडवोकेट आशीष श्रीवास्तव, अंकुर गुप्ता, मनोज सिंह कसेरा, हरिओम पंडित, नगर अध्यक्ष सीबी माथुर, सतीश गुप्ता, अमित गुप्ता, अनिल गुप्ता, विशाल गुप्ता,रोहित राज गुप्ता समेत अनेक भाजपाई मौजूद रहे।

### चुनाव अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण




( सत्य प्रकाश पांडे )

अंबेडकर नगर, नगर निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 के दृष्टिगत जिलाधिकारी /जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जनपद के नगर पालिका परिषद/ नगर पंचायत में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने हेतु पिंक बूथों की स्थापना भी की जा रही है। इन बूथों पर केवल महिला अधिकारी/ कर्मचारी की ही ड्यूटी लगाई गई है के संबंध में जिलाधिकारी /जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पिंक बूथों पर तैनात महिला पीठासीन अधिकारी तथा प्रथम मतदान अधिकारी का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा पीठासीन अधिकारी तथा प्रथम मतदान अधिकारी को दिए जा रहे प्रशिक्षण के बारे में पूछताछ किया गया और मत पेटी के खोलने बंद करने के बारे में पूछा गया। परियोजना निदेशक राकेश प्रसाद तथा डी सी एन आर एल एम आर बी यादव द्वारा पीठासीन अधिकारी तथा प्रथम मतदान अधिकारी को मतदान के संबंध में बृहद प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं के संबंध में स्पष्ट रूप से प्रशिक्षण दिया गया तथा प्रशिक्षण में जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रश्न भी पूछे गए, जिनका पीठासीन अधिकारी/ प्रथम मतदान अधिकारी द्वारा समुचित उत्तर भी दिया गया। निरीक्षण के दौरान डीसी एन आर एल एम आर बी यादव, परियोजना निदेशक राकेश प्रसाद तथा जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी मौके पर उपस्थित रहे।

### पामेला चोपड़ा को दी बॉलीवुड हस्तियों ने श्रद्धांजलि

मुंबई( ईएमएस )। पटकथा लेखिका-गायिका पामेला चोपड़ा को अनेक बॉलीवुड हस्तियों ने श्रद्धांज ?लि दी है। जानकारी के अनुसार आदित्य और उदय चोपड़ा की मां व महान फिल्म निर्माता यश चोपड़ा की पत्नी की याद में प्रार्थना सभा रविवार को अंधेरी के यशराज स्टूडियो में आयोजित की गई। प्रार्थना सभा में हिंदी फिल्म उद्योग की कई नामी हस्तियां शामिल हुई।यशराज स्टूडियो में आए लोगों में निर्देशक-अभिनेता राकेश रोशन और उनकी पत्नी पिंकी, लेखक-निर्देशक लव रंजन, अभिनेत्री शबाना आजमी और उनके पति, लेखक-गीतकार जावेद अख्तर, पूर्व अभिनेत्री और उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी, टीना अंबानी, गायक नितिन मुकेश और अभिनेता रितेश देशमुख शामिल थे। बता दे कि पामेला का लंबी बीमारी से जूझने के बाद गुरुवार को 75 साल की उम्र में निधन हो गया।

# वजीरगंज में प्रधानाध्यापक/ खंड शिक्षा अधिकारी की मासिक बैठक संपन्न

मोहम्मद सुलेमान

गोंडा ! दयानंद आर्य वैदिक इंटर कॉलेज में वजीरगंज ब्लॉक के समस्त प्राथमिक उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी हर्षित पाण्डेय ने की।संचालन ए आर पी संजय कुमार और अशोक कुमार मौर्य ने किया।बैठक को संबोधित करते हुए आदरणीय खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि नवीन सत्र प्रारंभ हो गया है, राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा लगातार विभिन्न सूचनाएं मांगी जा रही है आप लोग सभी सूचनाएं समय से अपने संकुल को उपलब्ध करा दें तथा अपने विद्यालय को निपुण बनाने के लिए टीम भावना से कार्य करें। ए आर पी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि विद्यालय में कक्षा एक मे बाल वाटिका की कक्षाएं संचालित होनी है।आप सभी लोगों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है उसी के अनुरूप आप लोग कार्यक्रम का संचालन करें एवम इस संबंध में कल दिनांक 25/04/2023 को एक गूगल मीट के द्वारा एक बैठक समस्त नोडल शिक्षकों की होनी है जिसमे बाल वाटिका संचालन से संबंधित चर्चा होगी अत: सभी लोग समय से इस ऑनलाइन बैठक में प्रतिभाग करे। नोडल संकुल राधेश्याम तिवारी ने हाउस होल्ड सर्वे एवम उसकी ऑनलाइन प्रेरणा पोर्टल पर फीडिंग से संबंधित जानकारी दी एवम सभी शिक्षकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। ए आर पी गंगेश्वर प्रसाद ने बताया कि सभी प्रधानाध्यापक अपने विद्यालय का यू स्त्रद्बह्यद्ग प्रपत्र का कार्य अविलंब पूर्ण करके ऑनलाइन कर दें। किसी भी प्रकार की समस्या के लिए नवीन सिंह से संपर्क करें।बैठक को संबोधित करते हुए ए आर पी घनश्याम मौर्या ने कहा कि सभी लोग डी बी टी पर सभी बच्चों को वेरिफाई अविलंब कर दे ताकि वे सभी बच्चे डी बी टी के बैच बनने कि प्रक्रिया में शामिल हो सके।जो भी सूचनाएं ग्रुप के माध्यम से मांगी जाती है उनको निर्धारित प्रारूप पर अपने संकुल के माध्यम से उपलब्ध कराए। ए आर पी अशोक कुमार मौर्य




और गंगेश्वर प्रसाद ने सभी प्रतिभागियों को डी बी टी से संबंधित सभी जिज्ञासाओं का समाधान किया। ए आर पी संजय कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सभी प्रधानाध्यापक अपने विद्यालय में शैक्षिक गुणवत्ता पर ध्यान दे। यह सुनिश्चित कर लें कि प्रिंट रिच दीवारों पर अपने निर्धारित जगह पर लगे है, पुस्तकालय क्रियाशील है।सभी शिक्षक कक्षा 1,2,3 में संदर्शिका से शिक्षण कार्य करते हुए निपुण लक्ष्य एप से साप्ताहिक स्पॉट असेसमेंट करें। दीक्षा एप एवम रीड अलोंग एप का प्रयोग करें।इसकी मॉनिटरिंग के लिए जिले एवम ब्लॉक स्तर पर टास्क फोर्स का गठन किया गया है। सभी शिक्षक निपुण भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की योजना बनाकर क्रियान्यवन करें। ए आर पी अशोक कुमार मौर्य ने बताया कि सभी सभी विद्यालयों में डायट के डी एल एड प्रशिक्षु के द्वारा 25 अप्रैल से 4 मई तक कायाकल्प में किए गए कार्यों की जिओ टैगिंग होनी है अत: सभी प्रधानाध्यापक डायट के प्रशिक्षुओं का जिओ टैगिंग में सहयोग करेंगे ।बैठक में राजनाथ मिश्र, आनंद सिंह,मनोज शर्मा, अशोक कुमार द्विवेदी, मुकेश मालवीय, अवनीश पाण्डेय,कन्हैया लाल, नीलम मौर्या, सारिका विनोदी, नरेंद्र कौशल, प्रकाश श्रीवास्तव, विष्णु गुप्ता, अवनीश द्विवेदी,अमर बहादुर सिंह,उपमा देवी, अमरेन्द्र प्रताप सिंह, अर्चना तिवारी,दिलशाद बानो, अनीता चौरसिया, बीना सिंह, सत्य भूषण तिवारी, नंद कुमार सिंह ,वीरेंद्र नाथ सिंह,मनीष कुमार अग्रहरि, सुमन मौर्या, नसरीन बानो आदि अनेक शिक्षक शिक्षिका मौजूद रहे।

# नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 को सकुशल, निर्विघ्न, शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराने हेतु अध्यक्ष/सदस्य का सर्वदलीय बैठक सम्पन्न

अमरेन्द्र त्रिपाठी

बलरामपुर। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 को सकुशल, निर्विघ्न, शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराने हेतु तहसील सदर बलरामपुर सभागार में उप जिलाधिकारी/उप जिला मजिस्ट्रेट राजेन्द्र बहादुर की अध्यक्षता में अध्यक्ष/सदस्य का सर्वदलीय बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक में वरिष्ठ कोषाधिकारी विनोद कुमार द्वारा आय-व्यय से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी दी गयी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से सम्बन्धित किसी प्रकार की जानकारी अपने वार्ड के आरओ से सम्पर्क कर प्राप्त कर सकते है।

उप जिलाधिकारी/उप जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि प्रत्याशियों द्वारा चुनाव प्रचार-प्रसार एवं मतदान दिवसों तथा मतगणना दिवसों में वाहनों का उपयोग सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना नहीं किया जाएगा। प्रचार-प्रसार दिवसों में प्रचार-प्रसार हेतु तथा मतदान दिवसों एवं मतगणना दिवसों में प्रत्याशियों द्वारा रिटर्निंग आफिसर से प्रार्थना पत्र अग्रसारित कराकर ( प्रार्थना पत्र के साथ वाहन का प्रकार, रजिस्ट्रेशन के कागजात, चालक का नाम, नगरीय निकाय का नाम, प्रत्याशी का नाम गाड़ी संख्या तथा प्रत्याशियों के राजनैतिक दलों से सम्बद्धता निर्दलीय का विवरण देना होगा ), अग्रसारित प्रार्थना पत्रों के आधार पर सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट द्वारा प्रत्याशियों को वाहन पास जारी किया जायेगा। जारी किए गए वाहन पास मूल रूप में वाहन पर चस्पा कर प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा।

प्रत्याशियों द्वारा वाहन पास मूल रूप में वाहन के आगे शीशे पर चिपकाया जाएगा। सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट द्वारा प्रतिदिन जारी किये गये वाहन पास की एक छायाप्रति ( सूची सहित ) पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के यहाँ भेजी जायेगी तथा पुलिस अधिकारियों द्वारा सम्बन्धित निकाय के थाने में प्रतिदिन वाहन पास की सूचना भेजी जायेगी। यदि बिना वाहन पास के प्रत्याशियों द्वारा वाहन का उपयोग किया जाता है, तो उनके विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। अनुमति प्राप्त वाहनों के सम्बन्ध में यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि निर्वाचन में प्रत्याशियों या उनके समर्थको द्वारा मोटरयान अधिनियम ( एम0वी0 एक्ट ) का उल्लंघन न हो। प्रत्याशियों द्वारा उपयोग में लाये गये वाहनों का किराया परिवहन आयुक्त द्वारा विभिन्न प्रकार के वाहनों हेतु निर्धारित दर के आधार पर निर्वाचन व्यय में सम्मिलित किया जाएगा। निर्वाचन अवधि में



प्रचार-प्रसार हेतु अनुमति प्राप्त वाहनों को छोडकर किसी भी प्रत्याशी के झण्डे एवं स्टीकर अन्य वाहनों पर नहीं लगाये जायेगें। केवल प्रचार-प्रसार हेतु अनुमति प्राप्त वाहन पर ही झण्डे एवं स्टीकर लगाये जा सकते है। निर्वाचन अवधि में प्रत्याशियों द्वारा प्रचार प्रसार हेतु नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार हेतु - 03, नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार हेतु 02, नगर पालिका परिषद के सदस्य पद के उम्मीदवार हेतु 01 तथा नगर पंचायत के सदस्य पर के उम्मीदवार हेतु 01 वाहन ( दो पहिया वाहन सहित समस्त मैकनाइज्ड, मोटोराइज्ड वाहन ) का संचालन निर्वाचन के प्रचार-प्रसार के लिए करा सकते है। मतदान दिवसों पर नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अध्यक्ष पद हेतु 01 वाहन अनुमन्य होगा एवं नगर पालिका परिषद ध् नगर पंचायत के सदस्य पद हेतु कोई वाहन अनुमन्य नहीं होगा। मतगणना के दिन अध्यक्ष नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत को 01 वाहन की अनुमति दी जायेगी। सदस्य नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत को मतगणना के दिन वाहन की अनुमति नहीं दी जायेगी । प्रत्याशी द्वारा निर्वाचन प्रचार-प्रसार हेतु प्रयोग किए जाने वाले वाहन/ वाहनों तथा निर्वाचन के सम्बन्ध में अन्य मदो पर होने वाला व्यय आयोग द्वारा उक्त पद/स्थान हेतु निर्धारित व्यय सीमा के अन्तर्गत होना चाहिए।

चुनाव प्रचार के दौरान सभा एवं जुलूस का आयोजन की अनुमति सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट द्वारा राजनैनिक दल/उम्मीदवार/इलेक्शन एजेण्ट को प्रदान की जायेगी। राजनैनिक दल/उम्मीदवार /इलेक्शन एजेण्ट द्वारा निर्वाचन कार्य हेतु कार्यालय खोले जाने की अनुमति सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट द्वारा प्रदान की जायेगी।इस दौरान उप जिलाधिकारी राजेन्द्र बहादुर, टीओ विनोद कुमार, समस्त वार्डों के आरओ/एआरओ, अध्यक्ष एवं सदस्यगण मौजूद रहे।

### कन्नड़ अभिनेता सम्पत जे राम ने की आत्महत्या

बैंगलुरू ( ईएमएस )। कन्नड़ फिल्म स्टार सम्पत जे राम ने 35 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली है। बताया जा रहा है कि उन्हें लम्बे समय से उद्योग से काम नहीं मिल रहा था, जिसकी वजह से वे काफी परेशान थे। संपत जे राम कन्नड़ फिल्म उद्योग के जाने-माने स्टार थे। उन्होंने कई टीवी सीरियल्स और फिल्म्स में काम किया था। कन्नड़ स्टार ने अपने घर नेलमंगला में आखिरी सांस ली है।

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय
फोन/फैक्स—05262—230683
मो0— 09415120085
लखनऊ कार्यालय—
फोन— 0522—4028445
मो0— 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com